एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन
- 12

रूस भारी व्यापार घाटे पर भारत की चिंता को दूर करने के लिए तैयार
- 12

बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा के इलाज के लिए ब्रिटेन से आएंगे चिकित्सक
- 13

जीत के लिए कोहली-रोहित पर देश की नजर, दोनों ने विश्व कप के लिए अपना दावा किया पुख्ता
- 14

6th वार्षिकोत्सव विशेषांक
मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

अमृत विचार

हल्द्वानी

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण
लखनऊ बरेली कानपुर
मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

मार्गशीर्ष शुक्ल पक्ष त्रयोदशी 12:26 उपरांत चतुर्दशी विक्रम संवत 2082

बुधवार, 3 दिसंबर 2025, वर्ष 5, अंक 283, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 6 रुपये

ब्रीफ न्यूज

बम की धमकी के बाद विमान को मुंबई में उतारा गया

मुंबई/हैदराबाद। कुवैत से हैदराबाद आने वाली इंडिगो की एक उड़ान को बम की धमकी मिलने के बाद मार्ग परिवर्तित करते हुए मुंबई में मंगलवार को आपातकाल स्थिति में उतारा गया। सूत्र ने बताया कि इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई1234 के लिए पूर्ण आपातकाल घोषित कर दिया गया। हैदराबाद हवाई अड्डे को मंगलवार सुबह छह बजकर 33 मिनट पर इस विमान के लिए बम की धमकी से संबंधित ईमेल प्राप्त होने के कारण इसका मार्ग परिवर्तित कर दिया गया था। बम खतरा आकलन समिति (बीटीएसी) हैदराबाद हवाई अड्डे पर पहुंची और इसे गंभीर खतरा घोषित किया।

10.42 करोड़ की 45,984 ई-सिगरेट जब्त, तीन गिरफ्तार

नई दिल्ली। राजस्व आसूचना निदेशालय (डीआरआई) के अधिकारियों ने तूतीकोरिन में 10.42 करोड़ रुपये मूल्य की 45,984 ई-सिगरेट जब्त कीं और तस्करी के इस गिरोह में शामिल तीन लोगों को गिरफ्तार किया। वित्त मंत्रालय ने बताया कि खुफिया जानकारी मिली थी कि ई-सिगरेट की तस्करी में शामिल एक गिरोह तूतीकोरिन बंदरगाह के रास्ते छाते की आड़ में चीन से ई-सिगरेट से भरे एक कंटेनर को भारत में आयात करने की साजिश रच रहा है, जिसके बाद डीआरआई के अधिकारियों ने तूतीकोरिन बंदरगाह पर कंटेनर को रोक लिया। जांच के दौरान कुछ डिब्बों में छाते भरे हुए पाए गए पीछे छिपी ई-सिगरेट बरामद की गईं।

फेंसेडिल कफ सिरप मामले में एसटीएफ का सिपाही गिरफ्तार

लखनऊ। फेंसेडिल कफ सिरप तस्करी गिरोह का तीसरा मुख्य आरोपी एसटीएफ का बर्खास्त सिपाही आलोक सिंह मंगलवार को गिरफ्तार कर लिया गया। उसे एसटीएफ के एएसपी लालप्रताप की टीम ने सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में स्थित मॉल के पास से दबोचा। सात दिन पहले हुए अमित सिंह टाटा की गिरफ्तारी के बाद आलोक ने कोर्ट में सरेंडर की अर्जी डाल चुका था। एसटीएफ ने उसके खिलाफ लुकआउट नोटिस जारी किया था। आलोक जौनपुर के पूर्व बाहुबली सांसद धनंजय सिंह का करीबी है।

गतिरोध खत्म...बनी सहमति, 8 को वंदे मातरम् व चुनाव सुधार पर चर्चा 9 को

नई दिल्ली, एजेंसी

शीतकालीन सत्र

- सदन में वंदे मातरम् पर चर्चा की शुरुआत करेंगे प्रधानमंत्री मोदी

सरकार ने लोकसभा में चुनाव सुधारों पर चर्चा से जुड़ी विपक्ष की मांग को मंगलवार को स्वीकार कर लिया, जिससे शीतकालीन सत्र के शुरुआती दो दिनों से जारी गतिरोध के खत्म होने के आसार हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ सत्तापक्ष और विपक्ष के नेताओं की बैठक में यह सहमति बनी कि राष्ट्रीय गीत वंदे मातरम् की रचना के 150 साल पूरा होने के विषय पर सोमवार को तथा चुनावों सुधारों के मुद्दे पर मंगलवार एवं बुधवार को चर्चा होगी। इस बैठक के बाद कार्य मंत्रणा समिति (बीएसी) की भी बैठक हुई, जिसमें इन विषयों पर चर्चा कराने पर मुहर लगाई गई। यह भी तय किया गया कि आगामी सोमवार को सदन में वंदे मातरम पर चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री मोदी करेंगे।

संसदीय कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने एक्स पर पोस्ट किया, लोकसभा

अध्यक्ष की अध्यक्षता में हुई सर्वदलीय बैठक के दौरान सोमवार आठ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से राष्ट्रीय गीत 'वंदे मातरम' की 150वीं वर्षगांठ पर लोकसभा में चर्चा और मंगलवार नौ दिसंबर को दोपहर 12 बजे से चुनाव सुधार पर चर्चा करने का निर्णय लिया गया है। बीएसी की बैठक के बाद लोकसभा में कांग्रेस के मुख्य सचेतक कोडिकुनिल सुरेश ने संवाददाताओं से कहा, बीएसी की बैठक के बाद वंदे मातरम और चुनाव सुधारों पर चर्चा के बारे में फैसला किया गया। सोमवार को वंदे मातरम पर चर्चा होगी और इस चर्चा की शुरुआत प्रधानमंत्री करेंगे। इसके बाद मंगलवार और बुधवार को चुनाव सुधारों पर चर्चा होगी तथा जरूरत पड़ने पर समय बढ़ाया जा सकता है। मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर लोकसभा में सोमवार और मंगलवार को गतिरोध की स्थिति बनी रही। विपक्षी दलों के सदस्यों ने इस मुद्दे पर सदन में हंगामा किया। सोमवार को संसद के शीतकालीन सत्र की शुरुआत हुई।

मणिपुर जीएसटी विधेयक संसद से मंजूर

संसद ने मंगलवार को मणिपुर माल एवं सेवा कर (दूसरा संशोधन) विधेयक, 2025 को मंजूरी दे दी जो इस संबंध में लाए गए अध्यादेश की जगह लेगा। उच्च सदन ने वित्त मंत्री सीतारमण के जवाब के बाद विधेयक को ध्वनिमत से लौटा दिया। लोकसभा ने एक दिन पहले ही इस विधेयक को मंजूरी दी थी।

सरकार भारत टैक्सी एप करेगी लॉन्च

सहकारिता मंत्री अमित शाह ने संसद को बताया सरकार जल्द भारत टैक्सी एप लॉन्च करेगी, जिसका उद्देश्य देश के वाणिज्यिक वाहन चालकों को निजी कंपनियों पर निर्भरता से मुक्त करना है। एप से अनुकूल यात्रा के लिए मोबाइल फोन पर बुकिंग, पारदर्शी किराया, वाहन ट्रैकिंग, बहुभाषी इंटरफेस व अन्स सेवाएं शामिल हैं।

सरदार पटेल आधुनिक भारत के निर्माता

सीएम धामी ने वडोदरा में लिया यूनिटी मार्च में भाग, रक्षामंत्री राजनाथ सिंह भी रहे मौजूद

वडोदरा/देहरादून

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरदार पटेल को आधुनिक भारत का निर्माता बताते हुए कहा कि खेड़ा और बारदोली के किसान आंदोलनों में अन्याय के विरुद्ध उनके द्वारा किए गए संघर्ष ने उन्हें भारत में लोकप्रिय बनाया था। उन्होंने अपना पूरा जीवन राष्ट्र-सेवा के लिए समर्पित किया। सरदार पटेल ने अपनी अदम्य इच्छाशक्ति, दूरदर्शिता और अटूट समर्पण से अखंड भारत का सपना साकार किया।

मुख्यमंत्री धामी ने मंगलवार को साधली, वडोदरा (गुजरात) में सरदार@150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत आयोजित यूनिटी मार्च और सरदार गाथा कार्यक्रम में केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह के साथ प्रतिभाग किया। सीएम ने भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल को उत्तराखंड वासियों की ओर से श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि सरदार पटेल ने संवाद, प्रेम, दृढ़ता और निर्भीकता का परिचय देते हुए 562 रियासतों को भारत में मिलाया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सरदार पटेल की जयंती को राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लेकर उनके प्रति सच्ची श्रद्धांजलि अर्पित की है। प्रधानमंत्री द्वारा सरदार पटेल की प्रेरणा से एक भारत, श्रेष्ठ भारत के मंत्र के साथ भारत की एकता, अखंडता और राष्ट्रीय गौरव को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है।

कहा कि, प्रधानमंत्री ने जम्मू कश्मीर से धारा 370 समाप्त कर सरदार पटेल और

वडोदरा में सरदार@150 यूनिटी मार्च में प्रतिभाग करते मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी।

श्यामा प्रसाद मुखर्जी के एक देश, एक विधान, एक संविधान के संकल्प को साकार किया है। प्रधानमंत्री ने गुजरात के केवड़िया में विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्टैच्यू ऑफ यूनिटी का निर्माण कराया। साथ ही, सरदार पटेल के जन्म दिवस पर देश में रन फॉर यूनिटी का आयोजन कर युवाओं को सरदार पटेल के बताए मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित भी किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरदार@150 यूनिटी मार्च के अंतर्गत उत्तराखंड सरकार ने देवभूमि उत्तराखंड के प्रत्येक जनपद में भी एकता यात्रा का आयोजन किया। उन्होंने स्वयं चार प्रमुख स्थानों पर एकता यात्रा में प्रतिभाग किया है। एकता यात्रा के माध्यम से युवाओं को नशा मुक्ति, योग और स्वास्थ्य जैसे विषयों से जोड़ने के साथ सहकारिता मेलों का आयोजन कर स्थानीय हस्तशिल्प और स्वदेशी उत्पादों के प्रचार प्रसार की दिशा में भी कार्य किया गया है। एकता यात्रा के दौरान ग्राम सभाओं में जनसंवाद कार्यक्रमों का आयोजन कर जनता की विभिन्न समस्याओं के समाधान भी किया गया। विभिन्न गांवों में सरदार उपवन विकसित कर पर्यावरण संरक्षण की दिशा में भी महत्वपूर्ण पहल की गई है। सरदार पटेल की प्रेरणा और प्रधानमंत्र के मार्गदर्शन में उत्तराखंड सरकार ने सभी नागरिको के लिए एक समान अधिकार और कानून लागू करने के उद्देश्य से राज्य में समान नागरिक संहिता लागू की है।

देश के नागरिक गरीबी से जूझ रहे, घुसपैठियों के लिए क्या रेड कार्पेट बिछाए जाएं

नई दिल्ली, एजेंसी

- रोहिंग्या मामले में शीर्ष कोर्ट ने की तीखी टिप्पणी

उच्चतम न्यायालय ने देश में रह रहे रोहिंग्या के कानूनी दर्जे पर मंगलवार को तीखा सवाल करते हुए पूछा कि क्या घुसपैठियों के स्वागत के लिए रेड कार्पेट बिछाना चाहिए जबकि देश के अपने नागरिक गरीबी से जूझ रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने मानवाधिकार कार्यकर्ता रीता मनचंदा की ओर से दायर बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका पर सुनवाई करते हुए ये तीखी टिप्पणियां कीं। इस याचिका में आरोप लगाया गया है कि यहां अधिकारियों की हिरासत से कुछ रोहिंग्या लापता हो गए हैं। अब मामले की सुनवाई 16 दिसंबर को होगी।

याचिका में अधिवक्ता ने आरोप लगाया कि मई में दिल्ली पुलिस ने कुछ रोहिंग्या को पकड़ा था, वे कहां हैं, इस बारे में कोई जानकारी नहीं है। प्रधान न्यायाधीश ने कहा कि अगर उनके पास भारत में रहने का कानूनी दर्जा नहीं है तो वे घुसपैठिए हैं। उत्तर भारत में हमारी सीमा बहुत संवेदनशील है। अगर कोई घुसपैठिया आता है, तो क्या हम उनका यह कहकर स्वागत करेंगे कि हम उन्हें सभी सुविधाएं देना चाहते हैं? न्यायालय ने कहा कि उन्हें वापस भेजने में क्या समस्या है?

क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित होने के हकदार

सीजेआई ने कहा कि क्या रोहिंग्या शरणार्थी घोषित किए जाने के हकदार हैं? अगर हां, तो उन्हें कौन-सी सुरक्षा, विशेषाधिकार प्राप्त हैं? दूसरा मुद्दा यह है कि अगर रोहिंग्या शरणार्थी नहीं हैं और घुसपैठिए हैं, तो क्या उन्हें निर्वासित करने की केंद्र और राज्यों की कार्रवाई उचित थी। अगर रोहिंग्या को घुसपैठिया माना भी गया है, तो क्या उन्हें अनिश्चित काल तक हिरासत में रखा जा सकता है या उन्हें उचित शर्तों के साथ जमानत पर रिहा किया जा सकता है।

हर बुधवार को सुनवाई

पीठ ने याचिकाओं को तीन समूहों में विभाजित किया है। उन पर हर बुधवार को सुनवाई तय करेगा। पीठ ने संकेत दिया कि जो लोग अवैध रूप से दाखिल हुए हैं और उन्हें निर्वासित करने की सरकार की जिम्मेदारी के प्रश्न पर वह केवल सिद्धांत निर्धारित कर सकती है।

संचार साथी एप को जब चाहें, फोन से कर सकते हैं डिलीट : संचार मंत्री

नई दिल्ली, एजेंसी

- गोपनीयता संबंधी आशंकाओं के बीच ज्योतिरादित्य सिंधिया ने किया स्पष्ट

नए स्मार्टफोन में सरकारी एप संचार साथी को अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने के निर्देश पर उठी गोपनीयता संबंधी आशंकाओं के बीच संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मंगलवार को स्पष्ट किया कि उपभोक्ता चाहें तो इस एप को मोबाइल से हटा सकते हैं और पंजीकरण न किए जाने तक यह सक्रिय नहीं होगा। सिंधिया ने कहा कि सरकार का उद्देश्य लोगों को धोखाधड़ी और मोबाइल चोरी की घटनाओं से बचाने के लिए उपलब्ध साधनों की जानकारी देना है। अगर आप इसे हटाना चाहें, तो हटा दें।

सरकार ने 28 नवंबर को फोन विनिर्माता कंपनियों को निर्देश दिया था कि वे सभी नए फोन में 'संचार साथी' को इंस्टॉल करके बिक्री के लिए जारी करें और उसकी कार्यक्षमता सीमित न होने दें। इसके साथ ही पहले से इस्तेमाल हो रहे फोन में भी इसे सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिये भेजने को कहा गया है। एप पर आए इस आदेश के बाद विपक्ष ने इसे जासूसी करने वाला एप बताते हुए सरकार पर ग्राहकों की गोपनीयता भंग करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस सांसद प्रियंका गांधी वाड्रा ने इसे अनिवार्य किए जाने की आलोचना करते हुए कहा, लोगों को यह अधिकार होना चाहिए कि वे सरकार की निगरानी के बिना निजी संदेश भेज सकें।

अनिवार्यता पर एप्पल सैमसंग करेंगी बात

नई दिल्ली। अग्रणी फोन विनिर्माता एप्पल एवं सैमसंग संचार साथी एप को मोबाइल फोन में अनिवार्य रूप से इंस्टॉल करने संबंधी सरकारी आदेश पर सरकार से चर्चा करेंगी। दूरसंचार विभाग के निर्देश में कहा है कि 90 दिनों के भीतर सभी नए मोबाइल फोन में इस एप को इंस्टॉल करना होगा। यह देश के भीतर विनिर्मित या बाहर से आयातित सभी फोन पर लागू होगा। वहीं मौजूदा फोन या अनबिके फोन में एप को सॉफ्टवेयर अपडेट के जरिये इंस्टॉल करने को कहा गया है।

10वीं के छात्र ने शिक्षक को चाकू मारा

मुरादाबाद। यहां के जीजी हिंदू इंटर कॉलेज में 10वीं में पढ़ने वाले एक छात्र ने शिक्षक को चाकू मारकर घायल कर दिया। पुलिस घायल शिक्षक की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर छात्र की तलाश कर रही है।

मंगलवार सुबह 9:20 बजे भौतिक विज्ञान के शिक्षक अरुण कुमार त्यागी कॉलेज पहुंचे तो गेट पर छात्र ने पीछे से चाकू से वार कर दिया। हालांकि उस समय शिक्षक को अहसास नहीं हुआ। स्कूल के चौकीदार रामनरेश ने देख लिया। स्कूल में उन्हें दर्द का अहसास हुआ तो कमर पर हाथ लगाया। हाथ में खून लगा तो वह चौंक गए। इसके बाद प्रधानाचार्य कुलदीप बरनवाल ने कोतवाली पुलिस को फोन किया। एसएसआई सुरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और छात्रों से पूछताछ की। चौकीदार ने बताया कि शिक्षक पर 10वीं कक्षा के छात्र ने हमला किया है। प्रधानाचार्य ने बताया कि आरोपी छात्र मूल रूप से रामपुर का है और मुरादाबाद में डबल फाटक पर एक रिश्तेदार के घर रहकर पढ़ाई करता है। छात्र ने हमला क्यों किया इसके बारे में शिक्षक कुछ नहीं बता सका।

घायल अध्यापक अरुण कुमार

- घायल अध्यापक ने छात्र के खिलाफ दर्ज कराई प्राथमिकी

बनभूलपुरा रेलवे अतिक्रमण की सुनवाई टली

संवाददाता, नई दिल्ली/हल्द्वानी

- सुप्रीम कोर्ट अब 10 दिसंबर को मामले में करेगा सुनवाई

अमृत विचार: हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में रेलवे की भूमि पर अतिक्रमण के बहुचर्चित प्रकरण में मंगलवार को शीर्ष अदालत में सुनवाई नहीं हो पायी। अब इस प्रकरण में आगामी 10 दिसंबर की तिथि को सुनवाई के लिए अधिसूचित किया गया है। माना जा रहा है कि इस तिथि को निर्णायक फैसला आ सकता है।

गौरतलब है कि, वर्ष 2023 में उत्तराखंड हाईकोर्ट ने हल्द्वानी निवासी रविशंकर जोशी की ओर से दायर जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए रेलवे की भूमि से अतिक्रमण हटाने के निर्देश दिए थे। इस आदेश को हल्द्वानी निवासी अब्दुल मतीन सिद्दीकी समेत अन्य लोगों ने सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। मंगलवार को इस प्रकरण में अंतिम सुनवाई होनी सुनिश्चित थी लेकिन यह प्रकरण निर्धारित समय तक सुनवाई के लिए नहीं आ पाया। रेलवे की ओर से हाईकोर्ट के आदेश पर अतिक्रमित भूमि पर 4365 घरों को चिह्नित किया गया है। उसका कहना है कि उसे रेल सेवा के विस्तार के लिए 30 हेक्टेयर भूमि की आवश्यकता है और भूमि नहीं मिलने से रेल सेवाओं का विस्तार नहीं हो पा रहा है। उधर, शीर्ष कोर्ट में निर्णायक सुनवाई को देखते हुए हल्द्वानी में पुलिस-प्रशासन द्वारा दो दिन से अभूतपूर्व सुरक्षा व्यवस्था की गयी और बनभूलपुरा क्षेत्र को सुरक्षा के लिहाज से छावनी में बदल दिया गया। ड्रोन और सीसीटीवी कैमरों से पूरी नजर रही। एसएसपी नैनीताल डॉ. मंजूनाथ टीसी के अनुसार, कानून और शांति व्यवस्था कायम रखने के लिए सुरक्षा के चाकचौबंद इंतजाम किए गए हैं।

एक्सपायर सर्टिफिकेट पर एयर इंडिया ने उड़ाया विमान, जांच शुरू

नई दिल्ली। एक्सपायर सर्टिफिकेट पर विमान उड़ाने के एक मामले में डीजीसीए ने जांच शुरू कर दी है। डीजीसीए ने बताया कि आमतौर पर टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया हर साल अपने विमानों की जांच के बाद उनके लिए एआरसी जारी करती है। लेकिन, साल 2024 में विस्तारा के अधिग्रहण के समय यह तय हुआ था कि विस्तारा से आने वाले सभी 70 विमानों को पहले साल में एआरसी डीजीसीए द्वारा जारी किया जाएगा। 69 विमानों को जांच के बाद डीजीसीए ने एआरसी जारी कर दिया जबकि एक विमान के बारे में आवेदन दिया कि उसे इंजन बदलने के लिए ग्राउंड किया।

बदलाव | केंद्र सरकार ने आदेश किए जारी, देशभर के राजभवन अब कहलाएंगे लोकभवन

पीएमओ का नाम अब सेवा तीर्थ, केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन

नई दिल्ली, एजेंसी

प्रधानमंत्री कार्यालय के नए परिसर को अब 'सेवा तीर्थ' के नाम से जाना जाएगा। केंद्रीय सचिवालय कर्तव्य भवन होगा, जबकि देश भर के राजभवन अब लोकभवन कहलाएंगे। केंद्र सरकार के अधिकारियों ने बताया कि सेंट्रल विस्टा पुनर्विकास परियोजना के तहत बन रहे परिसर का निर्माण कार्य अपने अंतिम चरण में है। इसे पहले 'एग्जीक्यूटिव एन्क्लेव' के रूप में जाना जाता था।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अलावा निर्माणाधीन परिसर में मंत्रिमंडल सचिवालय, राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद सचिवालय और 'इंडिया हाउस' के कार्यालय भी शामिल होंगे, जो आने वाले गणमान्य व्यक्तियों के साथ उच्च स्तरीय वार्ता का स्थल होगा। अधिकारियों ने बताया कि 'सेवा तीर्थ' एक ऐसा कार्यस्थल होगा, जिसे सेवा की भावना को प्रतिबिंबित करने के लिए डिजाइन किया गया है और जहां राष्ट्रीय प्राथमिकताएं मूर्त रूप लेंगी। उन्होंने कहा कि भारत के सार्वजनिक संस्थान एक शांत लेकिन गहन बदलाव के दौर से गुजर रहे हैं। अधिकारियों के मुताबिक शासन का विचार 'सत्ता' से 'सेवा' और 'अधिकार' से 'उत्तरदायित्व' की ओर बढ़ रहा है। यह परिवर्तन केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और नैतिक भी है। राज्यों के राज्यपालों के आधिकारिक आवास 'राजभवन' का भी नाम भी बदलकर 'लोक भवन' रखा जा रहा है। केन्द्रीय सचिवालय का नाम कर्तव्य भवन है, जो एक विशाल प्रशासनिक केंद्र है, जिसका निर्माण इस विचार के इर्द-गिर्द किया गया है कि सार्वजनिक सेवा एक प्रतिबद्धता है। ये बदलाव एक गहरे वैचारिक परिवर्तन का प्रतीक हैं। भारतीय लोकतंत्र सत्ता की बजाय जिम्मेदारी और पद की बजाय सेवा को चुन रहा है। नामों में बदलाव मानसिकता में भी बदलाव है।

नाम कल्याण का बोध न कि विशिष्टता का

अधिकारियों के मुताबिक यह नाम कल्याण का बोध कराता है न कि विशिष्टता का। यह प्रत्येक निर्वाचित सरकार के भविष्य के कार्यों की याद दिलाता है। सरकार ने हाल ही में राष्ट्रपति भवन से इंडिया गेट तक वृक्षों से घिरे मार्ग के पूर्ववर्ती नाम 'राजपथ' को बदलकर 'कर्त्तव्य पथ' किया था। प्रधानमंत्री के आधिकारिक आवास का नाम 2016 में बदलकर लोक कल्याण मार्ग कर दिया गया था।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

सरकार ने एलटी शिक्षकों की वरिष्ठता सूची को जारी किया, हाईकोर्ट को दी जानकारी

शिक्षकों की पदोन्नति के मामले में हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने की याचिका पर सुनवाई

हाईकोर्ट समाचार 1

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी. नरेंद्र एवं सुभाष उपाध्याय की खंडपीठ ने प्रदेश के एलटी शिक्षकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति के मामले पर दायर कई याचिकाओं पर एक साथ सुनवाई करते हुए अगली सुनवाई को 4 दिसम्बर की तिथि नियत की है।

मंगलवार को सरकार की तरफ से हाईकोर्ट में कहा गया कि उनके द्वारा शिक्षकों की वरिष्ठता सूची जारी कर दी है। वहीं, मामले में अन्य याचिकाकर्ताओं की तरफ से दायर याचिकाओं में कहा गया कि उनको पहले वरिष्ठता दी जाए क्योंकि उनका चयन वर्ष 2005 में सीधी भर्ती से हुआ। वहीं, कई अन्य याचिकाकर्ताओं की तरफ से कहा गया कि उनको पहले वरिष्ठता पर रखा जाए क्योंकि वे प्रमोशन से आए हुए हैं।

इस पर कोर्ट ने इनके मामलों पर सुनवाई हेतु 4 दिसम्बर की तिथि नियत की है। मामले के अनुसार, एलटी शिक्षकों और प्रवक्ताओं की पदोन्नति के मामले लंबे समय से अटके पड़े हैं। याचिकाकर्ता का कहना है कि प्रधानाचार्य पद की सीधी भर्ती को निरस्त कर इस पद को पदोन्नति से भरा जाए न कि सीधी भर्ती से क्योंकि वे वर्षों से कार्य करते आ रहे हैं।

जलजीवन मिशन गड़बड़ी में दें जवाब

2

नैनीताल: हाईकोर्ट ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत टिहरी जिले के प्रताप नगर तहसील के 23 गांवों में हर घर में जल नल योजना में कथित तौर पर भारी गड़बड़ियों और गबन के आरोपों संबंधी जनहित याचिका पर सुनवाई की। मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने गड़बड़ी करने के आरोपी पेयजल लाइनों के ठेकेदारो को भुगतान नहीं करने के आदेश को जारी रखते हुए राज्य सरकार व पेयजल निगम से दो सप्ताह में जवाब पेश करने को कहा है। अगली सुनवाई हेतु सप्ताह बाद की तिथि नियत की गई है।

पीठ ने रद्द किया निचली कोर्ट में मामला

विधि संवाददाता, नैनीताल

- हाईकोर्ट ने की टिप्पणी- यह मामला कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग का एक उत्कृष्ट उदाहरण

अमृत विचार: उत्तराखंड हाईकोर्ट ने एक महत्वपूर्ण फैसले में एक व्यक्ति के खिलाफ देहरादून की निचली अदालत में चल रहे धोखाधड़ी के पूरे आपराधिक मामले को रद्द कर दिया है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला 'कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग' का एक उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां राज्य प्राधिकारी अपने ही बयानों से पलट रहे हैं।

3

न्यायमूर्ति पंकज पुरोहित की एकलपीठ ने अपने फैसले में एक आपराधिक मुकदमे में जारी चार्जशीट व सम्मन आदेश को रद्द कर दिया।

याचिकाकर्ता रणजीत सिंह के वकील ने तर्क दिया था कि आईपीसी की धारा 420 के तहत अपराध के लिए लेन-देन की शुरुआत से ही 'धोखाधड़ी या बेईमानी का इरादा' होना आवश्यक है। कोर्ट ने इस तर्क को स्वीकार करते हुए पाया कि जब संपत्ति को किराए पर देने का पहला लेनदेन हुआ था, तब रणजीत सिंह की आयु मात्र दो वर्ष थी।

कोर्ट ने कहा कि इतनी कम उम्र में आवेदक किसी भी इरादे का गठन नहीं कर सकता था और इसलिए उसे धोखाधड़ी का दोषी नहीं ठहराया जा सकता है। कोर्ट ने आवेदक को 'डोली इनकैपैक्स' के सिद्धांत से संरक्षित माना। हाईकोर्ट ने इस बात पर जोर दिया कि विवादित संपत्ति को लेकर पक्षों के बीच लंबे समय से सिविल मुकदमे चल रहे हैं। इन सभी सिविल कार्यवाहियों में, राज्य और एसएसपी देहरादून ने स्वयं यह स्वीकार किया था कि आवेदक के पूर्वज संपत्ति के मालिक थे और राज्य केवल एक किराएदार था। याचिकाकर्ता के वकील ने दलील दी कि जब सभी अदालतों ने आवेदक के पक्ष में फैसला सुनाया और राज्य को बेदखल करने का आदेश दिया गया तो राज्य ने दुर्भावनापूर्ण इरादे से झूठी एफआईआर दर्ज करा दी।

राज्य की ओर से कहा गया था कि आवेदक की मां संपत्ति की मालिक नहीं थीं और यह संपत्ति एक मुस्लिम परिवार की थी जो विदेश जा चुका है इसलिए यह 'एस्चीट' के माध्यम से सरकार के पास आ गई है। कोर्ट ने इस विरोधाभास को देखते हुए इसे 'कानून की प्रक्रिया का घोर दुरुपयोग' माना। कोर्ट ने कहा कि पुलिस ऐसे मामले में 'अपने ही मामले में न्यायाधीश' की तरह काम कर रही है। हाईकोर्ट ने आपराधिक कार्यवाही को रद्द करने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 482 के तहत प्राप्त अपनी असाधारण शक्तियों का प्रयोग किया, ताकि कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग रोका जा सके।

हाईकोर्ट बार एसो. चुनाव में 15 दिसंबर को मतदान

विधि संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, नैनीताल के चुनावों की तिथि घोषित कर दी गई है। बार एसोसिएशन के विभिन्न पदों के लिए आगामी 15 दिसम्बर को मतदान होगा।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी कुर्बान अली द्वारा मंगलवार को जारी अधिसूचना के अनुसार, चुनाव प्रक्रिया 3 दिसंबर को बकाया राशि के भुगतान की अंतिम तिथि के साथ शुरू होगी। अनंतिम मतदाता सूची 4 दिसंबर को प्रकाशित की जाएगी, जिस पर आपत्तियां 5 दिसंबर को शाम 4 बजे तक दर्ज कराई जा सकती हैं, जिसके बाद 6 दिसंबर को अंतिम मतदाता सूची जारी होगी। नामांकन पत्र क्रय करने की तिथि 8 दिसंबर सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक निर्धारित किया गया है। नामांकन 9 दिसंबर को सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जमा होंगे। नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी 10 दिसंबर को शाम 4 बजे तक की जा सकेगी। इसके बाद, उम्मीदवारों के नाम की पदवार प्रकाशन सूची 11 दिसंबर को जारी की जाएगी। अधिसूचना के अनुसार, अध्यक्ष और सचिव पद के उम्मीदवारों की आम सभा 12 दिसंबर को हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के कॉन्फ्रेंस हॉल में दोपहर 1 बजे से होगी। मतदान 15 दिसंबर को सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा। मतदान समाप्त होने के तुरंत बाद, शाम 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी और उसके बाद परिणामों की घोषणा की जाएगी।

नामांकन शुल्क भी हुआ घोषित

चुनाव समिति की बैठक के निर्णय के अनुसार, सभी पदों के लिए नामांकन फॉर्म का मूल्य 1200 रुपये निर्धारित किया गया है। नामांकन शुल्क विभिन्न पदों के लिए अलग-अलग तय हुआ है। इनमें अध्यक्ष पद के लिए 50 हजार रुपये, महासचिव पद के लिए 40 हजार रुपये, वरिष्ठ उपाध्यक्ष के लिए 35 हजार रुपये हैं जबकि कनिष्ठ उपाध्यक्ष (सामान्य) और कनिष्ठ उपाध्यक्ष (महिला) दोनों के लिए शुल्क 20 हजार रुपये निर्धारित किया गया है। संयुक्त सचिव, कोषाध्यक्ष, पुस्तकालयाध्यक्ष और वरिष्ठ कार्यकारिणी सदस्य के लिए शुल्क 10 हजार से 12 हजार रुपये तक है।

ऐसे चलेगी बार एसोसिएशन की चुनावी प्रक्रिया

- 3 दिसंबर : बकाया राशि के भुगतान की अंतिम तिथि
- 4 दिसंबर : अनंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी,
- 5 दिसंबर : शाम 4 बजे तक आपत्तियां दर्ज कराई जा सकती हैं
- 6 दिसंबर : अंतिम मतदाता सूची जारी होगी
- 8 दिसंबर : नामांकन पत्र क्रय करने की तिथि सुबह 10 से दोपहर 3 बजे तक
- 9 दिसंबर : नामांकन पत्र सुबह 10 बजे से दोपहर 3 बजे तक जमा होंगे
- 10 दिसंबर : नामांकन पत्रों की जांच और नाम वापसी शाम 4 बजे तक होगी
- 11 दिसंबर : उम्मीदवारों के नाम की पदवार प्रकाशन सूची जारी होगी
- 12 दिसंबर : अध्यक्ष और सचिव पद के उम्मीदवारों की आम सभा होगी
- 15 दिसंबर : मतदान सुबह 10 बजे से शाम 4 बजे तक होगा
- 15 दिसंबर : शाम 5 बजे से वोटों की गिनती शुरू होगी और उसी दिन हाईकोर्ट बार एसोसिएशन मतदान के परिणाम घोषित होंगे

स्टेट ब्रीफ

सुरसिंहधार नर्सिंग कॉलेज को पीजी की मान्यता मिली

देहरादून: मुख्यमंत्री घोषणा के क्रम में स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग की विस्तृत समीक्षा बैठक ली। बैठक में टिहरी जनपद के सुरसिंहधार स्थित राजकीय नर्सिंग कॉलेज को पीजी कॉलेज के रूप में विकसित करने की मान्यता दे दी गई। स्वास्थ्य सचिव ने कहा कि निरीक्षण के आधार पर समिति ने राजकीय नर्सिंग कॉलेज नई टिहरी में एमएससी नर्सिंग कार्यक्रम शुरू करने के लिए 15 नई सीटों की संस्तुति की है।

150 छात्र-छात्राओं के लिए यूरिन के नमूने

देहरादून: ड्रग्स फ्री कैंपस अभियान के तहत देहरादून के निजी शिक्षण संस्थानों के छात्र, छात्राओं का औचक यूरिन जांच (रैंडम यूरिन टेस्ट) की प्रक्रिया मंगलवार को भी जारी रही। जिलाधिकारी सविन बंसल के निर्देश पर निजी विश्वविद्यालय में प्रशासन की टीम ने 150 छात्र, छात्राओं की रैंडम टेस्टिंग की। नशा मुक्ति से छात्र-छात्राओं को जागृत करने और शपथ पत्र भरवाने के बाद यह प्रक्रिया शुरू की गयी। डीएम बंसल ने ड्रग परीक्षण से छात्र, छात्राओं और अभिभावकों से न घबराने का अनुरोध किया तथा इस अभियान में जिला प्रशासन का सहयोग करने की अपेक्षा की हैं। उन्होंने कहा कि इस अभियान का उद्देश्य स्कूल, कालेज में अध्ययनरत् छात्र, छात्राओं को नशे के दुष्प्रभाव से बचाना तथा नशामुक्त समाज बनाना है। उन्होंने जिले के सभी निजी एवं शासकीय सभी शिक्षण संस्थानों में एंटी ड्रग्स कमेटी में स्कूल के एक छात्र और एक छात्रा को शामिल कर कमेटी को सक्रिय करने के निर्देश दिए हैं।

अवैध खड़िया खनन में रिपोर्ट तलब

4

नैनीताल: हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश की खंडपीठ ने बागेश्वर जिले के कांडा तहसील सहित जिले के कई अन्य गांवों में अवैध खड़िया खनन से आई दरारों के मामले में स्वत: संज्ञान लेकर पंजीकृत की गई व कई जनहित याचिकाओं, खनन इकाइयों के मामले पर एक साथ सुनवाई की। खंडपीठ ने सुनवाई बुधवार को भी जारी रखी है। खंडपीठ ने राज्य सरकार से कहा है कि उनके द्वारा जो तीन रिपोर्ट सर्वोच्च न्यायालय में पेश की गई थीं, उनकी प्रति और आयकर विभाग व जीएसटी विभाग ने खनन कारोबारी नवीन परिहार के स्टोन क्रशर की जो जांच की थी, उसकी रिपोर्ट बुधवार को कोर्ट में पेश करें।

पिथौरागढ़ में मेडिकल कॉलेज मार्च तक बनेगा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

- पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज का निर्माण अब निर्णायक चरण में, धामी सरकार के निर्देशों से मेडिकल शिक्षा को नई रफ्तार

अमृत विचार: मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के दिशा-निर्देशों के बाद उत्तराखंड में मेडिकल एजुकेशन का विस्तार अभूतपूर्व रफ्तार पकड़ चुका है। राज्य सरकार हर जिले में एक मेडिकल कॉलेज स्थापित करने के लक्ष्य की ओर तीव्रता से बढ़ रही है और उसी अभियान का एक महत्वपूर्ण केंद्र बना है सीमांत पिथौरागढ़। कठिन भूगोल और सीमित संसाधनों के बावजूद यहां राजकीय मेडिकल कॉलेज का निर्माण तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब यह परियोजना अपने निर्णायक चरण में प्रवेश कर चुकी है।

मेडिकल कॉलेज परिसर अब लगभग पूरा आकार ले चुका है। विशाल इमारतें, सुव्यवस्थित ब्लॉक और आधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, यह सब पिथौरागढ़ को पहाड़ का एक प्रमुख चिकित्सा केंद्र बनाने की दिशा में बड़े कदम साबित हो रहे हैं। स्थानीय जनता इस परियोजना को लेकर काफी उत्साहित है। लोगों की मानें तो मेडिकल कॉलेज शुरू होने के बाद अब गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए हल्द्वानी, देहरादून या बाहरी राज्यों की ओर जाने की मजबूरी खत्म होगी। रोजगार, व्यवसाय और आवागमन के नए अवसर भी जिले में उभरेंगे। सरकार ने 31 मार्च 2026 तक मेडिकल कॉलेज को पूरी तरह तैयार करने का लक्ष्य रखा है। अगर निर्माण की यही गति बनी रही तो यह लक्ष्य समय पर पूरा होता नजर आ रहा है। स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने कहा कि, पिथौरागढ़ मेडिकल कॉलेज मुख्यमंत्री धामी की प्राथमिकता वाली परियोजनाओं में शामिल है। सीमांत जिले में अत्याधुनिक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराना हमारा संकल्प है। अधिकांश प्रमुख ब्लॉकों में तेज प्रगति हुई है और शेष कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा करने के लिए संबंधित एजेंसियों को निर्देश दिए गए हैं। हमारा लक्ष्य सिर्फ एक मेडिकल कॉलेज बनाना नहीं, बल्कि इसे राज्य का 'मॉडल मेडिकल इंस्टीट्यूट' बनाना है। आने वाले वर्षों में यहां चिकित्सा शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं का एक मजबूत केंद्र विकसित होगा।

विकास योजनाओं को 271.33 करोड़ स्वीकृत

देहरादून: मुख्यमंत्री ने विभिन्न विकास योजनाओं के लिए 271.33 करोड़ रुपये की धनराशि की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की है। इनमें राज्य योजना में जनपद नैनीताल, अल्मोड़ा, बागेश्वर में सड़क सुधार, चम्पावत के विकासखंड पाटी के अन्तर्गत खेतीखान में मल्टीलेवल पार्किंग निर्माण और चमोली में नन्दा देवी राजजात यात्रा-2026 के पड़ाव सेम-तोप में सामुदायिक हाल एवं पार्किंग निर्माण की धनराशि को अनुमोदन दिया गया है। वहीं, सीएम ने मुन्नी देवी पत्नी स्व. मोहन सिंह रावत, निवासी पौड़ी गढ़वाल को उत्तराखंड लोकतंत्र सेनानी सम्मान पेंशन 9.12.2023 से 20 हजार प्रतिमाह अनुमन्य करने का अनुमोदन प्रदान कर दिया है।

छात्राओं से छेड़छाड़ के मामले में महिला आयोग गंभीर

संवाददाता, पिथौरागढ़

- आयोग ने पिथौरागढ़ डीएम को दिए सख्त कार्रवाई के निर्देश

अमृत विचार: पिथौरागढ़ जिले के बेड़ीनाग महाविद्यालय में छात्राओं से छेड़छाड़ के मामले में महिला आयोग ने गंभीर रुख अख्तियार करते जिलाधिकारी को सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं।

उत्तराखंड राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष कुसुम कंडवाल ने घटना को अत्यंत गंभीर बताते हुए जिलाधिकारी पिथौरागढ़ को फोन कर इस मामले में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि, छात्राओं की गरिमा और सुरक्षा से खिलवाड़ करने वालों को किसी भी हाल में बख्शा नहीं जाए और दोषी पाए जाने पर आरोपी के खिलाफ कानून के तहत सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने कहा कि, यह घटना अत्यंत निंदनीय है और इससे महाविद्यालय की छात्राओं में असुरक्षा का माहौल पैदा होने की आशंका गहरा गई है। शिक्षण संस्थान जहां सुरक्षित वातावरण और विश्वास का केंद्र होते हैं, वहीं इस प्रकार की हरकतें न केवल संस्थान की गरिमा को ठेस पहुँचाती हैं बल्कि छात्राओं के मनोबल पर भी गंभीर प्रभाव डालती हैं। महिला आयोग की अध्यक्ष ने स्पष्ट किया है कि इस मामले पर आयोग लगातार निगरानी रखेगा। उल्लेखनीय है कि बेरीनाग महाविद्यालय में छात्राओं के साथ कथित रूप से छेड़छाड़ से जुड़ा एक मामला सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। छेड़छाड़ का आरोप महाविद्यालय के प्राध्यापक पर लगाया गया है। वहीं, जिलाधिकारी आशीष भटगांई ने इस संबंध में कहा कि महिला आयोग की तरफ से मामले की जांच और उचित कार्रवाई के निर्देश मिले हैं। एसपी और एसडीएम को घटना की जांच कर आवश्यक कार्रवाई के निर्देश जारी किए गए हैं।

कोठियाल की सलाह को गंभीरता से लेंगे

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: भाजपा ने दायित्वधारी कर्नल कोठियाल को लेकर वायरल जानकारी पर स्पष्ट किया कि सरकार ने सभी संभव उपायों से वहां राहत बचाव कार्य संपन्न किए हैं।

फिर भी हमारे एक वरिष्ठ और रेस्क्यू में अनुभवी कार्यकर्ता के तथ्यों को पार्टी गंभीरता से लेगी और सरकार भी यथोचित कार्रवाई करेगी। वहीं, विपक्ष से भी आग्रह किया कि तथ्यों के पूर्णतया निष्कर्ष से पूर्व किसी भी तरह की राजनैतिक बयानबाजी से बचना चाहिए। यह बात भाजपा विधायक एवं प्रदेश प्रवक्ता विनोद चमोली ने कही।

सीएम ने दी महंगाई भत्ते की स्वीकृति

देहरादून: मुख्यमंत्री धामी ने पांचवें केन्द्रीय पुनरीक्षित वेतनमान वेतन आहरित कर रहे सार्वजनिक निकाय/उपक्रमों/स्वायत्तशासी संस्थाओं के नियमित कर्मचारियों के लिए 01 जुलाई, 2025 से महंगाई भत्ते की मौजूदा दर को 466 प्रतिशत से बढ़ाकर 474 प्रतिशत किए जाने, छठवें केन्द्रीय वेतनमान में वेतन आहरित कर रहे सार्वजनिक निकाय/उपक्रमों के कर्मचारियों के लिए 01 जुलाई, 2025 से मंहगाई भत्ते की मौजूदा दर को 252 प्रतिशत से बढ़ाकर 257 प्रतिशत किये जाने, सार्वजनिक निकाय/उपक्रमों/ स्वायत्तशासी संस्थाओं, जहां सातवां वेतनमान लागू है, के सिविल/पारिवारिक पेंशनरों को दिनांक 01.07.2025 से मूल वेतन में अनुमन्य महंगाई राहत की वर्तमान दर को 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत किये जाने तथा पालिका केन्द्रीयित/अकेन्द्रीयित सेवा के समस्त कर्मचारियों तथा सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं पारिवारिक पेंशनरों को 01.07.2025 से मंहगाई भत्ते की वर्तमान दर 55 प्रतिशत से बढ़ाकर 58 प्रतिशत किये जाने का अनुमोदन प्रदान किया है।

सरकार ने आपदा में लापरवाही बरती: गोदियाल

संवाददाता, देहरादून

- कांग्रेस अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने लगाए सरकार पर आरोप, पार्टी का प्रतिनिधिमंडल 4 को जाएगा धराली

अमृत विचार: उत्तराखंड सरकार में आपदा प्रबंधन से जुड़ी जिम्मेदारी संभाल रहे कर्नल अजय कोठियाल के हालिया बयान के बाद कांग्रेस का उच्चस्तरीय प्रतिनिधिमंडल चार दिसम्बर को धराली का दौरा करेगा।

मंगलवार को प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गणेश गोदियाल ने आरोप लगाया कि कर्नल कोठियाल के बयान ने स्पष्ट किया है कि सरकार द्वारा पेश किए गए आंकड़े अधूरे और भ्रामक हैं तथा धराली में राहत और पुनर्वास कार्यों में भारी लापरवाही बरती गई है।

अध्यक्ष गोदियाल ने बताया कि यह प्रतिनिधिमंडल स्थानीय पीड़ित परिवारों से मिलकर वास्तविक स्थिति की जानकारी लेगा और प्रशासनिक स्तर पर हो रही अनदेखी का प्रत्यक्ष आकलन करेगा। बाद में धराली से लौटकर एक विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर उस रिपोर्ट को इस उम्मीद के साथ राज्यपाल को सौंपा जाएगा कि वह और केंद्र सरकार, राज्य सरकार पर दबाव बनाएं, ताकि स्थानीय लोगों की अपेक्षा अनुरूप आपदा ग्रस्त क्षेत्र में रेस्क्यू ऑपरेशन चले, पुनर्निर्माण और पुनर्वास के कार्य बिना विलंब के हो। उन्होंने कहा कि जब आपदा आई तो तत्कालीन प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा के नेतृत्व में भी प्रतिनिधिमंडल धराली क्षेत्र में गया। अब कर्नल कोठियाल के खुलासे के बाद पुनः प्रतिनिधिमंडल उस क्षेत्र में जाएगा और आकलन करेगा कि पिछले चार महीने में सरकार और शासन प्रशासन द्वारा किए जा रहे दावों की कितनी सच्चाई है।

मौसम की चाल | हिमालयी राज्यों से बढ़ता है उत्तर भारत के शेष इलाकों में ठंड का प्रभाव

विक्षोभ की रफ्तार तय करेगा शीतकाल का कारवां

संवाददाता, नैनीताल

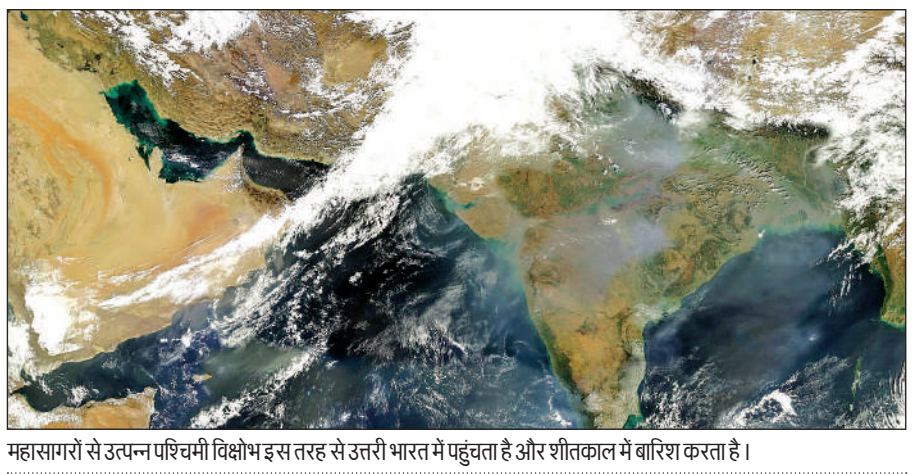

महासागरों से उत्पन्न पश्चिमी विक्षोभ इस तरह से उत्तरी भारत में पहुंचता है और शीतकाल में बारिश करता है।

अमृत विचार: इस बार हिमालयी राज्यों में पश्चिमी विक्षोभ की रफ्तार का असर तय करेगा कि शीतकाल का कारवां उत्तर भारत के शेष क्षेत्रों में कहां-कितना डेरा जमाएगा।

पर्वतीय क्षेत्रों की ठंड का गहरा असर राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) और पश्चिमी उत्तर प्रदेश के जिलों पर पड़ता है, जो फरवरी तक सबसे ज्यादा दिखाता है। पश्चिमी विक्षोभ हिमालय से टकराकर उत्तर भारत की ओर बढ़ता है तो दिल्ली एनसीआर में ठंड बढ़ जाती है।

दरअसल, जाड़ों का मौसम पश्चिमी विक्षोभों पर निर्भर होता है और पश्चिमी विक्षोभ समुद्र से उठकर हिमालय से टकराता है। जिस कारण पर्वतीय क्षेत्रों में बर्फबारी होती है और शीतलहर सक्रिय हो जाती है, जो आगे जाकर उत्तर भारत के तमाम क्षेत्रों को प्रभावित करती है, जिसका एक बड़ा असर दिल्ली एनसीआर में देखने को मिलता है। इसका वैज्ञानिक कारण यह है कि हिमालय एक दीवार की तरह खड़ा है, जो बहुत ठंडी हवा को नीचे की ओर धकेल देता है और हवाओं की दिशा मैदानी इलाकों की ओर कर देता है। अधिक ठंड की वजह बर्फबारी पर निर्भर है, जितनी अधिक बर्फबारी होगी, उतनी ही ठंड भी बढ़ेगी। इस प्रक्रिया में तापमान बहुत तेजी से गिरावट आती है। दिल्ली एनसीआर में ठंड बढ़ाने में कोहरा भी एक बड़ा कारण है, जो पहाड़ों से आने वाली ठंडी हवा के मैदानों की नमी के साथ मिल जाने से घना कोहरा बन जाता है और तापमान गिर जाता है कड़ाके की ठंड पढ़नी शुरू हो जाती है। हिमालय जितना ठंडा और बर्फ से ढका होता है, दिल्ली उतनी ही ज्यादा ठंडी और कोहरे वाली हो जाती है। माना जाता है कि दिल्ली में ठंड हिमालय की बर्फबारी पर निर्भर करती है। दिल्ली में बढ़ रहा वायु प्रदूषण भी तापमान गिराने में सहायक होता है। जिस कारण दिल्ली में ठंड में वृद्धि का सिलसिला पिछले कुछ वर्षों से अधिक हुआ है।

विराट हिमालय पर मौसम की निर्भरता

नैनीताल: आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) के वरिष्ठ पर्यावरण वैज्ञानिक डॉ. नरेंद्र सिंह कहते हैं कि हिमालय न होता तो भारत समेत इसके समीपवर्ती देशों में मौसम आज जैसा नहीं होता इसलिए हिमालय पर हमारा मौसम अधिक निर्भर है। इसके प्रभाव से राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के मौसम में बदलाव आता है और हिमपात अधिक होने से उत्तर भारत के इलाकों में ठंड का प्रकोप बढ़ जाता है।

शोध: सोशल मीडिया ने दर्द दिया और दवा भी: डॉ. प्रियांक मोहन

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: उत्तराखंड में कोविड से निपटने में सोशल मीडिया ने अहम भूमिका निभाई। सोशल मीडिया ने दर्द दिया और दवा भी की... वाले अंदाज में भ्रामक सूचनाएं भी प्रसारित कीं और भ्रामक सूचनाओं से निपटने में लोगों की मदद भी।

ये तथ्य मीडिया एंड मास कम्युनिकेशन के शोधार्थी प्रियांक मोहन के शोध में सामने आए हैं। प्रियांक मोहन को मंगलवार को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी ने पीएचडी की उपाधि से अलंकृत किया है। प्रियांक मोहन ने उत्तराखंड में सोशल मीडिया की कोविड प्रबंधन में भूमिका विषय पर प्रोफेसर डॉ. सुभाष गुप्ता के निर्देशन में यह शोध किया है। डॉ. प्रियांक को ग्राफिक एरा ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के चेयरमैन प्रो. कमल घनशाला ने इस उपलब्धि पर बधाई दी। डॉ. प्रियांक ने बताया कि रिसर्च में 64 फीसदी लोगों ने माना कि, कोविड काल में राज्य सरकार ने बड़े पैमाने पर सोशल मीडिया का उपयोग जागरुकता लाने में किया।

भविष्य में सोशल मीडिया का उपयोग अहम

अध्ययन में 93 फीसदी लोगों ने कहा कि कोविड जैसी परिस्थितियों से निपटने के लिए भविष्य में सोशल मीडिया का उपयोग बहुत महत्वपूर्ण हो सकता है। कोविड के दौरान फेसबुक और व्हाट्सएप सबसे अधिक लोकप्रिय प्लेटफार्म के रूप में सामने आए। शोध में यह तथ्य भी सामने आया है कि कोविड काल में सोशल मीडिया पर भ्रामक सूचनाएं सबसे बड़ी चुनौती रही हैं और खुद सोशल मीडिया इस चुनौती से निपटने में मददगार भी बना।

सिटी ब्रीफ

सीएम पुष्कर सिंह धामी आज हल्द्वानी में

हल्द्वानी : सीएम पुष्कर सिंह आज

एक दिवसीय जनपद भम्रण पर आ रहे हैं। यह जानकारी देते हुए जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने बताया कि सीएम धामी बुधवार सुबह 11:15 बजे पंतनगर एयरपोर्ट से प्रस्थान कर पूर्वाह्न 11:25 बजे गौलापार स्थित हेलीपैड पर पहुंचेंगे। वहां से प्रस्थान कर 11:45 बजे से ग्रुप सेन्टर सीआरपीएफ काठगोदाम में पूर्व अर्द्ध -सैनिक सम्मेलन में हिस्सा लेंगे। इसके बाद दोपहर 12:45 बजे ग्रुप सेन्टर सीआरपीएफ काठगोदाम से कार से प्रस्थान कर दोपहर बजे एमबीपीजी कॉलेज प्रेक्षागृह हल्द्वानी में विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय दिव्यांग पुरस्कार कार्यक्रम में हिस्सा लेंगे। दोपहर 2 बजे सीएम एफटीआई हेलीपैड हल्द्वानी से प्रस्थान करेंगे।

युवक ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

रामनगर : यहां एक व्यक्ति ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्म हत्या का कारण अज्ञात है। मौत से परिजनों में कोहराम मच गया। मोहल्ला गूलरघट्टी निवासी राम सिंह (35) पुत्र चन्दन सिंह ने मंगलवार सुबह घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।बताया जा रहा है कि घटना के वक्त उसकी पत्नी घर पर नहीं थी। वह किसी बात से नाराज होकर घर छोड़कर चली गई थी। कोतवाली के वरिष्ठ उप निरीक्षक मोहम्मद यूनुस ने बताया कि पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर सरकारी अस्पताल रामनगर के मोर्चरी में रखवाया गया है। बुधवार सुबह पोस्टमार्टम किया जाएगा। उन्होंने बताया कि पत्नी और बच्चे बाहर रहते हैं। मृतक मजदूरी करता था।

नमाज पढ़ने गया और बाइक हो गई चोरी

हल्द्वानी : बनभूलपुरा निवासी एक व्यक्ति नमाज पढ़ने मस्जिद गया और बाहर आया तो पता चला कि उसकी बाइक चोरी हो गई है। अब पुलिस ने मुकदमा दर्जकर जांच शुरू कर दी है। बनभूलपुरा लाइन नंबर 16 निवासी शारिक सिद्दीकी ने पुलिस को बताया कि बीती 14 नवंबर को वह नमाज पढ़ने के लिए अली शाह मजार के पास मस्जिद में गया था। बाहर आया तो पता चला कि उसकी बाइक वहां पर नहीं है। उसने बाइक के बारे में पता किया तो पता ही नहीं चला। अब पुलिस ने चोरी की घटना पर मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस सीसीटीवी की जांच कर रही है।

प्रमाण पत्रों के निरस्तीकरण के लिए जिलाधिकारी की ओर से गठित कमेटी को संस्तुति की गई है

फर्जी दस्तावेज से बनाए गए 12 जाति प्रमाण पत्र होंगे निरस्त

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : जिला प्रशासन ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाए गए 12 जाति प्रमाण पत्रों को निरस्त करने का निर्णय लिया है। इन प्रमाण पत्रों के निरस्तीकरण के लिए जिलाधिकारी की ओर से गठित कमेटी की संस्तुति की जा रही है। इसी के साथ ही सैकड़ों जाति प्रमाण पत्र संदेह के दायरे में हैं, जिनकी जांच जारी है।

बीती 21 नवंबर को जिला प्रशासन की टीम ने साहूकार लाइन स्थित पर्दे की दुकान में छापेमारी की थी। दुकानदार रईस अहमद अंसारी अपनी इस दुकान से अवैध ढंग से अंजुमन मोमिन अंसार नामक सोसायटी संचालित कर रहा था जबकि इस सोसायटी का वर्ष 2007 से पंजीयन नहीं हुआ था। सरकारी दस्तावेजों में इस सोसायटी का पता आजाद नगर था लेकिन दुकान से संचालित हो रही थी। इस सोसायटी के अध्यक्ष व सचिव की मृत्यु भी हो चुकी थी।

रईस अहमद अंसारी बिना किसी वैध अनुमति के फर्जीवाड़ा कर लोगों से मोटी रकम ऐंठ कर सोसायटी के लेटरहेड पर ओबीसी होने के प्रमाण पत्र जारी कर रहा था। बाद में इस प्रमाण पत्र का इस्तेमाल जन्म, जाति, स्थायी निवास प्रमाण पत्रों को बनाने में हो रहा था।

इसके बाद एसडीएम राहुल शाह ने तहसीलदार को जाति प्रमाण पत्रों की जांच के निर्देश दिए थे। इधर, पिछले पांच वर्षों में बनाए गए जाति प्रमाण पत्रों की जांच की गई। इसमें 12 प्रमाण पत्र पूरी तरह से फर्जी दस्तावेजों के आधार पर बनाए गए थे जिनके निरस्तीकरण के लिए डीएम की ओर से गठित कमेटी से संस्तुति की गई है। इसके अलावा सैकड़ों जाति प्रमाण पत्र हैं जो इस तरह के ही दस्तावेजों पर बनाए गए हैं, वे भी संदेह के घेरे में हैं जिनकी जांच की जा रही है।

तहसीलदार ट्रेनिंग में लंबित हो गई जांच

हल्द्वानी : तहसीलदार कुलदीप पांडेय इस समय ट्रेनिंग में गए हैं, जिस वजह से प्रमाण पत्रों की जांच लटक गई हैं। उनके लौटते ही जांच में तेजी आएगी और फर्जी ढंग से बनाए गए प्रमाण पत्रों को निरस्त किया जाएगा।

11 दिन बाद भी पुलिस ने दर्ज नहीं की एफआईआर

हल्द्वानी : प्रशासन की टीम ने मृत सोसायटी की आड़ में फर्जी ढंग से जाति प्रमाण पत्र जारी करने के आरोपी रईस अहमद अंसारी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करने के निर्देश दिए थे। इधर, इस प्रकरण में 11 दिनों बाद भी एफआईआर दर्ज नहीं हो सकी है जिसकी वजह से कानूनी शिकंजा नहीं कसा जा सका है।

जाति प्रमाण पत्रों को बनाने में गड़बड़ी मिली है, जिसके बाद 12 प्रमाण पत्रों के निरस्तीकरण की संस्तुति की गई है। सैकड़ों जाति प्रमाण पत्रों की जांच की जा रही है। जल्द ही जांच पूरी होने के बाद जो फर्जी ढंग से बनाए गए हैं, उन्हें निरस्त किया जाएगा। -**राहुल शाह,** एसडीएम हल्द्वानी

वृद्धा ने बहू पर लगाया मारपीट का आरोप

संवाददाता, हल्द्वानी

- 73 वर्षीय वृद्धा की तहरीर पर बहू के खिलाफ मुकदमा दर्ज

अमृत विचार: एक वृद्धा ने आरोप लगाया है कि उसकी बहू उसके साथ अभद्रता और मारपीट करती है। हालात से तंग आकर वृद्धा अपने भतीजे के घर में रहने लगी है, इसके बाद भी उसकी बहू का दुर्व्यवहार जारी है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है।

मुखानी थाना क्षेत्र आदर्श गली नंबर चार निवासी एक वृद्धा ने पुलिस को बताया कि उसकी बहू अनुराधा पांडे उनके साथ गाली-गलौच करती और उसे जान से मारने की धमकी देती है। साथ ही आत्महत्या करने की भी धमकी देती है। यहां तक कि परिवार के अन्य सदस्यों को झूठे केस में फंसाने की भी धमकी देती है। इस वजह से वृद्धा अब अपनी बहू से अलग रहती है। उसके बाद भी बहू गाली-गलौच करने उनके कमरे में आती है। वृद्धा का कहना है कि बीती 7 नवंबर को उनकी बहू उनके कमरे में आई और रसाई में रखे चाकू को हाथ में लेकर मारने का इशारा करने लगी। इस घटना की सीसीटीवी रिकार्डिंग भी है। वृद्धा का कहना है कि उनकी बहू ने उन पर एक फर्जी मुकदमा भी दर्ज करा रखा है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बनभूलपुरा में दिनभर रही गहमागहमी सुनवाई टलने से असमंजस बरकरार

रेलवे भूमि अतिक्रमण मामले पर सुप्रीम कोर्ट में होनी थी सुनवाई, प्रशासन रहा सतर्क

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : बनभूलपुरा रेलवे जमीन अतिक्रमण प्रकरण में सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। शीर्ष अदालत में अब इस प्रकरण में दस दिसंबर को सुनवाई होगी। फिलहाल तब तक के लिए अतिक्रमण की जद में आ रहे लोगों में असमंजस की स्थिति बनी हुई है।

मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में चीफ जस्टिस की खंडपीठ में रेलवे की 29 एकड़ भूमि पर अतिक्रमण को लेकर सुनवाई होनी थी। इस भूमि पर 4,365 भवन बने हैं जिनमें पांच हजार से अधिक परिवार रहते हैं। सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई को लेकर बनभूलपुरा में दिन भर गहमागहमी का माहौल रहा। आम दिनों की तरह ही मंगलवार को भी बनभूलपुरा में दुकानें, होटल, रेस्टोरेंट वगैरह खुले और आवाजाही रही। जिन लोगों के घर जद में आ रहे हैं, उन्होंने सुबह से ही दुआएं की। इसी के साथ ही उनका मानना था कि शीर्ष अदालत का निर्णय सर्वमान्य होगा। जो भी निर्णय होगा उसका सम्मान किया जाएगा।

हल्द्वानी के बनभूलपुरा क्षेत्र में मंगलवार को तैनात रही पुलिस फोर्स। ● अमृत विचार

दिन भर घनघनाते रहे फोन, टीवी से चिपके रहे लोग

हल्द्वानी : कांग्रेस व सपा नेताओं ने राहत के लिए याचिकाएं दायर की हैं। मंगलवार को सुप्रीम कोर्ट में इस केस को लेकर सुनवाई को लेकर दिन भर दिल्ली गए नेताओं के फोन घनघनाते रहे लोग पल-पल की जानकारी लेते रहे। वैसे तो केस 23 वें नंबर पर लिस्टेड था लेकिन लंच तक किसी अन्य प्रकरण पर सुनवाई होने की वजह से केस बेंच के सामने नहीं आ सका और सुनवाई टल गई। जैसे ही यह खबर फोन पर लगी वैसे ही लोगों ने राहत की सांस ली। वहीं, कुछ लोग टीवी पर चिपके रहे और इस केस की अपडेट लेते रहे।

चप्पे-चप्पे पर फोर्स : बनभूलपुरा में चप्पे-चप्पे पर पुलिस बल तैनात रहा। संवेदनशील स्थानों पर पैरा मिलिट्री फोर्स को तैनात किया गया था। ड्रोन और सीसी कैमरे से निगरानी की गई। एसएसपी मंजूनाथ टीसी ने बनभूलपुरा का दौरा कर सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

मुचलके पर छोड़े 21 लोग: शांति भंग के अंदेशे में हिरासत में लिए गए 21 लोगों को जमानत पर छोड़ दिया गया। शीर्ष कोर्ट में सुनवाई को देखते हुए इन 21 लोगों को हिरासत में लिया गया था। सिटी मजिस्ट्रेट गोपाल सिंह चौहान ने बताया कि निजी मुचलकों पर सभी को छोड़ दिया गया। दो दिन में सभी आरोपियों को जमानती पेश करने होंगे। पुलिस उनकी निगरानी इस दौरान करती रहेगी।

वन विभाग की टीम ने ट्रेंकुलाइज कर घायल तेंदुए को किया रेस्क्यू

संवाददाता, कालाढूंगी

अमृत विचार: रामनगर वन प्रभाग के कालाढूंगी रेंज के जंगल से सटे कॉर्बेट के गांव छोटी हल्द्वानी में बीते दिन से घूम रहे घायल तेंदुए का वन विभाग की टीम और एक पशु चिकित्सक की टीम ने ट्रेंकुलाइज़ गन से डार्ट मारकर बेहोश होने पर उसे पकड़कर पिंजरे में डाला गया और वन विभाग के गेस्ट हाउस लाया गया। जहां डॉक्टरों ने उसका स्वास्थ्य परीक्षण कर इलाज किया। डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया ने बताया कि घायल तेंदुए को रेस्क्यू कर लिया गया है, जिसे इलाज के लिए रेस्क्यू सेंटर रानीबाग, हल्द्वानी भेजा गया है।

नयागांव बीट के बौर ब्लॉक से सटे कॉर्बेट के गांव छोटी हल्द्वानी में बीते सोमवार को दिन में घायल तेंदुआ पूरन चंद्र जोशी व प्राण दत्त पांडे के घरों में घुस गया था, जिससे ग्रामीणों में दहशत का माहौल था। जिसके बाद वन विभाग द्वारा पिंजरा व दो ट्रैप कैमरे लगाकर निगरानी शुरू कर दी गई थी। वनकर्मियों द्वारा रात भर निगरानी की गई, मगर मंगलवार सुबह तक तेंदुए की लोकेशन नहीं मिली।

वन विभाग द्वारा ग्रामीणों को सतर्क रहने, खेतों व आस-पास के जंगल में जाने से बचने की हिदायत दी गई। लगभग 10 बजे के पास घायल तेंदुआ दिखा तो 12 बजे पहुंचे पशु चिकित्सक हिमांशु पांगती व वन विभाग की टीम द्वारा 1 बजे के आसपास ट्रेंकुलाइज़ गन से डार्ट मारकर आधे घंटे बाद रेस्क्यू कर पिंजरे में डाल फॉरेस्ट गेस्ट हाउस ले जाया गया। डीएफओ ध्रुव मर्तोलिया ने बताया कि तेंदुए के गर्दन में गंभीर घाव था, जो लगभग एक सप्ताह पुराना लग रहा था। यह तेंदुआ आपसी संघर्ष में घायल हुआ। नर तेंदुए की उम्र आठ वर्ष है। तेंदुआ पकड़े जाने पर ग्रामीण वासियों ने राहत की सांस ली। इस दौरान एसडीओ कामिनी आर्या, रेंजर मुकेश जोशी, वन रक्षक मोहन बिष्ट, वन दरोगा ललित सिंह, विनोद मेहता, हरीश केडा, बोबी, शंकर, दीपक कोहली, राजेंद्र बोहरा, दीपक परिहार समेत अन्य वनकर्मी मौजूद रहे।

पिंजरे में कैद घायल तेंदुआ।

घायल तेंदुए की कवरेज से रोका

घायल तेंदुए के रेस्क्यू के बाद फॉरेस्ट गेस्ट हाउस में पहुंचने पर वन विभाग द्वारा मीडियाकर्मियों को भी कवरेज से रोका गया। रेस्क्यू के बाद वन विभाग की टीम उसे गेस्ट हाउस लाई, जब मीडियाकर्मी कवरेज के लिए पहुँचे तो गेस्ट हाउस के दोनों गेटों में ताले जड़ दिए गए, जिससे मीडियाकर्मियों में रोष है। वन क्षेत्राधिकारी मुकेश जोशी से फोन कर जानकारी लेनी चाही मगर उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

विदाई के दौरान बरातियों और घरातियों में मारपीट

संवाददाता, नैनीताल

अमृत विचार: मल्लीताल में बरात विदाई के दौरान किसी बात को लेकर बरातियों और घरातियों के बीच मारपीट हो गई। मारपीट के दौरान बीच बचाव करने में एक पुलिस कर्मी भी चोटिल हुआ है। पुलिस ने मारपीट करने वाले चार लोगों के खिलाफ कार्रवाई की है।

जानकारी के अनुसार सोमवार की देर शाम एक बरात की विदाई के समय डीएसए मैदान में किसी बात को लेकर बरातियों और घरातियों के बीच विवाद हो गया। विवाद बढ़ा तो दोनो पक्षों के युवकों में मारपीट हो गई। मारपीट के बाद लड़की पक्ष कार्रवाई की मांग लेकर कोतवाली पहुंच गया। जबकि दूसरे पक्ष के युवक भागकर तल्लीताल पहुंच गए। सूचना के बाद तल्लीताल पुलिस की ओर से युवकों को पकड़कर मल्लीताल कोतवाली ले जाया गया। युवकों के मल्लीताल पहुंचते ही दोनों पक्षों के बीच फिर से मारपीट हो गई। बीच बचाव करने में एक पुलिस कर्मी भी चोटिल हुआ। जिसके बाद पुलिस ने मुकदमा लिखने की बात कही तो दोनों पक्ष शांत हो गए। कोतवाल हेम पंत ने बताया कि मामले में दोनो पक्षों के चार लोगों तल्लीताल निवासी सूरज, दिल्ली सोनिया विहार निवासी नवीन, दीपक कुमार व एक अज्ञात के खिलाफ चालानी कार्रवाई की है।

8 लाख की ठगी मामले में मुकदमा दर्ज

संवाददाता, हल्द्वानी

- होमगार्ड उपनिरीक्षक के बैंक खाते से उड़ाई गई है रकम
- कोर्ट के आदेश पर साइबर ठग, बैंक मैनेजर व कर्मियों पर भी मुकदमा

अमृत विचार: एचडीएफसी बैंक दुर्गा सिटी सेंटर शाखा में एक उपभोक्ता के खाते से लगभग 8.01 लाख रुपये की ठगी का मामला सामने आया है। पीड़ित आनंदपुर हल्दूपोखरा निवासी सुरेंद्र सिंह उत्तराखंड पुलिस होमगार्ड में उप निरीक्षक के पद पर तैनात हैं। न्यायालय के आदेश पर साइबर फ्राड करने वालों के अलावा शाखा प्रबंधक व बैंक कर्मचारियों पर मुकदमा दर्ज हुआ है।

सुरेंद्र सिंह बीती 16 अक्टूबर को अपरान्ह तीन बजे एचडीएफसी बैंक के एटीएम में पैसा निकालने पहुंचे, जहां कैश न मिलने के बाद उन्होंने बैंक में जानकारी ली। बैंक कर्मी ने खाता जांचने पर पता चला कि उसी दिन सुबह प्रार्थी के खाते पर बैंक से पर्सनल लोन निकाला गया है जिसकी रकम 2,45,181 रुपये है। इसके बाद प्रार्थी के खाते से 4,90,000 रुपये इंटरनेट बैंकिंग के जरिये किसी अन्य खाते में ट्रांसफर कर दिए गए थे। इतना ही नहीं, प्रार्थी की जानकारी के बिना उनकी एफडी और आरडी तोड़कर कुल 3,11,000 रुपये की राशि भी कट गई। सुरेंद्र सिंह ने कहा कि उन्होंने न तो इंटरनेट बैंकिंग शुरू करने का अनुरोध किया और न ही किसी अनजान व्यक्ति को कोई जानकारी साझा की। उनका दावा है कि यह धोखाधड़ी बैंक कर्मचारियों और प्रबंधक की गंभीर लापरवाही के चलते हुई है। घटना के तुरंत बाद 16 अक्टूबर को शाम उन्होंने राष्ट्रीय साइबर अपराध रिपोर्टिंग पोर्टल पर शिकायत दर्ज की लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई। साथ ही एसएसपी से भी इस मामले में शिकायत हुई लेकिन वहां से भी कोई कार्रवाई नहीं हुई है जबकि उसे 8.01 लाख रुपये का नुकसान हुआ है।

अब न्यायालय के आदेश पर पुलिस ने साइबर फ्रॉड करने वाले के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। इसके अलावा न्यायालय के आदेश पर शाखा प्रबंधक व बैंक कर्मचारियों को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस का कहना है कि वह मामले की जांच कर रही है। मामला बैंक में वित्तीय धोखाधड़ी है इसलिए बैंक कर्मचारियों से भी पूछताछ की जाएगी।

सड़क चौड़ीकरण भविष्य की जरूरत

हल्द्वानी: गंगापुर कबडवाल ग्राम हल्दूचौड़ में पंचायत की खुली बैठक हुई। बैठक में राशन कार्ड, पेयजल व स्वच्छता, सड़क निर्माण, सिंचाई गूलों का निर्माण, परिवार रजिस्टर संबंधी कार्यों पर प्रस्ताव पारित किए गए।

ग्राम प्रधान ललित सनवाल ने सदन व ग्रामिणों को अवगत कराया कि संकीर्ण सार्वजनिक सड़कों का चौड़ीकरण भविष्य की आवश्यकता है। ग्राम में गूलों का निर्माण चल रहा है। इसके अलावा पेंशन संबंधी कामों को भी प्रमुखता के साथ किया गया। इस दौरान क्षेत्र पंचायत सदस्य भुवन प्रसाद, वार्ड मेंबर अभिषेक गरवाल, कमला जोशी, पूनम देऊपा, निर्मला टम्टा, रेखा सती, ग्राम पंचायत विकास अधिकारी विवेक बिष्ट थे।

लोको पायलटों की 48 घंटे की भूख हड़ताल शुरू

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: ऑल इंडिया लोको रनिंग स्टाफ एसोसिएशन से जुड़े लोको पायलटों ने मंगलवार से काठगोदाम रेलवे स्टेशन पर 48 घंटे की भूख हड़ताल शुरू कर दी। लोको पायलटों ने चेतावनी दी है कि यदि उनकी मांगों पर ठोस कार्रवाई नहीं हुई तो आंदोलन को उग्र किया जाएगा।

लोको पायलटों की प्रमुख मांगों में टीए में 25 प्रतिशत वृद्धि के बाद माइलेज में भी नियमानुसार टीए अनुपात में बढ़ोतरी करना, किलोमीटर भत्ता 70 प्रतिशत तक आयकर मुक्त करना, आवधिक विश्राम (पीआर) को 46 घंटे निर्धारित करना, लगातार अधिकतम दो रात्रि ड्यूटी की सीमा तय करना और सहायक लोको पायलट से हैंड ब्रेक व एफएसडी कार्य करवाना बंद करना शामिल है। संगठन के ब्रांच सेकेट्री मो. अफसर अली खान ने बताया कि पांच सूत्री मांगों को लेकर यह 48 घंटे की भूख हड़ताल की जा रही है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से मांगें लंबित हैं, इसलिए मजबूरन आंदोलन करना पड़ा है। यदि जल्द समाधान नहीं हुआ तो संघर्ष तेज किया जाएगा। हड़ताल के दौरान गौतम कुमार, विनय यादव, अनिल यादव, अमन कुमार, राम बहादुर यादव, विजय दीप, विजय वर्मा, राम आंचल मौर्य, प्रविन्द्र कुमार, राजेन्द्र कुमार, कमल सुयाल रहे।

बीएससी बॉटनी की परीक्षा के दौरान पकड़ा नकलची

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : कुमाऊं विवि से संबद्ध कॉलेजों में मंगलवार से स्नातक तृतीय व पंचम सेमेस्टर और स्नातकोत्तर तृतीय सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू हुईं। कॉलेज में कुमाऊं विश्वविद्यालय का सचल फ्लाइंग स्कॉड भी पहुंचा और परीक्षा कक्षों का निरीक्षण किया।

कॉलेज में मंगलवार को पहले दिन बीएससी बॉटनी की परीक्षा हुई, जिस दौरान एक नकलची को कॉलेज की फलाइंग स्क्वॉड ने नकल करते हुए पकड़ा। बीएससी बॉटनी में 395 छात्रों ने परीक्षा दी, जबकि 49 छात्र उपस्थित रहे। स्नातक वर्ग में अपराह्न 1 बजे से दूसरी पाली में बीएससी गणित की परीक्षा हुई, जिसमें 283 छात्रों ने परीक्षा दी, जबकि 15 छात्र अनुपस्थित रहे।

इधर, स्नातकोत्तर में अपराह्न 1 बजे से द्वितीय पाली में एमकॉम तृतीय सेमेस्टर में 96 छात्र, कला वर्ग में सभी विषयों में 670 छात्र और विज्ञान वर्ग के सभी विषयों में 290 छात्रों ने परीक्षा दी, जबकि सभी वर्गों में कुल 16 छात्र अनुपस्थित रहे। इस दौरान शांतिपूर्वक परीक्षा चली और कोई भी नकलची नहीं पकड़ा गया। एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी ने कहा कि उनका पूरा प्रयास है कि कॉलेज में शांतिपूर्वक और नकलविहीन परीक्षा व्यवस्था संपन्न हो।

कुमाऊं विवि के बाह्य सचल दल के साथ एमबीपीजी कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एनएस बनकोटी।

मारपीट में बुजुर्ग व महिला हुईं घायल

नैनीताल: मल्लीताल धामपुर बैंड में दो पक्षों के बीच मारपीट हो गई। दोनों पक्ष के एक बुजुर्ग व महिला घायल हो गए। दोनों पक्षों ने कोतवाली पहुंच एक दूसरे पर आरोप लगाते हुए हंगामा काटा। पुलिस ने दोनों के खिलाफ पुलिस एक्ट में चालानी कार्रवाई की है।

मल्लीताल धामपुर बैंड निवासी महिला का आरोप है कि सोमवार रात वह बच्चों के साथ घर पर काम कर रही थी। इस दौरान पड़ोस में ही रहने वाले बुजुर्ग ने शराब के नशे में हंगामा कर दिया। वह विरोध करने पहुंची तो बुजुर्ग ने नुकीली वस्तु से वार कर उसे चोटिल कर दिया। उसके बच्चों से भी मारपीट की गई। वहीं बुजुर्ग का कहना है कि महिला व उसके परिजनों ने मिलकर उसके साथ मारपीट की। जिससे उसके सिर पर गंभीर चोट आई है।

व्यवस्था | जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने ऐसे विवादों के समाधान को बनाई राजस्व प्रवर्तन समिति

भूमि व राजस्व विवादों का शीघ्र होगा निस्तारण

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

- समिति को वादों के निस्तारण की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट सौंपनी होगी, इससे एकाउंटेबिलिटी भी होगी तय

अमृत विचार : जनपद में सार्वजनिक संपत्तियों पर अतिक्रमण, भूमि विवाद, सड़कों, गूलों व नालियों पर अवैध कब्जों को लेकर विवादों में अब तारीख पर तारीख नहीं मिलेगी। ऐसे विवादों का शीघ्रता से निस्तारण किया जाएगा।

जिलाधिकारी की पहल पर प्रशासनिक व राजस्व अधिकारी ऐसी शिकायतों पर त्वरित निर्णय लेकर इन समस्याओं का समाधान करेंगे। इसके लिए जिले में एक राजस्व प्रवर्तन समिति का गठन किया गया है। यह समिति नियमित काम करे इसके लिए एडीएम साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट डीएम को सौंपेंगे, ताकि इस समिति की निगरानी हो सके।जिलाधिकारी ललित मोहन रयाल ने भू एवं राजस्व विवादों के त्वरित निस्तारण के लिए राजस्व-प्रवर्तन समिति का गठन किया है। यह समिति तहसील क्षेत्राधिकार के राजस्व प्रकृति के विवादों के त्वरित एवं प्रभावी निस्तारण करेगी।

उन्होंने कहा कि सार्वजनिक परिसंपत्तियों पर अतिक्रमण, भूमि-सीमा विवाद, सरकारी भूमि पर अवैध कब्जा, सड़कों, गूलों तथा नाले संबंधी विवाद, राजस्व अभिलेखों में प्रविष्ट त्रुटियों सहित अन्य विवादों के शीघ्र समाधान करेगी। यह समिति प्रत्येक सप्ताह निर्धारित कार्यक्रम अनुसार राजस्व मामलों की सुनवाई करेगी तथा स्थलीय निरीक्षण, रिकॉर्ड परीक्षण एवं वास्तविक स्थिति के आधार पर निर्णय लेगी। डीएम ने बताया कि समिति की ओर से निस्तारित मामलों एवं लंबित प्रकरणों की साप्ताहिक प्रगति रिपोर्ट अपर जिलाधिकारी कार्यालय को प्रेषित की जाएगी जिससे समिति की निगरानी हो सके।

राजस्व प्रवर्तन समिति के एसडीएम होंगे अध्यक्ष : राजस्व प्रवर्तन समिति में एसडीएम अध्यक्ष, तहसीलदार, थाना प्रभारी / माससाखा अधिकारी, क्षेत्रीय राजस्व निरीक्षक/ कानूनगो सदस्य और लेखपाल / हल्का पटवारी सदस्य सचिव होंगे।

समिति के प्रमुख दायित्व

हल्द्वानी : राजस्व प्रवर्तन समिति के प्रमुख दायित्व सभी प्रकार के नक्शा, खसरा, अभिलेख एवं रिपोर्टों का परीक्षण कर विवादों का निस्तारण, अतिक्रमण होने की स्थिति में नोटिस जारी कर आवश्यक कानूनी कार्रवाई, मेड़ विवाद एवं सीमांकन विवादों का अंतिम सीमांकन व समाधान, सार्वजनिक परिसंपत्तियों के मूल स्वरूप को पुनर्स्थापित करना होगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

नैनीताल

सिटी ब्रीफ

डामरीकरण के चलते वाहनों पर प्रतिबंध

भीमताल : राज्य मार्ग संख्या-10 के अंतर्गत भीमताल प्रभाग में किलोमीटर 13, 14 एवं 15 बोहराकून के पास 3 दिसंबर 2025 से 15 दिसंबर 2025 तक सुबह 7:30 बजे से अपरान्ह 12:30 बजे तक डामरीकरण का कार्य किए जाने के कारण भीमताल और रानीबाग के मध्य समस्त प्रकार के वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित रहेगा। पुलिस के अनुसार 3 दिसंबर से 15 दिसंबर तक प्रातः 7:30 बजे से 12:30 बजे तक भीमताल से हल्द्वानी की ओर व हल्द्वानी से भीमताल की ओर यात्रा करने वाले वाहनों को भवाली-ज्योलीकोट मार्ग का प्रयोग करना होगा।

आज से वाहनों की यूके04 एएस सीरीज होगी शुरू

हल्द्वानी : संभागीय परिवहन विभाग ने आज बुधवार से वाहनों की नई रजिस्ट्रेशन नंबर-सीरीज खोलने का फैसला किया है। इस व्यवस्था के तहत अब वाहन स्वामी अपनी पसंद का फैंसी नंबर ऑनलाइन चुन सकते हैं। आरटीओ डॉ. गुरदेव सिंह ने बताया कि यूके04एआर सीरीज समाप्त होने वाली है, जिसके बाद यूके04एएस सीरीज खोल दी जाएगी। उन्होंने बताया कि इच्छुक वाहन स्वामी को आधिकारिक पोर्टल fancy .parivahan .gov .in पर जाकर आवेदन करना होगा। आवेदन पहले आओ -पहले पाओ के आधार पर स्वीकृत होंगे। बताया कि नई सीरीज बुधवार दोपहर 12 बजे से उपलब्ध होगी। वाहन स्वामी उसी समय पोर्टल पर जाकर इच्छित नंबर बुक कर सकते हैं। विभाग ने बड़े वाहन स्वामियों से जल्द आवेदन करने का अनुरोध किया है।

फायरिंग की गलत सूचना पर किया चालान

रामनगर : फायरिंग की झूठी सूचना दिए जाने के आरोप में पुलिस ने आरोपी का पुलिस एक्ट में चालन किया है। बता दें कि आरिफ पुत्र मोहम्मद रमजानी निवासी गूलरघट्टी ने कोतवाली आकर सूचना दी कि टीपी नगर में अब्दुल सालिम व उसके लड़कों ने आकर फायरिंग कर दी है। सूचना मिलने पर पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर छानबीन शुरू कर दी। पुलिस ने घटनास्थल पर पूछताछ व सीसीटीवी फुटेज आदि चेक किए गए तो फायरिंग जैसी किसी घटना का होना प्रकाश में नहीं आया। कोतवाल सुशील कुमार ने बताया जांच में शिकायतकर्ता आरिफ की अ. सालिम किसी बात को लेकर कहा-सुनी हो गई थी। इसके अतिरिक्त फायरिंग की घटना बेबुनियाद पाई जाने पर आरोपी आरिफ के खिलाफ पुलिस को झूठी-फायरिंग की सूचना देने के जुर्म में पुलिस एक्ट के अंतर्गत चालानी कार्यवाही की गई।

वैज्ञानिक तकनीकों से बढ़ेगी पैदावार, किसानों की आय में होगा इजाफा, किसानों की बदली तकदीर

पहाड़ों के शहद की विदेश की बाजारों में बढ़ी धाक

संवाददाता, नैनीताल

डॉ. एमएस चौहान, कुलपति पंतनगर विवि।

अमृत विचार: पहाड़ों के छोटे-छोटे गांवों में वर्षों से चुपचाप मेहनत कर रहे किसानों की जिंदगी आज बदल रही है। कभी सिर्फ स्थानीय बाजारों तक सीमित रहने वाला पहाड़ी शहद अब देश ही नहीं, विदेशों में भी अपनी खास पहचान बना रहा है। इसका बड़ा कारण है-हिमालयी क्षेत्र में प्राकृतिक रूप से तैयार होने वाला ऑर्गेनिक शहद जिसकी मांग दिनोंदिन बढ़ती जा रही है।

पंतनगर विवि के कुलपति डॉ. मनमोहन सिंह चौहान ने बताया कि उत्तराखंड के पहाड़ों में शहद उत्पादन एक नई क्रांति जैसा उभर रहा है। डॉ. चौहान ने कहा, पहाड़ों की स्वच्छ जलवायु, दुर्लभ फूलों की प्रजातियां और प्रदूषण रहित वातावरण यहां के शहद को खास बनाते हैं। यही कारण है कि हिमालयी शहद की मांग अंतरराष्ट्रीय बाजारों में लगातार बढ़ रही है। डॉ. चौहान के मुताबिक, पिछले कुछ वर्षों में पहाड़ों के किसानों की आय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। पहले जहां किसान केवल परंपरागत खेती पर निर्भर थे, वहीं अब शहद उत्पादन के रूप में उन्हें एक स्थायी और मजबूत आर्थिक सहारा मिल रहा है। शहद उत्पादन ने पहाड़ों के युवाओं को भी गांव में ही रोजगार देने का काम किया है। कई गांवों में तो युवा लौटकर मधुमक्खी पालन को आजीविका बना रहे हैं, उन्होंने कहा।हिमालयी क्षेत्र में मिलने वाली बुरांश, किल्मोड़ा, प्योली और जंगली फूलों से तैयार होने वाला यह शहद न सिर्फ स्वाद और गुणवत्ता में बेहतरीन है, बल्कि औषधीय गुणों से भी भरपूर है। यही कारण है कि यूरोप, मध्य-पूर्व और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों में इसकी मांग तेजी से बढ़ी है। कई अंतरराष्ट्रीय कंपनियाa अब सीधे उत्तराखंड के किसान समूहों से शहद खरीदने लगी हैं। पंतनगर विश्वविद्यालय किसानों को वैज्ञानिक तरीके से मधुमक्खी पालन, पैकेजिंग और मार्केटिंग की ट्रेनिंग दे रहा है, जिससे वे अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप उत्पादन कर सकें। ऑर्गेनिक शहद ने उत्तराखंड के पहाड़ों को वैश्विक नक्शे पर नई पहचान दी है। आने वाले समय में यह क्षेत्र किसानों की अर्थव्यवस्था को और अधिक मजबूती प्रदान करेगा। पहाड़ों के गांवों में मधुमक्खियों की गुनगुनाहट सिर्फ शहद के छत्तों में ही नहीं, बल्कि किसानों के घरों में भी खुशहाली की गूंज बन चुकी है।जैविक तरीकों से तैयार होने वाला पहाड़ी शहद विदेशी बाजारों में दस हजार रुपये प्रति किलो से भी अधिक मूल्य पर बिक रहा है। इसकी कीमत साधारण शहद की तुलना में दो से चार गुना ज्यादा होती है। बावजूद इसके, पारंपरिक खेती व पुराने तरीकों के उपयोग के चलते कई किसान उच्च पैदावार और बेहतर गुणवत्ता हासिल नहीं कर पा रहे हैं।

सेंट जोसफ कॉन्वेंट स्कूल ने जीती ताइक्वांडो चैंपियनशिप

संवाददाता, रामनगर

अमृत विचार: ताइक्वांडो अकादमी द्वारा तृतीय ओपन इंटर स्कूल ताइक्वांडो चैंपियनशिप का भव्य एवं सफल ब्लॉक इनडोर हॉल तहसील रोड में आयोजन किया गया। जिसमें सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल ने श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त किया जबकि ग्रीन फील्ड एकेडमी पीरूमदारा ने प्रभावशाली कौशल का प्रदर्शन करते हुए द्वितीय स्थान मिला। बता दें कि इस प्रतियोगिता में रामनगर क्षेत्र के अनेक शिक्षण संस्थानों के विद्यार्थियों ने उत्साह एवं अनुशासन के साथ सहभागिता की। प्रमुख रूप से सेंट जोसेफ कॉन्वेंट स्कूल, ग्रीन फील्ड एकेडमी पीरूमदारा, ग्रेट मिशन पब्लिक स्कूल, जीजीआईसी खताड़ी, ओक बड्स, जीजीआईसी ढिकुली, गुरुनानक पब्लिक स्कूल बसई, एमपी इंटर कॉलेज, आर्मी पब्लिक स्कूल, श्री गुरुनानक पब्लिक स्कूल रामनगर, शाइनिंग स्टार स्कूल तथा यूएसआर आदि स्कूलों के बच्चों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख मंजू नेगी और ज्येष्ठ उप प्रमुख संजय नेगी ने कार्यक्रम में शिरकत की। उन्होंने खिलाड़ियों को हर संभव सहयोग का आश्वासन दिया। कहा कि ऐसे आयोजन युवाओं को नशे से दूर रखने व सकारात्मक दिशा में अग्रसर करने में बहुत प्रभावी सिद्ध होते हैं। सचिव नितेश शर्मा, समीर कुमार, राकेश कुमार, आकाश कुमार, कला रावत, मनीष मंडल, अनिल सैनी, शुभम वर्मा, धन्यमय कुमार रहे।

बाघों की गणना को लेकर वन कर्मियों को दिया प्रशिक्षण

वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने दी ट्रेनिंग

संवाददाता, रामनगर

चूनाखान में बाघों की गिनती के लिए वन कर्मियों को जानकारी देते अधिकारी।

अमृत विचार: देशभर में होने जा रही बाघों की गणना को लेकर तैयारी तेज हो गई है। हर चार साल में की जाने वाली इस राष्ट्रीय गणना के मद्देनजर चूनाखान ईको टूरिज्म सेंटर में वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ने वन विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों को विशेष प्रशिक्षण दिया। यह प्रशिक्षण इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है ताकि आने वाली गिनती में किसी प्रकार की त्रुटि न हो और देशभर में बाघों की सटीक संख्या रिकॉर्ड की जा सके।

प्रशिक्षण में कॉर्बेट टाइगर रिजर्व के अधिकारी, उत्तराखंड के अन्य टाइगर आवास क्षेत्रों के अधिकारी शामिल हुए। विशेषज्ञों ने कैमरा ट्रैपिंग, फील्ड सर्वे, डेटा रिकॉर्डिंग और वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को विस्तार से समझाया। प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद ये अधिकारी अपने-अपने वन प्रभागों में फील्ड स्टाफ को वही तकनीक सिखाएंगे, जिससे सेंसस के दौरान एक समान और वैज्ञानिक पद्धति का उपयोग हो सके। वाइल्डलाइफ इंस्टीट्यूट ने इस बार भी गणना के वैज्ञानिक पहलुओं पर विशेष जोर दिया है। टाइगर सेंसस के लिए कैमरा ट्रैप तकनीक को प्रमुख रूप से इस्तेमाल किया जाएगा। यह तकनीक आधुनिक और विश्वसनीय मानी जाती है, जिसमें बाघों की तस्वीरों के स्ट्राइप पैटर्न (धारियों के पैटर्न) के आधार पर उनकी पहचान की जाती है। हर बाघ की धारियाँ फिंगरप्रिंट की तरह यूनिक होती हैं, जिससे उनकी सही पहचान संभव हो पाती है। इस पद्धति से बाघों की वास्तविक संख्या, उनका वितरण क्षेत्र, और उनके मूवमेंट पैटर्न का सही डेटा मिलता है। यही वजह है कि यह सेंसस न सिर्फ देश के बाघों की संख्या का आकलन करती है, बल्कि संरक्षण नीति बनाने में भी अहम भूमिका निभाती है। गौरतलब है कि कॉर्बेट टाइगर रिजर्व विश्व प्रसिद्ध है और बाघ घनत्व के मामले में दुनिया के प्रमुख टाइगर आवासों में गिना जाता है। यहां 260 से अधिक बाघों की उपस्थिति दर्ज है, जो इसे भारत ही नहीं बल्कि वैश्विक स्तर पर भी महत्वपूर्ण बनाती है।

डीएसबी परिसर में खुलेगा टेलीकॉम कंप्यूटर सेंटर

नैनीताल: कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर में फ्यूचर फॉरवर्ड गाइडेंस फ्रॉम इंडस्ट्री एंड फाइनेंस एक्सपर्ट विषय पर व्याख्यान हुआ। मुख्य अतिथि एलारा कैपिटल लंदन के सीईओ एवं डीएसबी के पूर्व छात्र राज भट्ट ने परिसर में टेलीकॉम कंप्यूटर सेंटर स्थापित करने की घोषणा की, जो छात्रों को प्रोफेशनल ट्रेनिंग और सर्टिफिकेशन उपलब्ध कराएगा।

प्रो. अतुल जोशी ने जानकारी दी कि राज भट्ट की ओर से वाणिज्य विभाग के टॉपर छात्रों को 50 जबकि इतिहास विभाग के टॉपर को 30 हजार रुपये की छात्रवृत्ति दी जा रही है। डीएसडब्ल्यू प्रो. संजय पंत ने कहा कि युवाओं को जॉब सीकर नहीं बल्कि जॉब क्रिएटर बनना चाहिए। वित्त नियंत्रक कमलेश भंडारी ने उपलब्ध अवसरों के बारे में बताया। राज भट्ट ने बताया कि उन्होंने 1983 में डीएसबी से कॉमर्स की पढ़ाई की थी। 1992 से उन्होंने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कार्य किया और आज उनकी कंपनियों में 300 से अधिक कर्मचारी हैं। उन्होंने प्रियंका नयाल (सीए तैयारी) और दृष्टिबाधित शैलेंद्र यादव (एआई शोध) जैसी छात्रों की सराहना की। विजिटिंग प्रो. निदेशालय के निदेशक प्रो. ललित तिवारी आदि मौजूद रहे।

क्षेत्र में हाथियों के बढ़ते आतंक से हल्दूचौड़ के ग्रामीणों में दहशत

संवाददाता, हल्दूचौड़

ग्रामीणों से जानकारी लेते डीएफओ यूसी तिवारी। ● अमृत विचार

अमृत विचार: हल्दूचौड़ और इसके आसपास के हाथी प्रभावित क्षेत्रों में वन्यजीवों के लगातार बढ़ते आतंक ने ग्रामीणों का जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया है। स्थिति गंभीर होती देख दो-दो वन प्रभाग सक्रिय हो गए हैं। इससे पूर्व तराई केंद्रीय वन प्रभाग के डीएफओ प्रभावित इलाकों का दौरा कर स्थिति का जायजा ले चुके थे। वहीं, आज तराई पूर्वी वन प्रभाग की टीम मौके पर पहुंची और किसानों की आपबीती सुनी। मंगलवार के दौरे में तराई पूर्वी वन प्रभाग के गौला रेंज के उप प्रभागीय वनाधिकारी अनिल जोशी, वन क्षेत्राधिकारी चंदन सिंह अधिकारी, ग्राम प्रधान रुक्मणी नेगी, ग्राम प्रधान पूजा बिष्ट सहित वन विभाग की पूरी टीम मौजूद रही। अधिकारियों ने गोपीपुरम, बच्चीधर्मा, दुम्काबंगर, दीना, जयराम पर्मा समेत कई प्रभावित गाँवों का निरीक्षण कर ग्रामीणों से सीधे बातचीत की। ग्रामीणों ने अधिकारियों को बताया कि हाथियों की बढ़ती आवाजाही से उनकी रातें दहशत में कट रही हैं और फसलों को भारी नुकसान हो रहा है। इस पर अधिकारियों ने आश्वासन दिया कि रात्रि गश्त बढ़ाई जाएगी, निगरानी व्यवस्था मजबूत की जाएगी, और प्रभावित खेतों की सुरक्षा के लिए जल्द ही ठोस कदम उठाए जाएँगे। दोनों वन प्रभागों की इस सक्रियता से ग्रामीणों में यह उम्मीद जगी है कि हाथियों के आतंक से उन्हें जल्द राहत मिलेगी।

बंदरों व लंगूरों के आतंक से लोग परेशान

कालाढूंगी : नगर क्षेत्र में दिनोंदिन बंदरों व लंगूरों का आतंक बढ़ता जा रहा है, और इनका कुनबा भी विस्तारित हो रहा है। शासन-प्रशासन इस ओर ध्यान नहीं दे रहा है, जिससे नगरवासियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। नगर में बंदरों का आतंक इस कदर व्याप्त है कि कटखने बंदरों के गुटों में लड़ाई होने पर अफरा-तफरी का माहौल हो जाता है। बच्चों व महिलाओं के हाथों में सामान होने पर बंदर झपट्टा मारकर सामान छीन ले जाते हैं। घरों व दुकानों में पलक झपकते ही घुसकर खाने-पीने का सामान उठा ले जाते हैं। छतों व घर के बाहर सुखाने के लिए रखे कपड़े, अनाज और दाल फाड़कर व बर्बाद कर देते हैं। इतना ही नहीं, ये राह चलते लोगों पर भी हमला कर दे रहे हैं, जिससे लोग काफी डरे व सहमे हुए रहते हैं। मंगलवार को ग्रामीण बैंक के पास चाय का दुकानदार ललित गैड़ा पास ही चाय देने गया हुआ था। इतने में बंदरों ने दुकान में धावा बोलकर बन और बिस्कुट उठा लिए। वार्ड मेंबर सुमन अधिकारी व रोहित बुढलाकोटी ने प्रशासन से बंदरों के आतंक से निजात दिलाने की मांग की है।

धारी की दो मोटर मार्गों के लिए जिलाधिकारी को ज्ञापन देते जनप्रतिनिधि।

मोटर मार्ग के संबंध में जिलाधिकारी को ज्ञापन सौंपा

भीमताल : कांग्रेसी नेता मनोज शर्मा ने जिलाधिकारी नैनीताल ललित मोहन रयाल को ज्ञापन सौंपकर धारी की बबियाड़ ग्राम सभा की दो मोटर मार्गों को लेकर ज्ञापन सौंपा। इस दौरान गैरखान-कैलाशद्वारा मोटर मार्ग और बबियाड़-टपूवा-दुदुली मोटर मार्ग के संबंध में ज्ञापन सौंपा। उन्होंने बताया कि पूर्व जिलाधिकारी महोदया ने स्वयं इन मोटर मार्गों का निरीक्षण किया था। संबंधित विभाग को तत्काल निर्माण के लिए निर्देशित करने के बाद भी, आज तक भी निर्माण प्रक्रिया प्रारंभ नहीं हो पाई है। उन्होंने जिलाधिकारी से विभागीय अधिकारियों को निर्माण के लिए लोक निर्माण विभाग को आदेशित करने की मांग की।

रैगिंग करने वाले छात्र पर 10 दिन का प्रतिबंध

भीमताल: कुमाऊं विश्वविद्यालय के सर जेसी बोस तकनीकी परिसर ने रैगिंग करने वाले छात्र पर 10 दिन तक प्रतिबंध लगा दिया है। यह प्रतिबंध संस्थान के कुलानुशासक ऋषेंद्र कुमार के आदेश पर लगाया गया है। मामला 15 दिन पूर्व का है जिसमें छात्र मोहम्मद जावेद पुत्र मोहम्मद उस्मान पर एक छात्रा की रैगिंग करने का आरोप लगा था जिसको लेकर कुमाऊं विश्वविद्यालय के भेषज विज्ञान विभाग का भाजपा जिला मंत्री मनोज भट्ट के नेतृत्व में घेराव किया गया था। मामले की उच्च स्तरीय जांच की मांग की थी जिस पर कुमाऊं विश्वविद्यालय के एंटी रैगिंग कमेटी ने जांच करने के बाद आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया था। जिसके तहत छात्र पर यह लगाया गया है। यह प्रतिबंध परिसर निदेशक के अनुमोदन पर किया गया है। जिला मंत्री मनोज भट्ट प्रकाश ने बताया कि भीमताल में किसी भी संस्थान में किसी भी प्रकार की रैगिंग को बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

विज्ञान महोत्सव में विद्यार्थियों ने शानदार मॉडल किए प्रस्तुत

संवाददाता, भीमताल

जनपद स्तरीय विज्ञान महोत्सव प्रतियोगिता में स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थी।

अमृत विचार: राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद्, उत्तराखंड द्वारा सतत् पोषणीय विकास-सुदृढ़ और समृद्ध भविष्य का आधार, जागरूक बालमन एक उत्तरदायी समाज की अवधारणा पर आधारित सामाजिक विज्ञान महोत्सव का आयोजन जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) भीमताल में किया गया। संस्थान के प्राचार्य सुरेश चन्द्र आर्या के उद्बोधन से कार्यक्रम का उद्घाटन हुआ।

जनपद के आठ ब्लॉकों के विकासखंड स्तर की प्रतियोगिता में प्रथम स्थान प्राप्त कर चुके कुल 24 विद्यार्थियों ने कार्यक्रम में प्रतिभागी किया। मॉडल, भाषण एवं क्विज विधाओं में विद्यार्थियों का प्रदर्शन सराहनीय रहा। क्विज प्रतियोगिता में राजीव गांधी विद्यालय बेतालघाट के रुद्राक्ष जोशी प्रथम, जीआईसी धानाचूली की भावना द्वितीय तथा राइका बानना की दिव्यांशु पलड़िया तृतीय स्थान पर रहे। मॉडल प्रतियोगिता में आशना मुंज्याल नवोदय विद्यालय स्यात, कोटाबाग प्रथम, लतिका राबाइका खुर्पाताल द्वितीय तथा प्रीति राकउमा वि बमोरी तृतीय रहे। षण प्रतियोगिता में रागा आवा० अभि० वि० बेतालघाट की याशिका जोशी प्रथम, अंजलि राउप्रावि सूर्यागाँव द्वितीय, रश्मि जीआईसी धानाचूली तृतीय रही। प्रतियोगिता के निर्णायक पी.एस. बुंगला, राजेश जोशी तथा ज्योतिर्मय मिश्र रहे। इस मौके पर जिला समन्वयक रेखा तिवारी, निधि रौतेला, गोपाल गुणवन्त तथा मन्नू ढौंडियाल का विशेष योगदान रहा।

कुष्ठ आश्रम में रोगियों को राशन देते भाजपाई। ● अमृत विचार

नड्डा व सांसद बलूनी के जन्म दिन पर कुष्ठ आश्रम में राशन वितरित

रामनगर : भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और सांसद अनिल बलूनी के जन्म दिवस पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने कुष्ठ आश्रम में राशन एवं फल सब्जी वितरण किया। पार्टी कार्यकर्ताओं ने कुष्ठ आश्रम में रह रहे संवासियों से भेंट करके उनके कुशलक्षेम जानी और अपने नेताओं के जन्मदिवस पर उनके दीर्घायु की कामना करते हुए फल सब्जी एवं राशन वितरित किए। इससे पूर्व रामदत्त जोशी संयुक्त चिकित्सालय में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मरीजों को फल वितरित किए गए। इस दौरान भाजपा जिला उपाध्यक्ष गणेश रावत, पूर्व प्रदेश मंत्री राकेश नैनवाल, मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह खाती, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष घनश्याम शर्मा, पूर्व दर्जा मंत्री दिनेश मेहरा, पूर्व सांसद प्रतिनिधि इंदर रावत, पूर्व छात्र संघ अध्यक्ष चंदन सिंह बिष्ट, अजीत सिंह रावत, आनंद कड़ाकोटी, महिपाल सिंह, आशा बिष्ट, माया रावत, छात्र संघ उपाध्यक्ष मनोज पांडे, भारत तिवाड़ी, कुलदीप माहेश्वरी, रामभरोसे लाल, अशोक गुप्ता, संजीव सैनी, मनोज पंत उपस्थित रहे।

पूजा ने ऐपण कला को दी नई उड़ान

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : उत्तराखंड की पारंपरिक लोककला ऐपण जो कुमाऊं की सांस्कृतिक पहचान मानी जाती है। जनपद के ओखलकांडा ब्लॉक के भीड़ापानी गांव की पूजा पडियार ने ऐपण कला को नई पहचान दी है। पूजा पिछले 20 वर्षों से ऐपण कला के संरक्षण और संवर्धन में जुटी हैं। आज उनके बनाए ऐपण डिजाइनों से सजे उत्पाद देश ही नहीं, विदेशों में भी सराहे जा रहे हैं।

पूजा ने 'ऐपण क्रिएशन' नाम से एक ब्रांड की शुरुआत की है, जिसके तहत वह कुमाऊंनी संस्कृति से जुड़े कई सजावटी और उपयोगी उत्पाद तैयार कर रही हैं। जिसमें वह सजावटी उत्पाद में नेम प्लेट्स, शादी-विवाह की चौकियां, ऐपण डिजाइन वाले फोटो फ्रेम और वस्त्र व परिधान में ऐपण से सजे कुर्ते, टीशर्ट, पारंपरिक कुमाऊंनी टोपी और साथ ही जूट बैग, लकड़ी के सजावटी सामान जिन पर ऐपण कला की झलक मिलती है। पूजा न केवल ऐपण कला को व्यावसायिक मंच पर ला रही हैं, बल्कि वह इसके माध्यम से कुमाऊं की संस्कृति को देश-विदेश तक पहुंचाने में भी अहम भूमिका निभा रही हैं। विभिन्न राज्यों के लोग उनके बनाए उत्पादों को ऑर्डर कर रहे हैं, जिससे यह स्पष्ट है कि कुमाऊं की कला को सीमाओं से परे भी खूब सराहा जा रहा है।

पूजा पडियार की बनाई नीम करौली बाबा और कैंची धाम की पेंटिंग सोशल मीडिया में काफी वायरल हुई थी। पूजा ने बताया कि उन्होंने बाबा की पेंटिंग से ही उत्तराखंड के कल्चर को दिखाने की शुरुआत की थी। नीम करौली बाबा की पेंटिंग के बाद उनके पास विदेशों से भी पेंटिंग की डिमांड आईं।

बच्चों को भी सिखाती हैं ऐपण कला

संस्कृति के संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाते हुए पूजा स्कूलों में जाकर बच्चों को ऐपण कला की शिक्षा भी देती है। उनका मानना है कि जब तक हम अपनी जड़ों से नहीं जुड़ेंगे, हमारी पहचान अधूरी रहेगी। अपने उत्पादों को ज्यादा से ज्यादा लोगों तक पहुंचाने को पूजा ने इंस्टाग्राम पर पेज बनाया है, जहां से ग्राहक सीधे उनसे संपर्क कर ऑर्डर करते हैं। सरकारी आयोजनों में स्टॉल लगाकर उत्पादों का प्रदर्शन करती हैं।

आवारा पशुओं के आतंक से स्थानीय लोग परेशान

संवाददाता, भीमताल

- पशुओं को तत्काल पकड़कर गोशाला भेजने की मांग

अमृत विचार: नगर पालिका क्षेत्र भीमताल की सड़कों पर खुले में घूम रहे आवारा गाय, बैल और बछड़ों से स्थानीय निवासी, व्यापारी तथा पर्यटक लगातार परेशान हैं। खासकर मेहरा गांव, खुटानी से लेकर नौकुचियाताल तक की मुख्य पर्यटन सड़कों पर बड़े-बड़े सींग वाले बैल आपस में भिड़ते नजर आते हैं, जिससे भीड़-भाड़ वाली जगहों, बाजार क्षेत्र में लोगों की जान जोखिम में रहती है और वाहनों की आवाजाही भी खतरे में पड़ जाती है।

लोगों की इस बढ़ती परेशानी को देखते हुए सामाजिक कार्यकर्ता पूरन चंद्र बृजवासी ने मंगलवार को नगर पालिका कार्यालय पहुंचकर अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार को ज्ञापन सौंपा। इस दौरान सड़कों पर घूम रहे सभी आवारा पशुओं को तत्काल पकड़कर गोशाला भेजने की मांग की गई। अधिशासी अधिकारी राहुल कुमार ने आश्वासन दिया कि आवारा पशुओं को पकड़ने की पूरी तैयारी कर ली गई है। उन्होंने कहा, बहुत जल्द ही टीम गठित कर इन पशुओं को सड़कों से हटाकर शहर से बाहर स्थित गोशाला में पहुंचाया जाएगा।

पर्यटकों को सही जानकारी देना गाइडों की जिम्मेदारी: अंसारी

संवाददाता, रामनगर

नेचर गाइडों की कार्यशाला के दौरान विचार रखते वक्ता। ● अमृत विचार

अमृत विचार: कॉर्बेट प्रशासन ने कॉर्बेट नेशनल पार्क में आने वाले पर्यटकों के साथ अनुकूल व्यवहार करने और उन्हें पार्क में पाए जाने वाले वन्य जीवों की सही जानकारी देने का निर्देश दिया है। इसके लिए कॉर्बेट प्रशासन ने गाइडों की कार्यशाला का आयोजन किया।

कार्यशाला में वन्य जीव विशेषज्ञ एजी. अंसारी ने कहा कि कॉर्बेट नेशनल पार्क वन्य जीवों के लिए विश्वविख्यात है। इसको बचाना गाइडों की भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि पार्क के अंदर के नियमों के विषय में भी पर्यटकों को जानकारी अवश्य दें। वन्य जीव विशेषज्ञ इमरान खान ने कहा कि गाइड वन्य जीवों के साथ-साथ कॉर्बेट में पाई जाने वाली जड़ी-बूटियों, पेड़-पौधों आदि के बारे में भी पर्यटकों को जानकारी दें। उन्होंने आगे कहा कि भ्रमण के दौरान किसी प्रकार का शोर-शराबा अथवा साथ में लाए खाद्य पदार्थों को जंगल में छोड़ना कानून के खिलाफ है, इसकी जानकारी भी पर्यटकों तक पहुंचाने की जिम्मेदारी नेचर गाइडों की है। इस दौरान कॉर्बेट के इको टूरिज्म के रेंजर ललित आर्य सहित सैकड़ों गाइड मौजूद थे।

सिटी ब्रीफ

दमुवाढूंगा में बिजली के पोल किए गए शिफ्ट

हल्द्वानी : दमुवाढूंगा क्षेत्र में अपरान्ह तीन बजे से बिजली के पोलों को शिफ्ट किया जाना शुरू किया गया। यहां पनचक्की से लेकर चंबलपुल तक नहर को कवर किया जा रहा है। इस वजह से बिजली के पोलों को नहर की दूसरी तरफ शिफ्ट करने का काम शुरू हो गया है। इसकी वजह से बिजली गुल हो गई और क्षेत्रवासी परेशान रहे।

रानीबाग व गौलापार में दिनभर बिजली गुल

हल्द्वानी : यूपीसीएल की ओर से मंगलवार को लाइन मेंटेनेंस कार्य किए जाने के चलते रानीबाग और गौलापार बिजलीघरों से दिनभर बिजली आपूर्ति बंद रही। सुबह से ही बिजली कटौती के कारण लोगों को दिक्कतों का सामना करना पड़ा। बिजली न होने से घरों के रोजमर्रा के काम प्रभावित रहे, वहीं ट्यूबवेल बंद रहने के कारण पेयजल आपूर्ति भी बाधित रही। शहरी क्षेत्र के यूपीसीएल के अधिशासी अभियंता (ईई) प्रदीप कुमार ने बताया कि निर्धारित लाइन मेंटेनेंस कार्यों के लिए बिजली आपूर्ति बाधित रही। आवश्यक कार्य पूरे होने के बाद शाम तक बिजली बहाल कर दी गई। ईई प्रदीप कुमार का कहना है कि उपभोक्ताओं की बेहतर आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए इन दिनों लाइम मेंटनेंस का कार्य किया जा रहा है।

दिन और रात के तापमान में 20 डिग्री का अंतर

हल्द्वानी : दिन में निकल रही चटक धूप तो वहीं रात के समय गिर रहे पारे की वजह से दिन और रात के तापमान में बड़ा अंतर दर्ज हो रहा है। हल्द्वानी में अधिकतम तापमान 25 डिग्री और न्यूनतम तापमान 5 .2 डिग्री है। न्यूनतम तापमान सामान्य से दो डिग्री कम है। दिन और रात के तापमान में करीब 20 डिग्री का अंतर है। मौसम विज्ञान केंद्र देहरादून के अनुसार आने वाले दिनों में इसी तरह का मौसम बने रहने का अनुमान है।

मुख्यमार्ग पर वाहन चेकिंग अभियान चलाया

बाजपुर : नैनीताल हाईवे पर बरहैनी चौकी की पुलिस ने मंगलवार को हल्द्वानी-बाजपुर मुख्यमार्ग पर व्यापक वाहन चेकिंग अभियान चलाया। अभियान का नेतृत्व बरहैनी चौकी इंचार्ज संदीप शर्मा ने किया। चेकिंग के दौरान पुलिस टीम ने बिना हेलमेट, तेज रफ्तार तथा अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहनों को रोककर जांच की। इस दौरान चौकी प्रभारी संदीप शर्मा ने बताया कि पुलिस ने नियमों का उल्लंघन करते पाए गए कुल सात वाहनों के चालान कर अर्थदंड वसूल किया।

राज्य के 2.98 लाख गन्ना किसानों को लाभ

किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी बोले-उत्तराखंड में यूपी से अधिक है गन्ने का समर्थन मूल्य

- प्रदेश सरकार ने गन्ना का समर्थन मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाया

कार्यालय संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : किसान मोर्चा प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी ने मंगलवार को भाजपा संभाग कार्यालय में हुई प्रेस वार्ता में कहा कि मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी सरकार ने गन्ना का समर्थन मूल्य 30 रुपये प्रति क्विंटल बढ़ाने का ऐतिहासिक फैसला लिया है। अब शीघ्र प्रजाति वाले गन्ने का मूल्य 375 से बढ़कर 405 रुपये प्रति क्विंटल और सामान्य प्र जाति के गन्ने का मूल्य 365 से बढ़कर 395 रुपये का प्रति क्विंटल हो गया है।

इस वृद्धि का लाभ किसानों को इसी पेराई सत्र से होगा। वहीं, गन्ने के मूल्य में वृद्धि के बाद उत्तर प्रदेश से भी अधिक गन्ने का समर्थन मूल्य उत्तराखंड में मिल रहा है। यह निर्णय स्पष्ट करता है कि सीएम धामी किसानों की आय दोगुनी करने के लिए गंभीर है। उन्होंने कहा कि गन्ने का समर्थन मूल्य बढ़ने से राज्य के 2.98 लाख किसानों को लाभ होगा। राज्य में 88,603 हेक्टेयर कृषि भूमि में लगभग 738.95 लाख क्विंटल गन्ने की पैदावार की उम्मीद है। साथ ही सरकार यह भी सुनिश्चित कर रही है कि प्रदेश की आठों चीनी मिलों में पेराई के लिए गन्ना लाने वाले किसानों को समय से भुगतान हो।

पत्रकार वार्ता करते भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र सिंह नेगी व अन्य पदाधिकारी। ● अमृत विचार

राज्य सरकार चीनों मिलों को विशेष ऋण मुहैया करा चुकी है ताकि पेराई सत्र में भी कोई व्यवधान नहीं हो। चीनी मिलों को 139.70 करोड़ रुपये ऋण सहायता के रूप में दिए गए हैं। दो सहकारी नादेही एवं बाजपुर, दो सार्वजनिक डोईवाला एवं किच्छा और सितारगंज, लिब्बरहेड़ी, इकबालपुर और लक्सर में चार प्राइवेट चीनी मिल काम कर रही हैं। इस दौरान जिलाध्यक्ष प्रताप बिष्ट, किसान मोर्चा प्रदेश कोषाध्यक्ष सोबन सिंह, जिलाध्यक्ष संदीप कुकसाल, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य हरीश सुनाल, मीडिया प्रभारी नितिन राणा, सोशल मीडिया प्रभारी भैरव खोलिया, चम्पावत जिलाध्यक्ष पूरन सिंह, सौरभ बोहरा, पूरन बिष्ट, रवीन्द्र बाली, उमेश शर्मा, वीरेंद्र जायसवाल, कमल रावत, चन्द्र प्रकाश देव, भारत वाल्दिया आदि मौजूद रहे।

समस्या को लेकर सरकार से की जाएगी वार्ता

हल्द्वानी : प्रदेश अध्यक्ष नेगी ने धान क्रय केंद्रों में खरीद नहीं होने, यूपी के किसानों के धान विक्रय के सवालों पर कहा कि इसके लिए संगठन सरकार के साथ वार्ता करेगा हालांकि इससे पूर्व प्रदेश कार्यकारिणी का विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रदेश का दौरा कर लिया है, पर्वतीय व मैदान के किसानों से वार्ता की है। उनकी चकबंदी, बंदरबाड़ा, मुआवजा, वन्यजीवों से फसल नुकसान को लेकर आदि जो समस्याएं हैं उनको लेकर जल्द ही सीएम धामी से वार्ता की जाएगी।

हमारा प्रयास है कि खेती करने वाला काश्तकार जिलाध्यक्ष हो

हल्द्वानी : किसान मोर्चा के जिलाध्यक्ष की ताजपोशी को लेकर गुटबाजी हावी हो रही है। एक विधायक और एक प्रदेश स्तरीय पदाधिकारी अपने-अपने गुट को लेकर जिलाध्यक्ष नियुक्त करना चाहता है। ऐसे में प्रदेशअध्यक्ष नेगी के सामने जिलाध्यक्ष की नियुक्ति बड़ी चुनौती है। मीडिया के जिलाध्यक्ष की नियुक्ति के सवाल पर नेगी ने कहा कि भाजपा एक लोकतांत्रिक संगठन है, यहां सभी अपनी-अपनी सिफारिश व संस्तुति कर सकते हैं। हालांकि हाईकमान एक कार्यकर्ता का ही चुनाव करता है। उन्होंने कहा कि हमारा प्रयास है कि जनपद नैनीताल का जिलाध्यक्ष कंधे पर खकर हल चलाने वाला, ट्रैक्टर चलाने वाला हो। इस पद पर किसी भी तरह की गुटबाजी को हावी नहीं होने दिया जाएगा।

अब घर बैठे बन रहा है जीवित प्रमाण पत्र

पवन सिंह कुंवर, हल्द्वानी

अमृत विचार: पेंशनरों को अब जीवित प्रमाण पत्र के लिए लंबी लाइनों व बार-बार चक्कर लगाने की परेशानी से मुक्ति मिल गई है। डाक विभाग ने इसके लिए नई सुविधा शुरू कर दी है, जिसके तहत मात्र 70 रुपये शुल्क पर पोस्टमैन घर जाकर ही जीवित प्रमाण पत्र तैयार करेंगे।

इस सेवा से विशेष रूप से बुजुर्ग व चलने-फिरने में असमर्थ पेंशनरों को बड़ी राहत मिली है। शहर के मुख्य डाकघर के पोस्ट मास्टर चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि नई सुविधा के तहत पेंशनरों को केवल अपने नजदीकी डाकघर में संपर्क कर आवेदन करना होगा। आवेदन के बाद पोस्टमैन उनके घर पहुंचकर आधार व अंगूठे के सत्यापन के साथ जीवित प्रमाण पत्र तैयार होते ही पेंशनर के मोबाइल फोन पर मैसेज भी प्राप्त हो जाएगा। पेंशनर चाहें तो प्रमाण पत्र को सीधे jeevanpramaan.gov.in से डाउनलोड भी कर सकते हैं।

ऐसे बनेगा जीवित प्रमाण पत्र

- पेंशनर सबसे पहले निकटतम डाकघर में आवेदन करेंगे।
- निर्धारित समय पर पोस्टमैन उनके घर पहुंचेगा।
- आधार नंबर, फोन नंबर, पीपीओ नंबर, बैंक खाता नंबर व पेंशन एजेंसी की जानकारी ली जाएगी।
- अंगूठे (थंब) का बायोमेट्रिक सत्यापन होने के बाद प्रमाण पत्र तुरंत तैयार हो जाएगा।

नैनीताल और हल्द्वानी में तेजी से मिल रही सुविधा

पोस्टमास्टर चंदन सिंह बिष्ट ने बताया कि डाक विभाग की यह सुविधा शुरू होने के बाद से अब तक नैनीताल में 63 और हल्द्वानी में 168 पेंशनरों के जीवित प्रमाण पत्र बन चुके हैं। साथ ही डाक विभाग की इस पहल को पेंशनरों ने काफी सराहा है। खासकर वे बुजुर्ग जिन्हें हर साल नवंबर में जिला कोषागार तक पहुंचना कठिन होता था, अब घर बैठे ही प्रमाण पत्र प्राप्त कर पा रहे हैं।

एसटीएच में गुलेल और डंडों से भगाए जा रहे उत्पाती बंदरों के झुंड

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: कुमाऊं के सबसे बड़े सरकारी अस्पताल डॉ. सुशीला तिवारी राजकीय अस्पताल में बंदरों के झुंड से मरीज, तीमारदारों के साथ डॉक्टर व अन्य स्टाफ परेशान हैं। हाल यह हैं कि बंदरों को भगाने के लिए गुलेल और डंडों का सहारा लेना पड़ रहा है। पास में मौजूद जंगल और बंदरों को अस्पताल में मिल रहा खाना, समस्या को और भी बढ़ा रहा है।

विगत दिनों एक वीडियो वायरल हुआ था जिसमें दिख रहा था कि एसटीएच के आईसीयू के बाहर सीढ़ीयों पर बंदर बैठा हुआ है हालांकि बंदर किसी को भी परेशान नहीं कर रहा था लेकिन बंदर होने की वजह से मरीजों के साथ तीमारदार भय में थे। एसटीएच में इमरजेंसी के बाहर भी बंदर मौजूद रहते हैं। साथ ही मेडिकल कॉलेज आवासीय परिसर में भी बंदरों का जमावड़ा है। बाहर गार्डर में भी दिन के समय बंदरों का झुंड मौजूद रहता है। अस्पताल में प्रतिदिन 2000 से ज्यादा मरीज ओपीडी में आते हैं। इसके अलावा करीब 700 मरीज अस्पताल में भर्ती रहते हैं। साथ ही मरीजों के साथ तीमारदार भी मौजूद रहते हैं। इसके अलावा डॉक्टर व अन्य स्टाफ भी है। ये सब बंदरों के जमावड़े से परेशान हैं। एमएस डॉ. अरुण जोशी ने बताया कि बंदरों की समस्या से निजात के लिए वन विभाग से संपर्क किया गया है। उनसे कहा गया है कि बंदरों से मुक्ति दिलाएं क्योंकि अस्पताल में दिक्कत हो रही है। फिलहाल गुलेल व डंडों के सहारे बंदरों को भगाया जा रहा है।

मेडिकल कॉलेज में भी बंदरों का आतंक

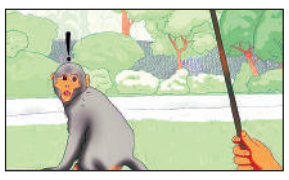

हल्द्वानी : पहले बंदरों का जमावड़ा केवल एसटीएच तक ही था लेकिन अब दिक्कत और बढ़ गई है। बंदरों का झुंड अब मेडिकल कॉलेज की तरफ भी जाने लगा है। यहां पहले से ही लावारिस कुत्तों का आतंक है। लावारिस कुत्ते कई बार लोगों को काट भी चुके हैं। बंदरों के पहुंचने से समस्या और बढ़ रही है

शिक्षा सुधार व बाल संरक्षण की जानकारी दी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : न्याय पंचायत लाखनमंडी के अंतर्गत आने वाले 31 प्राथमिक विद्यालय, 7 जूनियर हाई स्कूल, 2 हाई स्कूल व 3 इंटर कॉलेजों के कुल 43 स्कूलों की विद्यालय प्रबंधन समितियों (एसएमसी) के 258 सदस्यों ने तीन दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभाग किया। इस दौरान उन्हें शिक्षा सुधार व बाल संरक्षण के बारे में महत्वपूर्ण जानकारियां दी गईं।

यह प्रशिक्षण तीन चरणों में आयोजित किया गया, जिसमें पहला प्रशिक्षण कुंवरपुर, दूसरा नवाड़खेड़ा और अंतिम चरण का प्रशिक्षण लाखनमंडी में आयोजित किया गया। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक परियोजना अधिकारी/खंड शिक्षाधिकारी हल्द्वानी तारा सिंह ने औचक निरीक्षण किया।

विद्यालय प्रबंधन समिति के प्रशिक्षण कार्यक्रम में मौजूद सदस्य। ● अमृत विचार

उन्होंने सदस्यों को बालिका शिक्षा को मजबूत करने, विद्यालय संसाधनों के संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और विद्यालय के प्रति समाज में अपनत्व की भावना बढ़ाने पर जोर दिया।

प्रशिक्षण में समग्र शिक्षा अभियान के उद्देश्य व स्वरूप, विद्यालय प्रबंधन समिति का गठन व अधिकार, शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009, बाल अधिकार व बाल संरक्षण, सामुदायिक सहभागिता और सामाजिक सम्परीक्षा, पीएम पोषण योजना में एसएमसी की भूमिका, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा, स्वच्छता व बाल स्वास्थ्य, विद्यालय वित्तीय प्रबंधन व सामग्री खरीदने की प्रक्रिया, साइबर क्राइम, आपदा प्रबंधन और विद्यालय सुरक्षा सहित विभिन्न महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा हुई। इस दौरान मास्टर ट्रेनर के रूप में डिकर सिंह पडियार (सहायक अध्यापक, राजकीय उच्च प्राथमिक विद्यालय बागजाला) और हिमांशु रौतेला (सीआरपी, लाखनमंडी) उपस्थित रहे।

समान शिक्षा के लिए प्रेरित करने की शपथ दी

कार्यक्रम में खंड शिक्षा अधिकारी ने सभी प्रतिभागियों को बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ के लिए शपथ भी दिलाई। जिसमें बेटियों के साथ किसी भी तरह का भेदभाव न करने, बालक-बालिका दोनों को समान शिक्षा के लिए प्रेरित करने, महिलाओं व बालिकाओं के उत्पीड़न के विरुद्ध आवाज उठाने, दहेज प्रथा, कन्या भ्रूण हत्या जैसी कुरीतियों के विरुद्ध समाज को जागरूक करने, 18 वर्ष से कम आयु की बालिकाओं की शादी न होने देने की शपथ दिलाई।

विधायक भगत से मिले गौला श्रमिक

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: गौला क्षेत्र की आजीविका से प्रत्यक्ष रूप से जुड़े हजारों श्रमिकों, ट्राली संचालकों तथा स्थानीय मजदूर परिवारों की समस्याओं को लेकर आज गौला गेट शीशमहल का एक शिष्टमण्डल पूर्व महापौर जोगेंद्र रौतेला के नेतृत्व में विधायक बंशीधर भगत से उनके ऊंचापुल स्थित आवास पर मिला।

प्रतिनिधिमण्डल ने विधायक को बताया कि वर्तमान में प्रशासन द्वारा रेता-बजरी निकासी की मात्रा को कम कर दिया गया है, जिससे आर्थिक संकट पैदा हो गया है। पूर्व में प्रतिदिन 108 कुंतल तक की निकासी होती थी, जिससे हजारों परिवारों की रोजी-रोटी चलती थी। किंतु निकासी कम किए जाने से मजदूरों, ट्राली चालकों, वाहन स्वामियों और नदी क्षेत्र में कार्यरत अन्य कर्मचारियों का रोजगार प्रभावित हो रहा है। प्रतिनिधिमण्डल ने बताया कि गौला पर निर्भर तमाम लोग अपने परिवार की आजीविका, बच्चों की शिक्षा, चिकित्सीय आवश्यकताओं और वाहन की किस्तों को लेकर चिंतित हैं। निकासी कम होने के कारण उन्हें पर्याप्त कार्य उपलब्ध नहीं हो पा रहा, जिसके कारण परिवारों की आर्थिक हालत लगातार बिगड़ती जा रही है। प्रतिनिधिमण्डल ने विधायक भगत को एक ज्ञापन सौंपकर इस निर्णय को जल्द से जल्द वापस लेने तथा निकासी को पूर्व की भांति 108 कुंतल प्रतिदिन बहाल कराने का अनुरोध किया। विधायक भगत ने अधिकारियों से दूरभाष पर वार्ता कर उचित समाधान करने के निर्देश दिए। यहां एनडी तिवारी, रोहित शाह, नीरज फुलारा, विक्की जोशी, सुभाष अधिकारी, हरीश मलकानी, सतीश तिवारी, विक्की तिवारी, पंकज जोशी, उमेश पांडे, संजय बिष्ट, उमेश तिवारी, युगल जोशी, प्रकाश नेगी देवकीनंदन मेलकानी पूरन सतवाल, हेमंत कुमार रहे।

कालाढूंगी विधायक बंशीधर भगत को ज्ञापन सौंपता शिष्टमंडल। ● अमृत विचार

स्कूलों में चहारदीवारी और गेट बनाना जरूरी

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : सभी स्कूल-कॉलेजों को आवारा पशुओं से सुरक्षित करने के लिए उनके परिसर में चहारदीवारी बनाने या घेरबाड़ और गेटयुक्त प्रवेश अनिवार्य किया गया है। इसके साथ ही रेलवे स्टेशन-रोडवेज स्टेशन सहित अन्य संवेदनशील सार्वजनिक परिसरों में भी इसे अनिवार्य किया गया है।

सुप्रीम कोर्ट ने बीते 7 नवंबर को जारी अपने आदेश में कहा है कि सभी सरकारी और निजी स्कूल, कॉलेज, अस्पताल, बस / रेल स्टेशनों व अन्य संवेदनशील सार्वजनिक परिसरों में चहारदीवारी व घेरबाड़ गेटयुक्त प्रवेश अनिवार्य किया जाए, ताकि आवारा कुत्ते या अन्य जानवर परिसर में प्रवेश न कर सकें। स्कूलों में प्रधानाचार्य को इसके लिए नोडल अधिकारी बनाया गया है। परिसर की साफ-सफाई, निरीक्षण व आवारा जानवरों की रोकथाम के लिए नोडल अधिकारी जिम्मेदार होगा। परिसर में आवारा कुत्तों या अन्य जानवरों के पाए जाने पर उन्हें पकड़कर रजिस्टर्ड शेल्टर में भेजना होगा। उल्लेखनीय है कि सार्वजनिक स्थानों पर आवारा कुत्तों की बढ़ती संख्या और रेबीज के मामलों में उछाल को देखते हुए सुप्रीम कोर्ट ने इसे लेकर आदेश जारी किया था। जिला शिक्षाधिकारी प्रारंभिक एचबी चंद ने समस्त उप शिक्षाधिकारियों को स्कूलों में जागरुकता सत्रों का आयोजन करने, आवारा पशुओं के बचाव के लिए जागरुकता सत्रों का आयोजन करने के निर्देश दिए हैं।

बौद्धिक दिव्यांग बच्चों के अधिकारों के लिए रोशनी सोसायटी सम्मानित

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : प्रदेश की रोशनी सोसायटी को राष्ट्रीय अभिभावक बैठक में उत्कृष्ट कार्य करने के लिए डॉ. रीता पेशावरिया मेनन और प्रेमलता पेशावरिया राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया।

बीते 28-30 नवंबर को लखनऊ स्थित राष्ट्रीय बौद्धिक दिव्यांगजन सशक्तिकरण संस्थान और परिवार (देश भर के दिव्यांग बच्चों के अभिभावकों का महासंघ) की ओर से आयोजित राष्ट्रीय अभिभावक बैठक में 25 राज्यों से 350 अभिभावक और उनके संगठन शामिल हुए। कार्यक्रम में प्रदेश की एकमात्र राष्ट्रीय-न्यास पंजीकृत संस्था रोशनी सोसाइटी को उनके दिव्यांग बच्चों के अधिकार, पुनर्वास और अभिभावकों के सशक्तिकरण के क्षेत्र में उत्कृष्ट कार्य के लिए डॉ. रीता पेशावरिया मेनन और प्रेमलता पेशावरिया राष्ट्रीय पुरस्कार दिया गया। इस दौरान सोसाइटी को पुरस्कार स्वरूप प्रशस्तिपत्र और 21 हजार की धनराशि दी गई।

इस मौके पर संस्था के सचिव को परिवार की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का सदस्य भी चुना गया पुरस्कार समारोह में कर्नाटक के राज्यपाल थावर चंद गहलोत, पूर्व केंद्रीय मंत्री, दिव्यांग विभाग मंत्री नरेन्द्र कश्यप, परिवार के राष्ट्रीय अध्यक्ष डा पंकज मारु, मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश कुमार अवस्थी, एनआईईपीआईडी निदेशक सहित रोशनी सोसाइटी की अध्यक्ष शिवानी पाल, उपाध्यक्ष हेमा परगाई, संस्था के सचिव गोविंद मेहरा आदि उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के दौरान रोशनी सोसायटी को सम्मानित करते अति।

तैयारी ग्रामीण जल योजनाओं को मिलेगा नया आधार, ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ती पेयजल मांग को पूरा करने की तैयारी तेज

शहर वासियों को नाबार्ड योजना से मिलेगा नियमित पानी

अच्छी खबर

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार : शहर के विस्तार के साथ-साथ आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में जनसंख्या और शहरीकरण तेजी से बढ़ रहा है, जिसका सीधा असर पेयजल व्यवस्था पर पड़ रहा है। बढ़ती मांग और सीमित संसाधनों को देखते हुए अब जल संस्थान नाबार्ड योजना के तहत इन ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल परियोजनाएं शुरू करने जा रहा है।

जल संस्थान ने 11 गांवों में ओवरहेड टैंक, ट्यूबवेल और नई पेयजल लाइनें बिछाने की तैयारी लगभग पूरी कर ली है। जल संस्थान की तकनीकी टीम इन सभी क्षेत्रों का मैदानी सर्वेक्षण पूरा कर चुकी है, अब विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार की जा रही है।

डीपीआर को मंजूरी मिलते ही निर्माण शुरू कर दिया जाएगा। इस योजना का मुख्य उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में शहरी मानकों के अनुरूप पर्याप्त, स्वच्छ और नियमित जलापूर्ति उपलब्ध कराना है, जिससे आने वाले वर्षों में बढ़ती आबादी की जरूरतों को भी पूरा किया जा सके।

जल संस्थान के ईई रविशंकर लोशाली ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में पेयजल की उपलब्धता को स्थायी और सुचारु बनाने के लिए ओवरहेड टैंक और ट्यूबवेल मुख्य भूमिका निभाएंगे। आवश्यकता के अनुसार नई पाइपलाइन भी बिछाई जाएगी, जिससे हर घर तक पानी की नियमित आपूर्ति सुनिश्चित हो सके।

जलापूर्ति से न केवल स्थानीय निवासियों को राहत मिलेगी, बल्कि भविष्य में कृषि, घरेलू उपयोग और अन्य गतिविधियों पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। ग्रामीणों में भी उम्मीद बढ़ी है कि नई योजनाओं के लागू होने से गर्मी के मौसम में पानी के लिए परेशानी का सामना नहीं करना पड़ेगा। उन्हें नियमित व भरपूर पानी मिल सकेगा।

इन 11 गांवों में बनेंगी नई पेयजल योजनाएं

- लामाचौड़
- नाथुपुर पाड़ली
- हल्दूपोखरा नायक
- बचीपुर
- गुजदौड़ा
- धूनी
- बच्चीनगर
- नाथोपुर
- कुरियागांव
- देवलचौड़ बंदोबस्ती
- बजूनियाहल्दू

दिव्यांगों को मिलेंगे सहायक उपकरण

हल्द्वानी: विश्व दिव्यांग दिवस के अवसर पर आज (बुधवार) को एमबीपीजी में समाज कल्याण विभाग की ओर से कार्यक्रमों का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में दिव्यांगजन को सहायक उपकरण दिए जाएंगे।

इसके लिए सक्षम संस्था की ओर से विशेष शिविर लगाया जाएगा, जिला समाज कल्याण अधिकारी विश्वनाथ गौतम ने बताया कि आयोजन के लिए संबंधित विभागों को दायित्व सौंप दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य सभी दिव्यांगजनों तक सहायता पहुंचाना और उनके जीवन को सुगम बनाना है। कार्यक्रम में उत्कृष्ट कार्य करने वाले दिव्यांग कर्मचारी, खिलाड़ी, कलाकार व दत्तक अधिकारी को राज्य स्तरीय पुरस्कार दिए जाएंगे।

अंडर-14 क्रिकेट लीग में काठगोदाम की जीत

संवाददाता, हल्द्वानी

अमृत विचार: अंडर-14 जिला क्रिकेट लीग में बुधवार को जीएनजी क्रिकेट ग्राउंड में खेले गए मैच में काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी ने तन्मय क्रिकेट अकादमी को 8 विकेट से हराकर जीत दर्ज की। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए तन्मय क्रिकेट अकादमी की टीम 42वें ओवर में 229 रन बनाकर ऑल आउट हो गई।

टीम की ओर से हर्षित धामी ने 52, चिराग ने 42 और चंद्रभान ने 41 रन की पारी खेली। काठगोदाम की ओर से सार्थक ने 3 विकेट, जबकि शुभान अकरम और चित्रांश ने 2-2 विकेट झटके। लक्ष्य का पीछा करने उतरी काठगोदाम स्पोर्ट्स अकादमी की टीम ने शानदार बल्लेबाजी का प्रदर्शन किया और 33वें ओवर में ही 2 विकेट के नुकसान पर 230 रन बनाकर मैच पर कब्जा जमा लिया। टीम की जीत में देवराज ने 70 रनों की बेहतरीन पारी खेली, जबकि यश अनेरिया ने 54 और मेहुल गोस्वामी ने 48 रन बनाए। देवराज को मैन ऑफ द मैच चुना गया। मैच में अंपायर की भूमिका भूपेश और कुशाग्र ने निभाई तथा स्कोरर हरप्रीत सिंह कंबोज रहे। यहां जिला नैनीताल क्रिकेट एसोसिएशन के कोषाध्यक्ष कमल पपने, आनंद बिष्ट, किशन अनेरिया, निश्चल जोशी, मनोज भट्ट, नरेंद्र रहे।

अमृत विचार

हल्द्वानी , बुधवार, 3 दिसंबर 2025

सिटी ब्रीफ

हॉस्टल में पढ़ने वाले गरीब बच्चों को बांटे गर्म कपड़े

काशीपुर : उर्वशी दत्त बाली ने यूएसआर इंदू शिक्षण संस्थान के 50 गरीब बच्चों को गर्म कपड़े वितरित किए। मंगलवार को पापा बेकर्स की ओर से बच्चों को विशेष कुकिंग क्लास दी गई। बच्चों ने कहा कि हम यहां लड़ाई करने नहीं आए, अपना जीवन बनाने आए हैं। डॉ. रवि सहोता, प्रेसिडेंट रोटरी क्लब ऑफ कार्बेट काशीपुर और अमन सहोता ने बच्चों के स्किल डेवलपमेंट के लिए एक लाख का सामान प्रदान किया। उन्होंने कहा कि वे भी हमेशा बच्चों के साथ खड़े रहेंगे। ममता सिंह अपनी चार फौजी बहनों के साथ बच्चों से मिलीं और कहा कि वे अपनी पूरी क्षमता के साथ इन बच्चों की मदद करती रहेंगी। उर्वशी दत्त बाली ने कहा कि इन बच्चों को शिक्षा के अलावा स्किल ओर स्किल सीखने के सामान की जरूरत है।

बाबा भारामल मंदिर में अखंड पाठ और भंडारा

खटीमा : सुरई रेंज के घने जंगल के बीच स्थित बाबा भारामल पर दत्तात्रेय जयंती के अवसर पर चार दिवसीय कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। यह जानकारी देते हुए महंत रणधीर गिरी और रामगिरी ने बताया कि तीन दिसंबर को प्रात: आठ बजे अखंड रामायण पाठ शुरू होगा जिसका समापन चार दिसंबर को सुबह होगा। यह भी कहा कि पांच दिसंबर को हवन पूजन और दोपहर में भव्य भंडारा आयोजित किया गया है जबकि छह दिसंबर को 12 बजे कढ़ी भात के भंडारे का आयोजन होगा। कार्यक्रम रामायण व्यास पंडित सदानन्द जोशी सुदामा की देखरेख में होगा।

बाल श्रमिक रखे जाने पर गट्टू मल स्वीट हाउस के मालिक पर मुकदमा

किच्छा : लालपुर क्षेत्र में श्रम प्रवर्तन विभाग ने औचक कार्रवाई करते हुए गट्टू मल स्वीट हाउस पर एक बाल श्रमिक को काम करते हुए रंगे हाथ पकड़ा है। श्रम प्रवर्तन अधिकारी विपिन कुमार के नेतृत्व में हुई छापामार कार्रवाई के बाद, प्रतिष्ठान स्वामी के खिलाफ बाल श्रम निषेध नियमों के उल्लंघन के तहत मुकदमा (एफआईआर) दर्ज किया गया है। मामले की जांच लालपुर चौकी प्रभारी उप निरीक्षक बसंत प्रसाद को सौंपी गई है। श्रम अधिकारी विपिन कुमार ने सख्त चेतावनी दी है कि क्षेत्र में बाल श्रम के विरुद्ध निरंतर अभियान जारी रहेगा ।

अवैध शराब के साथ तीन गिरफ्तार

खटीमा : पुलिस ने गश्त के दौरान सोमवार देर शाम कच्ची शराब के साथ पति-पत्नी समेत तीन लोगों को गिरफ्तार किया। जिसमें आवास विकास वार्ड नंबर 16 निवासी चंद्रदेव कुमार को 33 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया। वहीं पुलिस टीम ने सुजिया महोलिया निवासी अजय सिंह राणा को 30 पाउच और उसकी पत्नी आयुषी राणा को 26 पाउच कच्ची शराब के साथ गिरफ्तार किया।

विदेश भेजने के नाम पर हड़पे एक लाख

पांच पीड़ितों ने एजेंट के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपी, पुलिस कर रही मामले की जांच

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: विदेश भेजने के नाम पर एक एजेंट ने पांच लोगों से एक लाख 33 हजार रुपये हड़प लिये। पीड़ितों ने एजेंट के खिलाफ पुलिस को तहरीर सौंपकर जांच की मांग की है।

मोहल्ला थाना साबिक सुनहरी मस्जिद के पास निवासी अनवार हुसैन ने बांसफोड़ान पुलिस चौकी में तहरीर सौंपी। इसमें बताया कि शादाब निवासी सुन्नी तारा मस्जिद के पास महेशपुरा, मोहम्मद जुनैद व अन्नू निवासी मोहल्ला थाना साबिक व नबी जान निवासी मंझरा रोड के निवासी हैं। इन लोगों ने सरवरखेड़ा निवासी एक एजेंट से लगभग महीने पहले संपर्क साधा। उसने सभी को भरोसा दिलाया कि वह उनके सऊदी अरब (जद्दा) भेजकर होटल में वेटर की नौकरी दिलवा देगा। जिसके बदले उनको मासिक वेतन 1600 रियाल प्रत्येक महीने मिलेगा। तब उन लोगों ने उसको एक लाख 33 हजार रुपये नकद दे दिए थे। आरोप लगाया कि उस एजेंट ने रुपये लेने के बावजूद पांचों को अब तक विदेश नहीं भेजा और न ही रुपये वापस किए। जब वह लोग उससे तकादा किया तो वह टालमटोल करने लगा। बताया वह अपने रुपये लेने एजेंट के घर गए, लेकिन वह घर पर मिला नहीं, न ही उन लोगों का फोन रिसीव किया। पीड़ितों ने बताया कि विदेश जाने के संबंध में तमाम कागजात तैयार करने में उन लोगों के लगभग 40 हजार रुपये अतिरिक्त खर्च हो चुके हैं। साथ ही बताया कि उक्त एजेंट ने एग्रीमेंट बनवाया था वह अब उसका भी उल्लंघन कर रहा है। पीड़ितों ने पुलिस में तहरीर सौंपकर आरोपी एजेंट के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

पॉक्सो का खौफ दिखाकर हड़पे 50 हजार रुपये

रुद्रपुर : पॉक्सो का खौफ दिखाकर एक महिला से हजारों रुपये हड़पने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भगत सिंह चौक रुद्रपुर निवासी सरोज डोगरा ने बताया कि 29 नवंबर को उसके मोबाइल पर एक कॉल आयी। कॉलर द्वारा खुद को दिल्ली पुलिस स्टेशन का अधिकारी बता रहा था। बताया कि तुम्हारे बेटे ने अधिवक्ता की बेटी के साथ रेप कर दिया है। जिसमें तुम्हारे बेटे के अलावा तीन दोस्त भी हैं और सभी को आठ साल की सजा सुनाई गई है। शिकायतकर्ता का यह भी कहना था कि कॉलर ने यह भी कहा कि यदि बेटे को जेल जाने से बचाना चाहती हो तो तत्काल मामला रफा दफा कर लो। जिसके लिए दो लाख रुपये रेप पीड़िता को दिए जाएंगे। उन्होंने बताया कि कई बार कॉल आई और पुलिसिया रौब के आगे महिला घबरा गई और आनन फानन में खाते में 50 हजार रुपये का भुगतान कर दिया। बार-बार पैसे देने का दबाव और खाते में पैसा नहीं होने के बाद महिला न्यायालय पहुंची और परिचित महिला अधिवक्ता को आपबीती बताई। जब महिला अधिवक्ता ने साइबर ठगी की जानकारी दी तो कॉलर का फोन बंद आने लगा और बेटे से बातचीत करने के दौरान मामला झूठा निकला। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

ड्राई फ्रूट्स की आड़ में 57 हजार की साइबर ठगी

रुद्रपुर : ड्राई फ्रूट्स की डिलीवरी का झांसा देकर हजारों की साइबर ठगी किए जाने का मामला सामने आया है। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। भूमि परीक्षण प्रयोगशाला आवास में रहने वाले भगवान दास ने बताया कि 19 नवंबर को उसे मोबाइल पर एक अज्ञात व्यक्ति की कॉल आयी। कॉलर ने बोला कि साहब आपको ड्राई फ्रूट्स की डिलीवरी भिजवाई जा रही है। आप जल्द यूपीआई के माध्यम से आधा भुगतान करें और शेष डिलीवरी होने के बाद भुगतान होगी। जब फोन पे से 1080 रुपये का भुगतान हुआ तो पुन: कॉलर की कॉल आयी और पूरा भुगतान करने की बात करते हुए धनराशि वापस कर देता है और फिर ओटीपी व कोड की जानकारी लेता है। थोड़ी देर बाद देखा कि खाते से 57141 रुपये भुगतान का मैसेज आता है तो साइबर ठगी का एहसास हुआ। साइबर क्राइम पुलिस स्टेशन ने तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

किशोरी को भगा ले गया युवक

किच्छा: कोतवाली अंतर्गत वार्ड में युवक द्वारा किशोरी को बहला फुसलाकर कर भगाने का मामला प्रकाश में आया है। लापता किशोरी के परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ अभियोग पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी। तत्परता दिखाते हुए पुलिस ने सूचना के आधार पर आरोपी युवक तथा किशोरी को हिरासत में ले लिया। फिलहाल पुलिस ने आरोपी के खिलाफ संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपी को न्यायालय में पेश करने की कार्रवाई शुरू कर दी है।

कोतवाली अंतर्गत वार्ड निवासी पीड़िता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि एक युवक उसकी नाबालिग पुत्री को बहला फुसलाकर अपने साथ भगा ले गया है। काफी खोजबीन के बाद भी किशोरी का कोई सुराग नहीं लगा है। परिजनों ने अनहोनी की आशंका जाहिर करते हुए पुत्री को जल्द से जल्द सकुशल बरामद करने की कोतवाली पुलिस से गुहार लगाई।

पुलिस ने किशोरी के लापता होने के मामले को गंभीरता से लेते हुए किशोरी की तलाश शुरू कर दी। विवेचना करते हुए उपनिरीक्षक रिनी चौहान ने सूचना के आधार पर दबिश देकर आरोपी युवक तथा नाबालिग किशोरी को सुरक्षित बरामद कर लिया।

कौशल प्रशिक्षण के बाद 106 महिलाओं का चयन

रुद्रपुर में चयनित छात्राओं व महिलाओं को नियुक्ति पत्र देते संस्था के पदाधिकारी।

संवाददाता, रुद्रपुर

- सेंटम फाउंडेशन व महिंद्रा ने चलाई थी मुहिम, नामी गिरामी कंपनियों में हुआ है चयन

अमृत विचार: सेंटम फाउंडेशन और महिंद्रा की सीएसआर टीम द्वारा संचालित रोजगारपरक कौशल प्रशिक्षण कार्यक्रम के तहत 106 छात्राओं का चयन देश की नामी गिरामी कंपनियों में हुआ है। इस दौरान चयनित छात्राओं को नियुक्त पत्र देकर उज्ज्वल भविष्य की कामना की गई।

कार्यक्रम के संयोजक और कंपनी के प्लांट हेड धर्मेंद्र व ईआरडी हेड रमन कुमार ने बताया कि महिंद्रा प्लाट द्वारा रुद्रपुर के एसएसडी स्कूल में कौशल प्रशिक्षण दिया गया था। जिसमें 18 से 35 वर्ष की छात्रा एवं महिलाओं ने कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार का सृजन किया था। प्रशिक्षण के बाद देश की नामी गिरामी 106 कंपनियों में छात्राओं और महिलाओं का चयन किया गया। उन्होंने बताया कि सेंटम फाउंडेशन एवं महिंद्रा एंड महिंद्रा द्वारा संचालित सीएसआर कार्यक्रम का सीधा लाभ समाज को मिले और युवतियों में कौशल विकास के साथ सुरक्षित रोजगार भी मिले। यही संस्था का उद्देश्य भी है। उन्होंने कहा कि आगे भी संस्था महिलाओं को स्वावलंबी बनाने की दिशा में कार्य करती रहेगी।

काशीपुर में रैली निकालतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

विश्व एड्स दिवस पर निकाली जागरूकता रैली

काशीपुर : चंद्रावती तिवारी कन्या स्नातकोत्तर महाविद्यालय की राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई के स्वयंसेवियों ने सोमवार को विश्व एड्स दिवस पर जागरुकता रैली निकाली। जागरुकता रैली महाविद्यालय से शुरू होकर सत्येंद्र चंद्र गुड़िया मार्ग एवं पोस्ट ऑफिस से मुख्य बाजार होते हुए महाविद्यालय पहुंची। संगोष्ठी के तहत एड्स से संबंधित डॉक्यूमेंट्री द्वारा स्वयं सेवियों को एड्स के कारण, लक्षण और उपचार की विस्तृत जानकारी दी। इस मौके पर कार्यक्रम अधिकारी डॉ. वंदना सिंह, डॉ. गीता मेहरा, असि. प्रो. डॉ. दीपा चन्याल, डॉ.अंजलि गोस्वामी, डॉ. मंगला, डॉ. रंजना, डॉ. ज्योति गोयल, डॉ. ज्योति रावत एवं सृष्टि सिंह आदि मौजूद रहे।

टेंपो चालकों के लिए रूट तय किए

संवाददाता, बाजपुर

अमृत विचार: शहर की बिगड़ती यातायात व्यवस्था को पटरी पर लाने और अपराध नियंत्रण में पुलिस को सहयोग देने के उद्देश्य से कोतवाली परिसर में मंगलवार को कोतवाल नरेश चौहान की अध्यक्षता में स्थानीय नागरिकों, व्यापार मंडल पदाधिकारियों एवं व्यापारियों की बैठक आयोजित हुई। बैठक में शहर में लागू यातायात नियमों का कड़ाई से पालन कराने के साथ-साथ अतिक्रमण हटाओ अभियान को लेकर महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

कोतवाल नरेश चौहान ने स्पष्ट किया कि नो पार्किंग जोन में किसी भी स्थिति में वाहन खड़ा नहीं किया जाएगा। ई-रिक्शा और टेंपो चालकों के लिए निश्चित रूट और स्टापेज तय किए गए। वहीं फुटपाथ तक सामान फैलाकर बैठने वाले व्यापारियों को रविवार तक अपना सामान सीमित दायरे में समेटने का समय दिया गया है। इसके बाद आठ दिसंबर से सरकारी नाले तक अतिक्रमण हटाओ अभियान चलाया जाएगा। बैठक के दौरान व्यापारियों से सुझाव भी लिए गए। टेंपो यूनियन के साथ हुई वार्ता में तय किया गया कि दोराहा से आने वाले टेंपो चालक शहर में करतार सिंह पेट्रोल पंप के पास ही सवारियां उतारेंगे। इस दौरान एसएसआई जसविंदर सिंह, व्यापार मंडल जिलाध्यक्ष सत्यवान गर्ग, नगराध्यक्ष गणेश राय खुल्लर, ललित कोच्छड़, बलवीर सिंह साबू, उशांत सब्बरवाल, बहादुर भंडारी, सीताराम तिवारी, जगतजीत सिंह, लियाकत अली, सिंह स्वरूप भारती, बाबी कोच्छड़, बंटी ठक्कर, तौकीर अहमद, मो. नफीस, संजय रूहेला, राजू चंद्रा, लईक अहमद, धर्मेंद्र सिंह, जुल्फकार, विशाल सिंह आदि मौजूद रहे।

बाजपुर कोतवाली में व्यापारियों के साथ बैठक करते कोतवाल नरेश चौहान।

राजा महेंद्र प्रताप की जयंती पर दी श्रद्धांजलि

संवाददाता, काशीपुर

अमृत विचार: राजा महेंद्र प्रताप की जयंती पर जाट समाज ने जाट भवन में सार्वजनिक रूप से श्रद्धांजलि दी। साथ ही अखिल भारतीय जाट एकता एसोसिएशन का गठन होने पर पांचवां वार्षिक उत्सव मनाया गया।

मंगलवार को आयोजित कार्यक्रम में वक्ताओं ने राजा महेंद्र प्रताप सिंह के जीवन पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वह महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, पत्रकार और क्रांतिकारी थे। जिनका जन्म हाथरस, उत्तर प्रदेश में हुआ था। वे आर्यन पेशवा के नाम से भी जाने जाते थे और उन्होंने प्रथम विश्व युद्ध के दौरान 1915 में काबुल में भारत की पहली निर्वासित सरकार की स्थापना की, जिसके वे स्वयं अध्यक्ष बने। उन्होंने देश भर में शिक्षा और समाज सुधार के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, जिसमें मथुरा के वृंदावन में प्रेम महाविद्यालय की स्थापना भी शामिल है। इस मौके पर कार्यक्रम अध्यक्ष चौधरी सत्यपाल सिंह आर्य एवं कार्यक्रम के व्यवस्थापक चौधरी यशवीर सिंह राठी प्रदेश अध्यक्ष उत्तराखंड तथा मुख्य प्रतिभागी चौधरी खिलेंद्र सिंह, सुभाष सिंह, अरविंद राणा, भीम सिंह, समरपाल सिंह, वेदपाल सिंह, जगत सिंह, कार्यक्रम संचालक अंबीक चौधरी, राहुल राठी, अनिल सिंह, संदीप सिंह, रजत सिद्धू, बबलू चौधरी, सत्येंद्र राठी, रणधीर सिंह, सूरज पाल सिंह, कुंवर पाल सिंह मौजूद रहे।

डॉ.नारायण चुने गए महासचिव

- बंगाली कल्याण समिति की कार्यकारिणी का विस्तार

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: बंगाली कल्याण समिति की कार्यकारिणी का विस्तार हो गया है। इसमें प्रदेश से लेकर क्षेत्रीय स्तर तक कई महत्वपूर्ण पदों पर नियुक्तियां की गई हैं। समिति ने विश्वास व्यक्त किया कि नई टीम समाज के उत्थान, सामुदायिक एकता और कल्याणकारी गतिविधियों को नई गति प्रदान करेगी।

पत्रकारों को जानकारी देते हुए समिति के प्रदेश अध्यक्ष दिलीप अधिकारी ने बताया कि नवगठित टीम में वरिष्ठ उपाध्यक्ष अधिवक्ता प्रियजीत राय को नियुक्त किया गया है। इसी तरह महासचिव पद पर डॉ.नारायण चंद्र हालदार, प्रदेश मंत्री पद पर डॉ. सुमित राय, उत्तम आचार्य, काजल राय और गोविंद राय को नियुक्त किया गया। संगठन सचिव की जिम्मेदारी भास्कर मंडल, उप सचिव की अभिमन्यु साना कोषाध्यक्ष पद की जिम्मेदारी संजीत खान दी गयी है।

क्षेत्रीय स्तर पर विजय सिकदार, पानू सरकार, मानवेंद्र राय और सुरंजन राय को क्षेत्रीय उपाध्यक्ष, प्रदीप शाह को ऑडिटर, प्रदेश प्रवक्ता शिव पद सरकार, प्रदेश मीडिया प्रभारी सत्यजीत सरकार और मीडिया प्रभारी प्रकाश अधिकारी को नियुक्त किया गया। सोशल मीडिया विंग में क्षेत्रीय प्रभारी की भूमिका विकास विश्वास, राजू मल्लिक, रोहित गोलदार और राज चक्रवर्ती निभाएंगे।

पत्रकारों को जानकारी देते बंगाली कल्याण समिति के प्रदेश अध्यक्ष। ● अमृत विचार

गोकशी के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विहिप का धरना

सितारगंज : गोकशी के आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर विश्व हिंदू परिषद के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को कोतवाली सितारगंज के गेट पर धरना दिया। विश्व हिंदू परिषद के प्रखंड अध्यक्ष अजय भगत ने बताया कि सोमवार को वार्ड नंबर 12 में एक विशेष समुदाय का व्यक्ति बाइक से गोवंशीय पशु का मांस बेच रहा था। सूचना पर गौसंरक्षण स्वयंसेवी की टीम ने कार्रवाई कर मौके से 4 किलो गोवंशीय मांस बरामद किया। जबकि आरोपी बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गया। बताया कि पुलिस ने आरोपी की शिनाख्त कर उसके खिलाफ प्राथमिकी भी दर्ज की है। लेकिन अब तक आरोपी की गिरफ्तारी नहीं की गई। उन्होंने चेताया कि यदि पुलिस 24 घंटे के भीतर कार्रवाई कर आरोपी की गिरफ्तारी नहीं करती है तो वह प्रदेश के विहिप कार्यकर्ताओं के साथ धरना प्रदर्शन करने को बाध्य होंगे।

स्काउट-गाइड समागम का आगाज

संवाददाता, शांतिपुरी

अमृत विचार: शांतिपुरी के सार्वजनिक खेल मैदान में मंगलवार को हिंदुस्तान स्काउट एवं गाइड उत्तराखंड द्वारा कुमाऊं मंडल स्तरीय तीन दिवसीय स्काउट-गाइड समागम 2025 का भव्य शुभारंभ हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि लालकुआं विधायक मोहन सिंह बिष्ट द्वारा ध्वजारोहण एवं एडीएम पंकज कुमार उपाध्याय द्वारा फीता काटकर की गई।

प्रादेशिक संगठन आयुक्त हिमांशु सक्सेना ने बताया कि इस समागम में रामनगर, पंतनगर, रुद्रपुर, काशीपुर, नैनीताल, हल्द्वानी, लालकुआं, किच्छा, खटीमा, गदरपुर, बाजपुर, चंपावत आदि क्षेत्रों के विद्यालयों से प्रतिभागी शामिल हुए हैं। ये सभी छात्र-छात्राएं पिछले चार वर्षों से स्काउट-गाइड का प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं और इस बार 'गुरु पद समागम' के माध्यम से अपनी दक्षताओं को प्रदर्शित करेंगे। सहायक प्रादेशिक संगठन कमिश्नर अल्का मिश्रा ने बताया कि शिविर में बच्चों को गांठें-बंधन, टेंट पिचिंग, आपदा प्रबंधन, ध्वजारोहण तकनीक, आपातकालीन बचाव, साहसिक गतिविधियां व कैंप फायर जैसी प्रमुख गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। तीन दिवसीय शिविर में वैभव गौड़, अंकुर श्रीवास्तव एवं वैभव सक्सेना शिविर प्रभारी की भूमिका निभा रहे हैं। कार्यक्रम में प्रियंका तिवारी मौजूद रहीं।

सांस्कृतिक कार्यक्रम पेश करतीं छात्राएं। ● अमृत विचार

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9532374039 8077909468

सूचना (सम्बन्ध विच्छेद)

मैंने अपने बालिग पुत्र ललित कुमार गंगवार एवं सौरभ कुमार गंगवार को उनकी गलत संगत व परिजनों से दुर्व्यवहार के चलते अपनी चल-अचल संपत्ति से बेदखल कर संबंध विच्छेद कर लिया है। भविष्य में ललित एवं सौरभ के किसी कृत्य व लेन देन से मेरा कोई सरोकार नहीं होगा। **वीर सिंह पुत्र उमराव लाल, वार्ड 4/10, किच्छा, उधम सिंह नगर।**

सूचना

मेरा हाई स्कूल अंक पत्र व प्रमाण पत्र अनुक्रमांक नम्बर 20119623 एवं इण्टर मीडिएट अंक पत्र व प्रमाण पत्र अनुक्रमांक नम्बर 22490844 वास्तव में खो गया है जो काफी खोजबीन के बाद भी नही मिला। **कु० संगीता जोशी पुत्री स्व० दिनेश जोशी, निवासी इंद्रानगर 1, बिन्दुखत्ता, जिला नैनीताल।**

सूचना

मेरे सैन्य अभिलेखों में मेरी माता का नाम भूलवश हीरा देवी गलत दर्ज हुआ हैं। मैं सही नाम उजाली देवी UJALI DEVI जन्मतिथि 01/01/1942 दर्ज कराना चाहता हूं। **आर्मी N O - 2501694M W/O राम बहादुर पुत्र पान बहादुर, निवासी- हिल व्यू कॉलोनी कंजाबाग, उमरुखुर्द, खटीमा, उधम सिंह नगर**

हर्ष | इंडियन नेवल एकेडमी केरल में हुई पासिंग आउट परेड, माता-पिता व बहन पहुंचे कार्यक्रम में

नौसेना में सब लेफ्टिनेंट बने अजय सिंह राणा

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: अजय सिंह राणा भारतीय नौ सेना में पासिंग आउट के बाद सब लेफ्टिनेंट बन चुके हैं। अजय सिंह राणा 30 दिसंबर 2024 को एसएसबी परीक्षा पास कर भोपाल में भर्ती हुए थे। उन्होंने इंडियन नेवल एकेडमी केरल में ऑफिसर ट्रेनिंग (प्रशिक्षण) प्राप्त कर 29 नवंबर को पासिंग आउट परेड में शामिल हुए। इस दौरान माता दीपा राणा, पिता गंगा सिंह राणा व दीदी खुशबू राणा पासिंग आउट परेड कार्यक्रम में शामिल हुए। सबलेफ्टिनेंट अजय सिंह राणा की पहली पोस्टिंग कोची (केरला) में मिली है।

सब लेफ्टिनेंट अजय सिंह राणा को देश की सेवा करने का जज्बा विरासत में मिला है। उनके परदादा पूर्व सैनिक पान सिंह राणा ब्रिटेन आर्मी में थे। उन्होंने 1948 में पाकिस्तान व 1962 में चीन का युद्ध लड़ा था। उनके दादा पूर्व सैनिक आनंद सिंह राणा बंगाल इंजीनियरिंग रुड़की में भर्ती होकर देश की सेवा की। उनके पिता पूर्व सैनिक गंगा सिंह राणा ब्रिगेड आफ गार्ड्स में 17 साल की सेवा देने के बाद सेवानिवृत होकर अपने गांव तिलपुरी नंबर-दो में रहने लगे। राणा परिवार का पैतृक गांव- विरला, मुनस्यारी जिला पिथौरागढ़ है। दादा पूर्व सैनिक आन सिंह राणा व पिता पूर्व सैनिक गंगा सिंह राणा एवं माता दीपा राणा (गृहणी) ने अजय सिंह राणा की शिक्षा केंद्रीय विद्यालय हल्द्वानी के बाद बिरला इंस्टिट्यूट भीमताल से बीटेक करवाया था। सबलेफ्टिनेंट अजय सिंह राणा ने अपनी उपलब्धि का श्रेय माता-पिता व गुरुजनों को दिया। उन्होंने क्षेत्र के युवाओं से आह्वान किया कि शिक्षण के दौरान पढ़ाई व अन्य सभी बातें अपने माता-पिता से साझा करनी चाहिए। नशा व गलत संगत से बचकर रहते हुए आगे बढ़ना चाहिए। अजय सिंह राणा के सब लेफ्टिनेंट बनने पर परिजनों व पूर्व सैनिकों एवं सामाजिक संगठनों के हर्ष व्यक्त कर बधाई दी।

पासिंग आउट परेड के बाद माता-पिता व बहन के साथ सब लेफ्टिनेंट राणा।

पूर्व सैनिकों ने किया राणा का स्वागत

संवाददाता, दिनेशपुर

अमृत विचार: भारतीय नौ सेना के सब लेफ्टिनेंट अजय सिंह राणा के पहली बार घर आने पर पूर्व सैनिकों, सामाजिक संगठनों से जुड़े लोगों, व्यापारियों व ग्रामीणों ने स्वागत किया। रामलीला मैदान चक्कीमोड़ से उनके निवास तिलपुरी नंबर- दो तक बैंड- बाजों व आतिशबाजी करते हुए पहुंचे। इस दौरान व्यापारियों व ग्रामीणों ने जगह-जगह पुष्प वर्षा कर नौ सेना अधिकारी अजय सिंह राणा का स्वागत किया।

सोमवार की देर शाम रामलीला मैदान चक्कीमोड़ में गौरव सेनानी वीरनारी उत्थान समिति गदरपुर ब्लॉक अध्यक्ष पूर्व कैप्टन धन सिंह कोरंगा के नेतृत्व में पूर्व सैनिक, सामाजिक संगठन से जुड़े लोग, व्यापारी व ग्रामीण एकत्रित हुए। इस दौरान भारतीय नौ सेना के सबलेफ्टिनेंट अजय सिंह राणा को फूल मालाएं पहनाकर जोरदार स्वागत किया। इस मौके पर वरिष्ठ भाजपा नेता मोहन सिंह पानू, पूर्व सूबेदार मेजर खड़क सिंह कार्की, समाजसेवी हीरा जंगपांगी रौतेला, पूर्व सूबेदार मेजर नंदन सिंह कोश्यारी, जिला महामंत्री रमेश कन्याल, मीडिया प्रभारी कैलाश पाठक, सेना मेडल गोविंद सिंह चौहान, पूर्व प्रधान दयान सिंह राणा, उपप्रधान गोपाल सिंह ठठोला, भगत सिंह धर्मशक्तू, पूर्व सूबेदार भगवत सिंह पांगती, देव सिंह धर्मशक्तू, पूर्व सूबेदार भुपाल सिंह कोरंगा, महेंद्र सिंह पपोला, राजेंद्र सिंह पानू, विक्रम सिंह रावत, दान सिंह बड़ती, राजेंद्र सिंह रावत, खुशाल सिंह बोरा, दान सिंह कार्की आदि मौजूद रहे।

दिनेशपुर में सब लेफ्टिनेंट अजय सिंह राणा का स्वागत करते पूर्व सैनिक।

ब्रीफ न्यूज

रेलवे ट्रैक पर पड़ा मिला अज्ञात शव

रुद्रपुर : थाना पंतनगर इलाके के रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने घटनास्थल का मौका मुआयना किया और हत्या या फिर हादसा की दिशा में अपनी तफ्तीश शुरू कर दी है। मंगलवार की सुबह थाना पंतनगर पुलिस को सूचना मिली कि छतरपुर रेलवे ट्रैक किनारे एक 35 वर्षीय युवक का शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत घटनास्थल पहुंचे और शिनाख्त का प्रयास किया। मृतक के शरीर पर चोट के निशान थे और शरीर में रगड़ साफ दिख रहे थे। साथ ही अज्ञात शव की शिनाख्त हो सके। इसका भी कोई प्रमाण नहीं मिला। जिसके बाद पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। हादसा या हत्या की दिशा में पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। उधर, थानाध्यक्ष नंदन सिंह रावत ने बताया कि प्रारंभिक पड़ताल में यह संभावना है कि शायद अज्ञात युवक चलती ट्रेन से गिर गया होगा। उन्होंने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में भी मौत के कारणों का पता चल सकेगा।

बाजपुर में आयोजित तहसील दिवस में जन समस्याएं सुनतीं एसडीएम डॉ. अमृता शर्मा।

तहसील दिवस में उठीं राशन कार्ड की समस्याएं

बाजपुर : तहसील सभागार में मंगलवार को आयोजित तहसील दिवस में एसडीएम डॉ.अमृता शर्मा ने विभिन्न ग्रामों से पहुंचे लोगों की समस्याएं सुनीं। भूमि प्रकरण, अतिक्रमण, जाति तस्दीक, राशन कार्ड सहित विभिन्न विषयों से संबंधित छह प्रार्थनापत्र प्राप्त हुए, जिनमें से अधिकांश मामलों का निस्तारण मौके पर ही कर दिया गया। शेष प्रकरणों को संबंधित विभागों को हस्तगत कर निर्धारित समयसीमा में समाधान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। एसडीएम डॉ.अमृता ने अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए कि जन-समस्याओं का निस्तारण सर्वोच्च प्राथमिकता पर किया जाए। तहसील दिवस में ग्राम बाजावाला निवासी हरजिंदर सिंह ने भूमि का नक्शा निकालने, ग्राम रेंहटा निवासी सुच्चा सिंह ने भूमि पर कब्जा दिलवाने, गजरौला निवासी तिलक चंद्र ने जाति तस्दीक करवाने, मुड़िया कलां निवासी धर्मपाल बंसल ने सार्वजनिक रास्ते से अतिक्रमण हटवाने तथा बन्नाखेड़ा निवासी ललिता ने राशन कार्ड में नाम जोड़ने की मांग रखी। कार्यक्रम में राजस्व निरीक्षक धनेश शर्मा, मंडी सचिव कैलरा चंद्र शर्मा, ईओ नगरपालिका मनोज कुमार दास, ईओ सुल्तानपुर पट्टी गीता चौधरी, सहायक समाज कल्याण अधिकारी नगमा परवीन आदि मौजूद रहे।

ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना लेकर चीनी मिल जा रहे किसान के बेटे को पीटा

बाजपुर : ट्रैक्टर-ट्रॉली में गन्ना लेकर चीनी मिल जा रहे बेटे को रास्ते में घेरकर मारपीट करने का आरोप लगा एक किसान ने चार युवकों के विरुद्ध कोतवाली में नामजद तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। ग्राम विक्रमपुर निवासी जयपाल सिंह ने पुलिस को बताया कि उनका बेटा बॉबी सिंह एक दिसंबर की सायं करीब साढ़े चार बजे गन्ने से भरी ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर बाजपुर शुगर मिल जा रहा था। आरोप है कि जब वह ग्राम नंदपुर नरकाटोपा के पास पहुंचा, तो चार अज्ञात व्यक्तियों ने उसकी ट्रॉली को रोक लिया और इन लोगों ने गाली-गलौज करते हुए बॉबी को ट्रैक्टर से नीचे घसीटकर गिरा दिया। इसके बाद लाठी-डंडों आदि से हमला कर दिया। शोर-शराबा सुनकर पहुंचे राहगीरों को देखकर हमलावर जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए। वहीं खबर लिखे जाने तक मामला दर्ज नहीं हुआ था, अलबत्ता पुलिस ने नामजद चारों आरोपियों को पूछताछ के लिए कोतवाली में बैठा लिया है। इधर कुछ गणमान्य व्यक्ति दोनों पक्षों में आपसी समझौते के प्रयास में जुटे थे।

सड़क किनारे बेहोश मिले व्यक्ति की मौत

काशीपुर : एक व्यक्ति बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। उसे सरकारी अस्पताल इलाज के लिया गया। लेकिन चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। एसएसआई केसी आर्या ने बताया कि मंगलवार को 55 वर्षीय एक अज्ञात व्यक्ति बेहोशी की हालत में कलियावाला रोड जसपुर में पड़ा होने की सूचना मिली थी। सूचना पर पहुंची 108 एंबुलेंस से उसको जसपुर के सरकारी अस्पताल में लाया गया। जहां से डॉक्टर ने एलडी भट्ट उप जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया। यहां पर उक्त व्यक्ति को लाने पर डॉक्टर ने परीक्षण करके उसको मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया शव को शिनाख्त के लिए मोर्चरी में रखवा दिया है।

तेंदुए की आवाजाही बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत

बाजपुर : विकासखंड क्षेत्र के ग्राम पिपलिया में पिछले कई दिनों से वन्य जीव तेंदुए की आवाजाही बढ़ने से ग्रामीणों में दहशत का माहौल है। रविवार देर रात बाजपुर-पिपलिया मार्ग पर आबादी क्षेत्र में तेंदुआ दिखाई देने के बाद से पूरे गांव में भय का वातावरण व्याप्त हो गया है। ग्रामीणों ने बताया कि तेंदुआ अक्सर देर शाम और रात के समय खेतों तथा घरों के आसपास घूमता दिखाई दे रहा है।

नदी किनारे, खेत काटकर या 10 रुपये के स्टाम्प पर मकान खरीदे जा रहे हैं, वहां आदेश रहेगा जारी

अब पुराने बसे क्षेत्रों में लगेंगे बिजली के कनेक्शन

- विधायक अरोरा से वार्ता के बाद प्राधिकरण ने आदेश लिया वापस

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: विधायक शिव अरोरा रुद्रपुर क्षेत्र के विभिन्न इलाकों के जनप्रतिनिधि और स्थानीय लोगों के साथ जिला विकास प्राधिकरण कार्यालय पहुंचे। यहां उन्होंने विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन व सचिव पंकज उपाध्याय से मुलाकात की और विगत दिनों प्राधिकरण की ओर से जारी आदेश बिना नक्शा पास किए किसी भी भूस्वामी या मकान बनाने वाले को विद्युत कनेक्शन नहीं दिया जाएगा इस विषय में बात की।

डीडीए के अधिकारियों से वार्ता करते विधायक शिव अरोरा। ● अमृत विचार

मंगलवार को प्राधिकरण के उपाध्यक्ष और सचिव से मुलाकात कर विधायक अरोरा ने कहा कि बिना नक्शा पास हुए विद्युत कनेक्शन नहीं मिलना यह एक गंभीर विषय रुद्रपुर में बना हुआ है। जिसको लेकर जगह-जगह लोगों में असमंजस की स्थिति है। उन्होंने कहा कि रुद्रपुर क्षेत्र में रम्पुरा, भदईपुरा, गांधी कॉलोनी, ट्रांजिट कैंप, संजय नगर खेड़ा, खेड़ा, दूधिया नगर, आदर्श इंद्रा बंगाली कॉलोनी, आदर्श कॉलोनी घास मंडी, जगतपुरा, शिव नगर जैसी बस्तियां जो बहुत कई दशकों से बसी हुई हैं जो नजूल, दान पात्र व बिना भू स्वामित्व वाली है।

ऐसे में इस आदेश के प्रभावी होने से 30 हजार परिवार इससे सीधे प्रभावित हो रहे हैं। इससे लोगों में जन आक्रोश बना हुआ है। उन्होंने कहा कि लोगों के पास अपने मकान का कोई स्वामित्व नहीं है। ऐसे में यह आदेश का लागू होना पुराने बसे लोगों में भय व आक्रोश की स्थिति पैदा कर रहा है जो कि उचित व न्यायसंगत नहीं है। वहीं जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जय किशन ने स्पष्ट किया पुराने बसे हुए क्षेत्र ट्रांजिट कैंप, रम्पुरा जैसे इलाके जो नजूल, दान पात्र व बिना भू स्वामित्व वाले क्षेत्र जिनके पास अपनी भूमि का स्वामित्व नहीं है उन क्षेत्रों में यह नियम प्रभावी नहीं होगा। कारण वह बहुत लम्बे अरसे से बसे हुए हैं और यहां रह रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जहां तक नदी किनारे, खेत काटकर या 10 रुपये के स्टाम्प पर मकान खरीद हो रही है वहां यह नियम प्रभावी होगा। इस अवसर पर भाजपा नेता उपेंद्र चौधरी, अनुभव चौधरी, किरन विर्क, मंडल अध्यक्ष धीरेश गुप्ता, मुकेश पाल, पार्षद पवन राणा, एमपी मौर्य, कैलाश राठौर, मुकेश रस्तोगी, निमित्त शर्मा, जीतेंद्र संधू, राजेंद्र राठौर, गोविन्द राय, सतनाम सिंह, मनोज मदान, कमल पाल, शिव कुमार गंगवार, गिरीश राठौर, शंकर विश्वास डंपी चोपड़ा आदि मौजूद रहे।

शोरूम सीज करने गई नगर निगम की टीम से मालिक की नोकझोंक

पूर्व विधायक ठुकराल और व्यापारी नेता भी पहुंचे, महापौर से वार्ता के बाद कार्रवाई रोकी

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नगर निगम की टीम भगत सिंह चौक पर एक प्रतिष्ठित ज्वैलर्स के शोरूम को सीज करने पहुंची। इस दौरान टीम की शोरूम स्वामी के साथ तीखी नोकझोंक भी हुई। इस बीच सूचना पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल और अन्य व्यापारी नेता भी वहां पहुंच गये। उनकी भी नगर निगम के अधिकारियों के साथ नोकझोंक हुई। बाद में नगर निगम कार्यालय में व्यापारियों ने महापौर विकास शर्मा से वार्ता की।

यहां बता दें कि विगत दिवस नगर निगम की टीम की ओर से भगत सिंह चौक पर एक प्रतिष्ठित ज्वैलर्स के शोरूम के बाहर अतिक्रमण को लेकर चालान चस्पा किया गया था। चालान चस्पा करने के दौरान दुकान स्वामी ने निगम के कर्मचारियों से अभद्रता कर दी थी। इससे नाराज नगर निगम की टीम मंगलवार की सायं प्रभारी नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे के साथ शोरूम को सीज करने के लिए पहुंची। इस दौरान शोरूम स्वामी से नगर निगम के अधिकारियों की तीखी नोकझोंक हुई।

मामले की जानकारी मिलते ही पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा और अन्य व्यापारी नेता शोरूम पर पहुंच गये और कार्रवाई का विरोध करने लगे। इस दौरान उनकी मुख्य नगर आयुक्त से तीखी नोकझोंक भी हुई। इसके बाद पूर्व विधायक ठुकराल और व्यापार मंडल के पदाधिकारी नगर निगम पहुंचे और महापौर से वार्ता की और नगर निगम की कार्रवाई को गलत बताया।

वहीं महापौर ने कहा कि यह कार्रवाई नगर निगम एक्ट के अनुसार की गयी है। हालांकि बाद भी महापौर ने पूर्व विधायक और व्यापारी नेताओं से वार्ता के बाद कहा कि फिलहाल शोरूम को सीज नहीं किया जाएगा और जिन व्यापारियों के चालान हुए हैं उन पर अधिकारियों के साथ बैठक कर कोई समाधान निकाला जाएगा। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि शहर में अतिक्रमण किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। इस अवसर पर पूर्व विधायक राजकुमार ठुकराल, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे, एसडीएम गौरव पांडे, व्यापार मंडल के अध्यक्ष संजय जुनेजा समेत कई व्यापारी मौजूद रहे।

मेरी किसी व्यापारी से व्यक्तिगत लड़ाई नहीं है। हमने शहर को स्मार्ट शहर बनाने की तैयारी की है। अतिक्रमण को लेकर पहले व्यापारियों को गुलाब का फूल भी दिया गया। हाथ भी जोड़े, लेकिन अतिक्रमण जारी रहा। इसके बाद फोटो भेजो चालान किया जाएगा स्कीम चलायी। इसमें कई लोगों के चालान भी हुए। कर्मचारियों से अभद्रता किसी भी कीमत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

-विकास शर्मा, महापौर, नगर निगम रुद्रपुर

इस प्रकार की घटना समाज में नहीं होनी चाहिए। यह रुद्रपुर के इतिहास में पहली बार हुआ है। सड़क पर कब्जा करने का किसी को अधिकार नहीं है जो सड़क पर अतिक्रमण करता है उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही सभी को क्रोध में नियंत्रण रखना चाहिए।

-राजकुमार ठुकराल, पूर्व विधायक, रुद्रपुर

चार-पांच तथाकथित व्यापारी हैं जो शहर को बर्बाद करना चाहते हैं। जिन व्यापारियों ने सड़क पर अतिक्रमण किया है वह गलत है। ऐसे व्यापारियों की कोई पैरवी भी नहीं करेगा। हालांकि नगर निगम की टीम द्वारा की गयी कार्रवाई गलत है। नगर निगम को जांच करने के बाद कार्रवाई करनी चाहिए। व्यापारियों का शोषण न किया जाए।

-संजय जुनेजा, व्यापार मंडल अध्यक्ष, रुद्रपुर

सर्विस रोड पर वाहनों के खड़े होने से रोडवेज बसों को हो रहीं दिक्कतें

काशीपुर: फ्लाईओवर बनने से डिपो में रोडवेज बसों को आने-जाने में समस्या हो रही है। सर्विस रोड पर बाइकें खड़ी होती हैं, जिस कारण जाम की स्थिति बनी रहती है। ऐसे में डिपो की ओर से कई बार शिकायत भी की गई, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई।

बाजपुर रोड स्थित डिपो जाने वाली सर्विस रोड पर दो बैंक और कई दुकानें हैं। इन दुकानों और बैंक में आने वाले लोग अपनी बाइक सर्विस रोड के किनारे खड़ी करते हैं। ऐसे में जब रोडवेज बस आती-जाती है तो जाम लग जाता है। कई बार तो रोडवेज बसों की साइड बाइकों में लग जाती है। डिपो के फोरमैन मोहम्मद यामीन ने बताया कि सर्विस रोड पर लगने वाले जाम में बसें फंस जाती हैं। जब बसों की साइट बाइकों में लग जाती है, तो लोग लड़ने पर उतारू हो जाते हैं। कई बार लोगों को बैंक व दुकानों के आगे बाइक नहीं खड़ी करने को कहा जाता है, लेकिन कोई सुनने को तैयार नहीं होता है। काशीपुर डिपो के सामने रेलवे लाइन पर बने फ्लाईओवर की वजह से स्थिति खराब हो गई है। बस या तो सीधे निकल जाती है, या फिर बस अड्डे के अंदर आने के लिए परेशानी उठानी पड़ती है।

किच्छा जीजीआईसी का होगा कायाकल्प

किच्छा में मीडिया को जानकारी देते कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़।

संवाददाता, किच्छा

- विधायक बेहड़ ने सीएम धामी व शिक्षा मंत्री का आभार जताया

अमृत विचार: कांग्रेस विधायक तिलक राज बेहड़ के प्रयासों से नगर स्थित अटल उत्कृष्ट राजकीय बालिका इंटर कॉलेज (जीजीआईसी) को बड़ी सौगात मिली है। विधायक ने प्रेसवार्ता में बताया कि विद्यालय में 5 करोड़ 72 लाख 54 हज़ार की लागत से तीन मंजिला भवन का निर्माण किया जाएगा।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की घोषणा संख्या 136/2024 के तहत स्वीकृत इस परियोजना के लिए शासन से मंजूरी मिल गई है। साथ ही 2 करोड़ 29 लाख 1300 रुपये की प्रथम किस्त भी जारी हो चुकी है। इस तीन मंजिला भवन में छात्राओं के लिए 12 नए कक्षा कक्ष, एक स्टाफ रूम, और लगभग 1000 वर्ग फुट का एक विशाल हॉल (सांस्कृतिक और खेलकूद गतिविधियों हेतु) बनेगा। साथ ही, प्रत्येक तल पर ब्लॉक और स्टाफ टॉयलेट का निर्माण किया जाएगा। विधायक बेहड़ ने इस स्वीकृति के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत का आभार व्यक्त किया। उन्होंने यह भी बताया कि यह निर्माण छात्राओं की बढ़ती संख्या के लिए एक आवश्यक कदम है। प्रेस वार्ता के दौरान नगर कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी बबलू, कांग्रेस प्रदेश सचिव राजेश प्रताप सिंह, महिला कांग्रेस प्रदेश महासचिव सुनीता कश्यप एवं संतोष ठाकुर आदि मौजूद रहे।

बरसात के मौसम में तालाब बन जाता है महाविद्यालय

किच्छा : विधायक बेहड़ ने नगर के बाईपास पर नवनिर्मित आदर्श राजकीय महाविद्यालय में बरसात के दौरान महाविद्यालय का प्रथम तल जलभराव से डूबने पर कटाक्ष करते हुए कहा कि महाविद्यालय की इमारत बनाने से पूर्व जमीन समतल कर बिल्डिंग बनाई जानी चाहिए थी लेकिन कार्यदायी संस्था द्वारा घोर लापरवाही कर गहरे गड्ढे में महाविद्यालय की बिल्डिंग को बना दिया गया। कहा कि बरसात के मौसम में महाविद्यालय की इमारत चारों तरफ से करीब 6 फुट पानी में डूब जाती है तथा कई दिन तक महाविद्यालय बंद रहने से छात्र-छात्राओं की शिक्षा प्रभावित होती है।

स्कूल बस की टक्कर से कारोबारी की पत्नी की मौत

- स्कूटी से बच्चों को स्कूल छोड़ कर घर लौट रही थी अनीता, पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेजा

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: मंगलवार की सुबह उस वक्त एक सड़क हादसा हो गया जब स्कूटी सवार महिला बच्चों को स्कूल छोड़कर लौट रही थी। इस बीच तेज रफ्तार स्कूल बस ने स्कूटी को टक्कर मार दी। जिससे महिला की मौत हो गई। निधन की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया।

जानकारी के अनुसार थाना ट्रांजिट कैंप इलाके बालाजी पुरम निवासी रामशरण चौरसिया की फुलसुंगा स्थित प्लेटिंग की फैक्ट्री है और परिवार के साथ रहते हैं। रोजमर्रा की भांति सुबह उनकी 35 वर्षीय पत्नी अनीता चौरसिया स्कूटी से बच्चों को छोड़कर घर लौट रही थी। इस बीच जब वे दक्ष चौराहे के समीप पहुंची तो तेज रफ्तार स्कूल बस ने स्कूटी को जबरदस्त टक्कर मार दी। इससे महिला सड़क पर जा गिरी। आनन-फानन में राहगीर घायल को लेकर प्राइवेट अस्पताल पहुंचे। जहां उपचार के दौरान महिला ने दम तोड़ दिया।

वहीं मौत की खबर मिलते ही थाना ट्रांजिट कैंप पुलिस ने मौका मुआयना किया और घटना की जानकारी लेने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जा रहा है कि हादसे के वक्त बस चालक मौके से फरार हो गया। मौत की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया और पुलिस ने चालक की तलाश शुरू कर दी है।

डिवाइडर से टकराई पिकअप, व्यक्ति की मौत

रुद्रपुर : सोमवार की देर रात्रि सड़क हादसे में जहां पिकअप पर सवार व्यक्ति की मौत हो गई, वहीं चालक भी गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने शव पोस्टमार्टम को भेज दिया। गांव सिरसा सिसैया थाना दातागंज बदायूं निवासी 23 वर्षीय प्रदीप अपने दो भाईयों के साथ रंपुरा बस्ती में किराए पर रहता था और वैवाहिक समारोह में काउंटर लगाने का काम करता था। सोमवार की रात्रि प्रदीप काउंटर लेकर पिकअप से तेज मिल की ओर जा रहा था। इस बीच अचानक वाहन पर नियंत्रण खो दिया और पिकअप डिवाइडर से जा टकराई। हादसे में प्रदीप व चालक घायल हो गया। घायलों को जिला अस्पताल ले जाया गया। जहां डॉक्टरों ने प्रदीप को मृत घोषित कर दिया, जबकि चालक की हालत नाजुक बताई जा रही है।

खौलता पानी गिरने से बच्चा झुलसा

काशीपुर : खौलता पानी गिरने से बच्चा झुलस गया। खड़कपुर देवीपुरा निवासी निखिल पर खौलता पानी गिर गया। इससे वह झुलस गया। परिजनों ने उसे एलडी भट्ट राजकीय उप जिला चिकित्सालय पहुंचाया।

कार्रवाई

शहरवासियों को मिलेगी आवारा पशुओं से निजात, महापौर ने निरीक्षण कर निर्माण कार्यों का लिया जायजा

लंबा खेड़ा में आधुनिक गौशाला का निर्माण अंतिम चरण में

संवाददाता, रुद्रपुर

अमृत विचार: नगर निगम की ओर से लंबा खेड़ा में करीब छह एकड़ भूमि में बनायी जा रही आधुनिक गौशाला का निर्माण कार्य अंतिम चरण में है। इसके बन जाने के बाद लोगों को शहर में घूमते आवारा पशुओं से निजात मिल जाएगी। वहीं महापौर विकास शर्मा, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडे ने निगम के अधिकारियों के साथ निर्माणाधीन गौशाला का निरीक्षण किया।

मंगलवार को निरीक्षण के दौरान महापौर और नगर आयुक्त निर्माण कार्य की प्रगति और पशुओं के लिए किए जा रहे इंतजामों का अवलोकन दिया। साथ ही अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। महापौर ने कहा कि गौशाला का निर्माण तेजी से पूरा किया जा रहा है। ताकि शहर में दुर्घटनाओं और यातायात अव्यवस्था की वजह बन रहे आवारा पशुओं की समस्या का स्थायी समाधान हो सके। उन्होंने बताया कि फिलहाल पहले चरण में एक बड़ा शेड लगभग तैयार हो चुका है, जिसमें करीब 80 पशुओं को रखने की क्षमता है। आने वाले दो चार दिनों में इसका कार्य पूरा कर लिया जाएगा, जिसके बाद शहर में घूमते पशुओं को यहां शिफ्ट किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सड़क पर बढ़ते हादसों और आवागमन में रुकावट की समस्या से नागरिक लंबे समय से जूझ रहे थे और इस गौशाला के शुरू होने से लोगों को इन परेशानियों से काफी हद तक निजात मिलेगी।महापौर ने कहा कि गौशाला का निर्माण उनकी चुनावी प्राथमिकताओं में शामिल था, जिसकी घोषणा उन्होंने अपने प्रचार के दौरान की थी। अब यह संकल्प पूरा होने जा रहा है और बहुत जल्द गौशाला का औपचारिक लोकार्पण संत महापुरुषों की उपस्थिति में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के हाथों कराया जाएगा। इस अवसर पर भाजपा मंडल अध्यक्ष सुनील ठुकराल, महामंत्री पारस चुघ, कुलबीर सिंह, अंकुश गुंबर, नितिन सुखीजा, पार्षद चिराग कालरा, जितेंद्र चौहान, हमजा खान, ललित कश्यप आदि मौजूद रहे।

गौशाला के निरीक्षण के दौरान जानकारी लेते महापौर विकास शर्मा। ● अमृत विचार

हाईवे चौड़ीकरण कार्य का निरीक्षण किया

रुद्रपुर : महापौर विकास शर्मा ने एडीएम पंकज उपाध्याय, जिला विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष जयकिशन, नगर आयुक्त शिप्रा जोशी पांडेय सहित लोक निर्माण विभाग, सिंचाई विभाग और विद्युत विभाग के अधिकारियों के साथ इंदिरा चौक से डीडी चौक तक चल रहे हाईवे चौड़ीकरण कार्य का स्थलीय निरीक्षण किया। मंगलवार को निरीक्षण के दौरान महापौर एवं अधिकारियों ने निर्माण कार्यों की धीमी प्रगति पर चिंता व्यक्त की। संयुक्त टीम ने हाईवे चौड़ीकरण की जद में आ रही नगर निगम और अन्य सरकारी विभागों की भूमि का चिन्हीकरण भी पूरा किया। अधिकारियों की उपस्थिति में किए गए इस अंतिम चिन्हीकरण के बाद अब निर्माण कार्य सुचारू गति से आगे बढ़ने की उम्मीद है। इस दौरान महापौर ने कहा कि हाईवे चौड़ीकरण शहर की अत्यंत आवश्यक परियोजना है और इसमें किसी भी तरह की रुकावट बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अब सभी तकनीकी समस्याओं का समाधान कर लिया गया है। विद्युत विभाग को पोलों के शीघ्र स्थानांतरण के निर्देश दे दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि इससे हाईवे का न केवल चौड़ीकरण होगा, बल्कि सौंदर्यीकरण पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। सड़क के दोनों ओर नाला निर्माण, फुटपाथ और सुरक्षात्मक दीवारों का निर्माण किया जाएगा। इन दीवारों पर उत्तराखंड की समृद्ध संस्कृति को दर्शाने वाली आकर्षक कलाकृतियां उकेरी जाएंगी, जिससे शहर का संपूर्ण स्वरूप निखरकर सामने आएगा।

अमृत विचार

हल्द्वानी, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

ब्रीफ न्यूज

डीडीए समाप्ति तक धरने में डटे रहेंगे

अल्मोड़ा : अल्मोड़ा में जिला विकास प्राधिकरण की समाप्ति की मांग को लेकर सर्वदलीय संघर्ष समिति का धरना प्रदर्शन जारी है। मंगलवार को समिति से जुड़े सदस्यों ने धरना दिया। इस दौरान शासन प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। डीडीए समाप्ति तक धरना प्रदर्शन पर डटे रहने की चेतावनी दी।सदस्यों ने लोगों के हित में जल्द से जल्द डीडीए हटाने की कार्रवाई करने की मांग की। यहां पूर्व पालिकाध्यक्ष व समिति के संयोजक प्रकाश चंद्र जोशी, प्रताप सिंह सत्याल, अख्तर हुसैन, रॉबिन मनोज भंडारी, हेम चंद्र तिवारी, ललित मोहन पंत, हेम चंद्र जोशी, गोविंद बल्लभ जोशी, भारत रत्न पांडे समेत आदि मौजूद रहे।

आंगनबाड़ी कत्रियों का धरना 16 वें दिन भी जारी

सितारगंज : उत्तराखंड राज्य आंगनबाडी कर्मचारी संघ का धरना 16वें दिन भी जारी रहा। मंगलवार को पूर्व पालिकाध्यक्ष हरीश दुबे ने बाल विकास परियोजना अधिकारी कार्यालय, सितारगंज के बाहर धरना दे रही आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं को समर्थन दिया। आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं ने अतिरिक्त कार्य न करने, मानदेय बढ़ाने, रिटायरमेंट के बाद 10 लाख रुपये और पांच हजार रुपये पेंशन देने की मांग को लेकर धरना दे रही है। वहीं, संघ की जिलाध्यक्ष रुकमणी धामी ने बताया कि वह अपनी मांगों को लेकर सचिवालय, देहरादून में धरने पर बैठी है। सरकार ने 1600 रुपये बढ़ाने का आश्वासन दिया है लेकिन वह इससे सहमत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब तक सरकार 800 रुपये प्रतिदिन के हिसाब से 24 हजार प्रतिमाह मानदेय नहीं कर देगा। तब तक धरना जारी रहेगा। इस मौके पर सरिता, योगिता हालदार, मंजू राणा, राधा देवी, उर्मिला, किरण, अजय लक्ष्मी, गोदावरी, आरती आदि रहे।

आठ विद्यार्थी 'वीवीएम स्टेट कैंप' को चयनित

खटीमा : नोजगे पब्लिक स्कूल के आठ छात्र-छात्राओं का चयन विद्यार्थी विज्ञान मंथन के लिए चयन हुआ है। 23 नवंबर को हुई ऑनलाइन परीक्षा का परिणाम 30 नवंबर को घोषित की गई। जिसमें नोजगे पब्लिक स्कूल के पीयूष चौसाली, आयरा अल्वी, उत्कर्ष ओली, अर्चित गोयल, देव गिरी, लकी बसेड़ा, गौरव पांडे और मनीष पुनेठा का चयन 'वीवीएम स्टेट कैंप' के लिए हुआ है। चयनित विद्यार्थियों को प्रबंधिका सुरेंद्र कौर प्रधानाचार्य आरिज अल्वी एचसी पंत, आरपी पंत, वीरेंद्र सिंह आदि ने बधाई दी है।

चूका क्षेत्र में हेलीपैड निर्माण को मिली मंजूरी, मुख्यमंत्री धामी ने दी क्षेत्रवासियों व श्रद्धालुओं को सौगात

अब हेली सेवा से भी होंगे मां पूर्णागिरि धाम के दर्शन

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : देश के सुप्रसिद्ध मां पूर्णागिरि धाम में तीर्थयात्रियों को आधुनिक, सुरक्षित और तीव्र परिवहन सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में राज्य सरकार ने बड़ा कदम उठाया है। मुख्यमंत्री घोषणा संख्या 165/2023 के अंतर्गत चूका क्षेत्र में प्रस्तावित हेलीपैड निर्माण परियोजना को अब आधिकारिक स्वीकृति प्रदान कर दी गई है। इस महत्वपूर्ण परियोजना के लिए 187.95 लाख (एक करोड़ सतासी लाख पिच्यानबे हजार रुपए) की वित्तीय एवं प्रशासनिक स्वीकृति मंजूर की गई है।

हेलीपैड निर्माण के लिए इस चालू वित्तीय वर्ष 2025-26 में प्रथम किस्त के रूप में 60% अर्थात 112.77 लाख (एक करोड़ बारह लाख सतहत्तर हजार रुपये) जारी करने की अनुमति दी गई है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के निर्देशानुसार

हेलीपैड निर्माण की स्वीकृति के साथ अब पूर्णागिरि धाम में हेली सेवा शुरू होने का मार्ग पूरी तरह प्रशस्त हो गया है। यह सुविधा पूर्णागिरि यात्रा को सालभर संचालित करने की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम सिद्ध होगी। कठिन भौगोलिक परिस्थितियों और मौसम पर निर्भर रहने वाली यात्रा में अब सुरक्षित, तीव्र और आधुनिक पहुंच सुनिश्चित हो सकेगी।

इस हेलीपैड के निर्माण से चूका एवं पूर्णागिरि घाटी क्षेत्र में विकास कार्यों को नई गति मिलेगी। यह सुविधा न केवल श्रद्धालुओं की यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि पर्यटन को प्रोत्साहन, स्थानीय युवाओं को रोजगार, आपदा प्रबंधन में त्वरित प्रतिक्रिया, तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती प्रदान करेगी।

हेलीपैड निर्माण पूरा होने के बाद पूर्णागिरि धाम की यात्रा क्षमता में उल्लेखनीय वृद्धि होगी और श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सहज, तीव्र और आधुनिक परिवहन सुविधा उपलब्ध होगी।

अल्मोड़ा में शौर्य यात्रा निकालते विहिप व बजरंग दल कार्यकर्ता।

अल्मोड़ा में विहिप ने शौर्य यात्रा निकाली

अल्मोड़ा, अमृत विचार : विश्व हिंदू परिषद और बजरंग दल ने मंगलवार को नगर में शौर्य यात्रा निकाली। शौर्य यात्रा के दौरान पूरा नगर जय श्री राम के नारों से गूंजा रहा। विहिप नेताओं के अनुसार, अयोध्या में ढांचा गिराने की याद में कार्यक्रम आयोजित हुआ। कार्यकर्ताओं ने चौघानपाटा से शौर्य यात्रा का शुभारंभ किया। बाइक यात्रा नगर के शहीद तिराहे, जाखनदेवी, धार की तूनी, एनटीडी, धारानौला, राजपुरा, करबला, खत्याड़ी, जलाल बैंड होते हुए भैरव मंदिर तक पहुंची। इसके बाद यहां सामूहिक हनुमान चालीसा पाठ किया गया। इस मौके पर जिलाध्यक्ष गोपाल नयाल, पूर्व विधायक कैलाश शर्मा, विनीत बिष्ट, नरेंद्र आगर, धर्मेंद्र बिष्ट, नितिन पंत, सौरभ वर्मा, भानु प्रकाश जोशी, राजेंद्र कनवाल, विजय सिरद, नवीन बिष्ट, दर्शन रावत, अमित साह, कैलाश गुरुरानी, नरेंद्र आगरी, जगत भट्ट, अर्जुन बिष्ट, कुंदन सिंह सतवाल, महेंद्र जोशी, अनूप साह, राजीव गुरुरानी, कमलेश रहे।

आध्यात्मिक और पर्यटन गतिविधियां बढ़ाएं: सीएस

चम्पावत पहुंचे सीएस ने मायावती आश्रम, चम्पावत बस टर्मिनल, माउंट आबू व कोलीढेक झील का किया गहनता से निरीक्षण

- मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने विकास कार्यों की समीक्षा की

संवाददाता,टनकपुर /चम्पावत

अमृत विचार : मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन ने चम्पावत जनपद में विभिन्न स्थलों का स्थलीय निरीक्षण कर विकास, पर्यटन और आध्यात्मिक गतिविधियों को गति देने के लिए विस्तृत समीक्षा की।

पहले मुख्य सचिव ने बस टर्मिनल चम्पावत का निरीक्षण किया। निर्माणदायी संस्था सीएनडीएस के अधिशासी अभियंता गिरीश पंत ने प्रस्तावित बस टर्मिनल की समग्र जानकारी प्रस्तुत की। मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि टर्मिनल के भीतर वाहनों की सुव्यवस्थित आंतरिक आवाजाही (इनसाइड सर्कुलेशन) सुनिश्चित की जाए तथा यात्रियों की सुविधाओं को प्राथमिकता दी जाए।

इसके बाद मुख्य सचिव ने मायावती आश्रम का भ्रमण किया, जहां स्वामी दिव्य कृपानंद ने उन्हें आश्रम के विभिन्न स्थलों का अवलोकन कराया। मुख्य सचिव ने आश्रम में ध्यान कर आध्यात्मिक वातावरण का अनुभव किया। उन्होंने कहा कि इस क्षेत्र में आध्यात्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए विशेष प्रयास किए जाएं।

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ लोहाघाट में कोलीढेक झील का निरीक्षण करते मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन। ● अमृत विचार

मुख्य सचिव ने कोलीढेक झील का निरीक्षण कर इसे आध्यात्मिक क्षेत्र (स्पिरिचुअल ज़ोन) तथा योग व वेलनेस हब के रूप में विकसित करने के निर्देश दिए। उन्होंने मत्स्य विभाग को महाशीर मछली संरक्षण के लिए भी आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

बाद में उन्होंने एबट माउंट का निरीक्षण किया और इसे पर्यटन की दृष्टि से अत्यंत संभावनाशील क्षेत्र बताया। उन्होंने एबट माउंट से दिखाई देने वाली हिमालय की भव्य श्रृंखलाओं का अवलोकन किया तथा ऐतिहासिक चर्च व पूरे क्षेत्र की सम्पूर्ण जानकारी ली।

मुख्य सचिव द्वारा किए गए निरीक्षण के दौरान कुमाऊं आयुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी सहित विभिन्न विभागों के वरिष्ठ अधिकारी एवं कार्मिक मौजूद रहे।

चम्पावत में मुख्य सचिव आनंद बर्द्धन को फ्लैग लगाते कर्नल उमेद सिंह।

मुख्य सचिव ने सशस्त्र सेना झंडा दिवस पर सैनिकों को किया नमन

चम्पावत, अमृत विचार : चम्पावत दौरे के दौरान मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने जिला सभागार परिसर में भूतपूर्व सैनिकों से भेंट कर सशस्त्र सेना झंडा दिवस के प्रति सम्मान प्रकट किया। मुख्य सचिव ने वीर सैनिकों के योगदान को नमन करते हुए फ्लैग लगाया। इस अवसर पर जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कर्नल उमेद सिंह ने मुख्य सचिव को फ्लैग लगाकर सशस्त्र सेना झंडा दिवस की महत्ता की जानकारी दी। सशस्त्र सेना झंडा दिवस का उद्देश्य भारतीय सेना के सेवारत जवानों, शहीद सैनिकों, युद्ध अथवा ड्यूटी के दौरान घायल हुए सैनिकों तथा उनके आश्रित परिवारों के कल्याण, पुनर्वास और आर्थिक सहायता के लिए सहयोग जुटाना है। यह दिवस देश में समर्पण, कृतज्ञता और गौरव के साथ मनाया जाता है। मुख्य सचिव ने सभी नागरिकों से अपील की कि वे उन सैनिकों और उनके परिवारों का सहयोग करें जिन्होंने राष्ट्र की सुरक्षा के लिए अपना सर्वस्व न्योछावर किया है। कार्यक्रम के दौरान मुख्य सचिव ने कराटे खिलाड़ियों अनामिका बिष्ट, अभिषेक कुंवर, भावना अधिकारी, आरूष, अभीजित, प्रज्ञान साह, प्राची ओली, सांची मुरारी, जतीन जोशी सहित कोच दीपक सिंह को उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं उपलब्धियों के लिए सम्मानित किया। इस अवसर पर भूतपूर्व सैनिकों के साथ ही कुमाऊं मंडलायुक्त दीपक रावत, जिलाधिकारी मनीष कुमार, पुलिस अधीक्षक अजय गणपति, मुख्य विकास अधिकारी डॉ. जीएस खाती, अपर जिलाधिकारी कृष्णनाथ गोस्वामी आदि मौजूद रहे।

मुख्य सचिव ने की विकास परियोजनाओं की विस्तृत समीक्षा

चम्पावत: मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने जिला सभागार में सभी प्रमुख विकास योजनाओं, जनपदीय नवाचारों, मुख्यमंत्री घोषणाओं, केंद्र-राज्य व्यय की समीक्षा की।

बैठक में मुख्य सचिव ने गोल्ज्यू कॉरिडोर, कृषि महाविद्यालय, पैरामेडिकल कॉलेज, छमनिया स्पोर्ट्स महाविद्यालय, यूयूएसडीए पेयजल योजना, एनएच स्वाला सुधार योजना व अन्य पर चर्चा की। बैठक से पूर्व मुख्य सचिव ने कलेक्ट्रेट परिसर में लगे विभागीय स्टॉलों का निरीक्षण किया, जिनमें एनआरएलएम, उत्तराखण्ड चाय विकास बोर्ड, डेयरी, कृषि, मत्स्य, रेशम, बागवानी, उद्योग, अक्षय ऊर्जा एवं अन्य विभाग शामिल थे।

उन्होंने स्टॉलों पर प्रदर्शित नवाचार, उत्पादों और विभागीय उपलब्धियों की जानकारी प्राप्त की तथा विभागों को इन नवाचारों को और अधिक विस्तार एवं प्रोत्साहन देने के निर्देश भी दिए। जिला सभागार में उन्होंने "आदर्श चम्पावत" के लोगो अनावरण भी किया। मुख्य सचिव ने पंचेश्वर में एंग्लिंग पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से प्रतिवर्ष वार्षिक एंगलर्स मीट आयोजित करने के निर्देश दिए।

महंत बलवंत गिरी को किया याद

संवाददाता, रानीखेत

अमृत विचार: महाभारत कालीन सभ्यता को संजोए पांडवों की शरणस्थली 'पांडवखोली' में महंत बलवंत गिरी महाराज की 32वीं पुण्यतिथि पर आयोजित धार्मिक वार्षिकोत्सव पूर्ण आस्था के साथ संपन्न हुआ। इस मौके पर मेले व धार्मिक कार्यक्रमों को लेकर खासा उत्साह देखा गया।

शक्तिपीठ मां दूनागिरी धाम से करीब सात किमी दूर पौराणिक द्वारिका की सर्वाधिक ऊंची चोटियों में शुमार पांडवखोली की पहाड़ी पर आयोजित धार्मिक उत्सव में विशाल भंडारा में प्रसाद ग्रहण करने हेतु दूरदराज से श्रद्धालु पहुंचे। प्यारी गाड़ महिला समूह द्वारा भजन-कीर्तन की प्रस्तुति ने वातावरण में भक्ति रस घोल दिया। पांडवखोली स्वर्गपुरी में वर्षों तक तप करने वाले महंत बलवंत गिरी

पांडवखोली में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते बच्चे। ● अमृत विचार

जी महाराज की 32वीं पुण्यतिथि पर नित्य कार्यक्रम, रूद्रीपाठ, हवन, पूर्णाहुति और भंडारा आयोजित किए गए। साथ ही पूर्व वर्षों की भांति दुर्लभ पाषाण प्रतिमाओं में पांडु पुत्रों की विशेष पूजा-अर्चना भी की गई। इस वर्ष भी अलग अलग उम्र के लोगों के लिए के लिए तमाम मनोरंजक खेल प्रतियोगिताएं आयोजित हुई।

समारोह में सिटी मांटेसरी स्कूल गनियाद्योली रानीखेत, राजकीय इन्टर कालेज दूनागिरी, एमडी तिवारी इंटर कॉलेज द्वाराहाट, प्राइमरी पाठशाला चरी, जूनियर हाईस्कूल खोलियाबांज, प्राइमरी व जूनियर हाईस्कूल दुधोली, जीजीआईसी द्वाराहाट के विद्यार्थियों द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी गई। संचालन पूर्व जिला पंचायत सदस्य राजेन्द्र सिंह बिष्ट ने किया।

प्रेरणा से साहस के पंख कार्यक्रम का आयोजन

संवाददाता, बैरती (अल्मोड़ा)

अमृत विचार: बोनाफाइड पब्लिक हाईस्कूल चौखुटिया में आज प्रेरणा से साहस के पंख कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलित कर चौखुटिया विकास खंड की खंड विकास अधिकारी ममता कार्की ने किया।

कार्की का स्कूल की अनुशासक राधा लोहनी, प्रधानाचार्य नीलम बडूनी, कुमारी विनीता, बबीता रौताण, गीता नैलवाल लक्ष्मी रानी, निर्मला आर्या आदि ने स्वागत किया। कार्की ने बच्चों को कठिन मेहनत कर लक्ष्य प्राप्त कर ईमानदारी के मार्ग पर चलते हुए वतन का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि

बोनाफाइड हाईस्कूल चौखुटिया में बीडीओ ममता कार्की को सम्मानित करतीं शिक्षिका।

जीवन में यदि पवित्र संकल्प हो तो परमात्मा उसे निश्चित पूरा करते हैं। लक्ष्य की प्राप्ति मेहनत लगन और निष्ठा से ही संभव है केवल सोचने से काम सिद्ध नहीं होता। विद्यालय प्रशासक मधु कांडपाल व प्रबंध कार्यकर्ता पुष्कर कांडपाल ने बीडीओ कार्की को विद्यालय में आकर बच्चों को प्रेरित करने के लिए विशेष साधुवाद दिया।

नगर आयुक्त की तैनाती नहीं होने पर पार्षदों ने किया धरना-प्रदर्शन

संवाददाता, अल्मोड़ा

अमृत विचार: नगर निगम अल्मोड़ा में नगर आयुक्त की नियुक्ति और बंदरों की समस्या से निजात दिलाने की मांग को लेकर पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। मंगलवार को नाराज पार्षदों ने निगम परिसर में धरना दिया। इस दौरान नगर निगम प्रशासन के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। जल्द मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।

धरना स्थल पर पार्षदों ने कहा कि अल्मोड़ा नगर निमग के अस्तित्व में आने के बाद अब तक यहां स्थाई नगर आयुक्त की नियुक्ति नहीं हो सकी है। आयुक्त की नियुक्ति नहीं होने से तमाम दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, नगर के हर वार्ड में बंदरों का आतंक बना हुआ है। जबकि बंदरों के डर से बच्चों का स्कूल जाना भी मुश्किल हो गया है। कहा कि मामले को लेकर कई बार नगर निगम प्रशासन को अवगत कराया गया। लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। पार्षदों ने चेतावनी दी कि अगर दोनों समस्याओं का समाधान नहीं होने तक रोजाना दो घंटे वह धरना प्रदर्शन करेंगे।

अल्मोड़ा नगर निगम में दो सूत्रीय मांगों को लेकर धरना-प्रदर्शन करते पार्षद।

धरना प्रदर्शन में पार्षद चंचल दुर्गापाल, मधु बिष्ट, तुलसी देवी, अंजू बिष्ट, रीना टम्टा, मुकेश कुमार, भूपेंद्र जोशी, हेम तिवारी, कुलदीप मेर, दीपक कुमार, अनुप भारती, इंतकाम कुरैशी, प्रदीप कुमार, रोहित सिंह कार्की, जानकी पांडे, गीता बिष्ट, कमला किरोला, गुंजन सिंह चम्याल आदि रहे।

शहीद स्मारक पर पूर्व मंत्री दिवाकर भट्ट को श्रद्धांजलि देते उक्रांद कार्यकर्ता।

पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट को दी श्रद्धांजलि

खटीमा, अमृत विचार : उक्रांद नेता व पूर्व कैबिनेट मंत्री दिवाकर भट्ट के निधन पर प्रदेशभर में उक्रांद द्वारा श्रद्धांजलि यात्रा निकाली जा रही है। मंगलवार को श्रद्धांजलि यात्रा मुख्य चौराहे स्थित शहीद स्मारक पहुंची। जहां उक्रांद कार्यकर्ताओं ने श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया। जिसका संचालन यात्रा संयोजक प्रताप सिंह चौहान ने किया। कार्यकर्ताओं ने शहीद स्मारक पर पूर्व कैबिनेट मंत्री भट्ट को श्रद्धांजलि अर्पित की। श्रद्धांजलि सभा को भुवन सिंह बिष्ट, श्याम सिंह नेगी, इंद्र सिंह मनराल, मोहन सिंह नेगी, अमित बिनवाल आदि ने संबोधित किया। सभा के बाद श्रद्धांजलि यात्रा, टनकपुर, चंपावत व लोहाघाट के लिए रवाना हो गई। इस दौरान उक्रांद जिलाध्यक्ष राम सिंह धामी, शिवशंकर भाटिया, गोविंद बिष्ट, संतोष मेहरोत्रा, विनोद राजपूत, शाहबुद्दीन अंसारी, हरीश कोटलिया, प्रेम रेकवाल, कमल बिष्ट, प्रदीप गहतोड़ी, ओमकार कार्की आदि रहे।

किसानों को गन्ना की प्रजातियों रोग और उपचार की जानकारी दी

संवाददाता, खटीमा

अमृत विचार: गन्ना किसान संस्थान एवं प्रशिक्षण केंद्र काशीपुर के तत्वावधान में बगुलिया गांव में एक दिवसीय ग्राम स्तरीय कृषक प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया गया। जिसमें गन्ना काश्तकारों को नवीन तकनीकों, बीजों के चयन और बीमारियों और उपचार के संबंध में प्रशिक्षित किया गया।

पूर्व प्रधान रामाधार की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में गन्ना शोध केंद्र काशीपुर के वैज्ञानिक डॉ. सिद्धार्थ कश्यप ने गन्ना काश्तकारों को नवीन तकनीकी और गन्ने की उन्नत किस्मों के बारे में जानकारी दी। प्रभारी अधिकारी डॉ. संजय कुमार

बगुलिया गांव में कृषक प्रशिक्षण शिविर में मंचासीन अधिकारी व उपस्थित गांववासी।

ने बुआई की नई तकनीक, बीज के चयन और गन्ने में लगने वाले रोगों और उनसे निदान की विस्तृत जानकारी दी गई।

जेजीएन शुगर मिल सितारगंज के वरिष्ठ गन्ना प्रबंधक विपिन विश्नोई ने किसानों की समस्याओं को दूर करने का आश्वासन दिया गया। सचिव महेंद्र पाल यादव ने विभिन्न योजनाओं की जानकारियां दी गई। इस अवसर पर गन्ना किसान निरीक्षक खनिका पाल, विपिन कुमार, जय कुमार, शिव कुमार गंगवार, फारुख हार्ड सिद्दीकी, देवेंद्र कुमार गंगवार, बच्चन गुप्ता, मोहन सिंह, इंद्रजीत यादव, पान सिंह, दुर्देशी, श्याम कुमार आदि मौजूद रहे।

लैपटॉप व मोबाइल चोरी का आरोपी धरा

अल्मोड़ा : कोतवाली पुलिस ने लैपटॉप और मोबाइल चोरी के आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी ने नगर के एक होटल में शादी समारोह के दौरान लैपटॉप और मोबाइल चोरी की थी।

पुलिस के अनुसार अमित साह, निवासी बाड़ी बगीचा ने कोतवाली में एक तहरीर सौंपी थी। तहरीर में कहा कि बीते दिनों नगर के एक होटल में उनका डीजे संचालन का कार्य था। इसी दौरान उनके दो लैपटॉप और मोबाइल वाहन में छूट गया था। अज्ञात चोर उनके लैपटॉप और मोबाइल उठा ले गया। उन्होंने कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई। पुलिस ने सीसीटीवी की जांच कर मामले में आरोपी अजीम अंसारी पुत्र सफीक अंसारी, निवासी मल्ला दन्या, राजपुर अल्मोड़ा को सामान सहित गिरफ्तार किया गया।

आयुर्वेद में हर बीमारी का उपचार है मौजूद

संवाददाता, बागेश्वर

अमृत विचार: जिला आयुर्वेदिक विभाग द्वारा आयुर्वेद चिकित्सा प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला आयुर्वेद एवं यूनानी अधिकारी डॉ. निष्ठा शर्मा कोहली ने भगवान धनवंतरी के सम्मुख दीप प्रज्वलन कर किया। उन्होंने आशा कार्यकत्रियों से जनता के बीच आयुर्वेदिक उपचार के प्रचार प्रसार की अपील की।

डॉ. शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद में प्रत्येक बीमारी का इलाज है तथा इसका कोई साइड इफेक्ट नहीं है। बताया कि प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन जनपद में आयुर्वेद विभाग के संचालित 11 आयुष्यमान आरोग्य मंदिरों के क्षेत्रांतर्गत आशा कार्यकत्रियों एवं एमपीडब्ल्यू के लिए किया जा रहा है। मास्टर ट्रेनर डॉ. एजल पटेल एवं डॉ. बिपिन चंद्र के द्वारा प्रशिक्षुओं को समुदाय में आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का प्रचार प्रसार, स्वस्थ जीवन शैली, एनसीडी स्क्रीनिंग, योग, आहार विहार, ऋतुचर्या, दिनचर्या, पंचकर्म, मर्म चिकित्सा और पोषण से संबंधित जानकारी दी गई। कार्यक्रम में जनपद के आयुष मिशन के नोडल अधिकारी डॉ. संजय आगरी एवं डीपीएम गौरव बिष्ट रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता डॉ. निष्ठा शर्मा कोहली व संचालन डॉ. एजल पटेल ने किया गया। प्रशिक्षण में कुल 43 आशा कार्यकत्री व एमपी डब्ल्यू को प्रशिक्षित किया गया।

6th वार्षिकोत्सव विशेष फीचर

मेरा शहर-मेरी प्रेरणा

सेनानियों ने बरेली की नींव खून-पसीने से सींची तो जनप्रतिनिधियों ने समृद्ध बनाने को किए कार्य

राममूर्ति ने हमेशा आम जनता को समृद्ध करने को अपना पहला कर्तव्य समझा

बरेली को 'समृद्ध बरेली' बनाने की दिशा में देश को अंग्रेजों से आजादी दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों ने भी बड़ा योगदान दिया है। 15 अगस्त, 1947 की बेला पर तिरंगा लहराने वाले दीवानों ने भारत माता को अंग्रेजी बेड़ियों से आजादी दिलाने के बाद बरेली की नींव को मजबूत करने का काम किया। बरेली के ऐसे 20 से अधिक स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे हैं, जिन्होंने लोकसभा, विधानसभा, नगर पालिका परिषद में बतौर सदस्य रहकर बरेली को समृद्ध बनाने के लिए खून पसीना बहाया। इनके साथ कई ऐसे परिवार भी हैं, जिनके घरों के सपूतों ने युवाओं को आगे बढ़ाने के लिए राजनीति का चोला ओढ़कर रोजगार, उद्योग धंधे की नींव को मजबूत किया। 1952 में बरेली के पहले सांसद सतीश चंद्र बने थे। इनके बाद बरेली को संवारने में राजनेताओं में सबसे बड़ा नाम संतोष गंगवार का आता है। आठ बार सांसद रहने के दौरान उन्होंने बरेली को छोटे से बड़ा आकार लेते देखा और समृद्ध बनाने में अहम योगदान दिया। राजवीर सिंह, कुंवर सर्वराज सिंह, दिनेश जौहरी, धर्मदत्त वैद्य और राममूर्ति कई ऐसे चर्चित चेहरे हैं, जिन्होंने बरेली को आगे बढ़ाया है। राजनीति में साबिर परिवार की तीसरी पीढ़ी काम कर रही है। अमृत विचार के छठें स्थापना दिवस के मौके पर हम आपको उन राजनेताओं और स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों से रूबरू करा रहे हैं, जो बरेली को सशक्त बरेली बनाकर यहां तक लेकर आए हैं। आईए जानें उनके बारे में...

20 वर्ष की उम्र में पहली बार देश के लिए जेल गए स्वतंत्रता संग्राम सेनानी राममूर्ति का बरेली को समृद्ध बनाने में काफी योगदान रहा है। 1941 में बरेली के बहरपुरा में व्यक्तिगत सत्याग्रह शुरू कर राममूर्ति देश को आजादी दिलाने के आंदोलन में कूदे थे। राममूर्ति ऐसे शख्सियत थे कि अंग्रेजों से सत्ता हस्तांतरण के समय 1946 में जनता ने उन्हें भारी बहुमत से उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य बनाया। इसके बाद 1968 तक लगातार विधानसभा में अपने क्षेत्र की नुमाइंदगी करते रहे और 1974 में फिर विधानसभा सदस्य चुने गए थे। उन्होंने आचार्य बिनोवा भावे के भूमि दान कार्यक्रम का समर्थन करते हुए अपनी 30 एकड़ कृषि भूमि अनुदान में दान कर दी थी। उन्होंने 19 वर्षों तक मंत्री रहकर बरेलीवासियों की सेवा की। स्वतंत्रता सेनानी राम मूर्ति का जन्म 8 फरवरी 1910 में बरेली स्थित गांव धौरा में जमींदार साहू ठाकुर दास के यहां हुआ था। घर में सबसे छोटे राम मूर्ति की प्रारंभिक शिक्षा बरेली में ही हुई। जबकि उन्होंने स्नातक की शिक्षा वाराणसी स्थित काशी हिंदू विश्वविद्यालय से प्राप्त की थी। राममूर्ति ने परास्नातक की शिक्षा लखनऊ विश्वविद्यालय से हासिल की।

स्नातक की शिक्षा के दौरान वाराणसी में राममूर्ति, महामना मदन मोहन मालवीय के संपर्क में आए। मालवीय जी ने उन्हें बालंटियर बनाकर इलाहाबाद कुंभ में सेवा के लिए भेजा। विश्वविद्यालय परिसर के स्वच्छता की जिम्मेदारी भी दी। इन कामों को जिम्मेदारी से करने से राममूर्ति मालवीय जी के काफी करीब आ गए और स्वाधीनता संग्राम में सक्रिय भागीदारी करने लगे। मालवीय जी के निर्देश पर वह वर्ष 1930 में महात्मा गांधी के सत्याग्रह आंदोलन में शामिल होने मुंबई (तत्कालीन बंबई) गए थे। वहां से वापस लौटते समय हमीरपुर में उन्हें गिरफ्तार कर जेल में डाल दिया। मात्र 20 वर्ष की उम्र में देश की आजादी के लिए राममूर्ति पहली बार गिरफ्तार हुए थे। महात्मा गांधी से प्रभावित राममूर्ति ने उनके सभी आंदोलनों में सक्रिय भूमिका निभाई थी। मार्च 1932 में सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान उन्हें गांधीवादी स्वतंत्रता सेनानी विचित्र नारायण शर्मा के साथ अंग्रेजों ने फिर गिरफ्तार किया था। राममूर्ति ने 1941 में बरेली के बहरपुरा में व्यक्तिगत सत्याग्रह किया। पिता की इच्छा का पालन करते हुए वे हाथी पर बैठकर सत्याग्रह में शामिल हुए। सात जनवरी 1941 को हाथी पर बैठकर वह जुलूस के साथ थाने पहुंचे और वहां अपनी गिरफ्तारी दी।

गांधी जी के आह्वान पर 1942 में शुरू होने वाले भारत छोड़ो आंदोलन से पहले ही अंग्रेजों ने राममूर्ति को गिरफ्तार लिया था। हर बार की तरह इस बार भी उन्हें दो वर्ष से ज्यादा जेल में बिताने पड़े। मधुर और मिलनसार स्वभाव के राममूर्ति को पं. गोविंद बल्लभ पंत, डॉ. संपूर्णानंद, सीबीगुप्ता और सुचेता कृपलानी ने मंत्री बनाकर अपने मंत्रिमंडल में स्थान दिया। राममूर्ति अपनी ही सरकार के अत्याचार का विरोध करने से पीछे नहीं रहे थे। इंदिरा गांधी के आपातकाल के फैसले का उन्होंने पुरजोर विरोध किया। बरेली में कचहरी पर सत्याग्रह किया, जहां सरकार के निर्देश पर उन्हें गिरफ्तार किया गया। उन्होंने हमेशा आम जनता को समृद्ध करने को अपना पहला कर्तव्य समझा और उनके हितों को प्राथमिकता दी। राममूर्ति ने स्वतंत्रता सेनानियों को दी जाने वाली पेंशन लेने से इनकार कर दिया था, क्योंकि उनका मानना था कि मातृभूमि के लिए उन्होंने जो कुछ भी किया, वह देशभक्ति के लिए था, न कि भौतिक लाभ के लिए। राममूर्ति ने 2 अक्टूबर 1988 को बैकुंठ धाम के लिए महाप्रयाण किया था। उनकी विरासत को अब उनके पुत्र देवमूर्ति सींच रहे हैं। देवमूर्ति ने अपने पिता राममूर्ति के नाम पर मेडिकल कॉलेज बनवाया और चिकित्सा जगत में विशेष पहचान बनाई है।

पांचवें राष्ट्रपति फारुखद्दीन की पत्नी आबिदा ने दो बार संसद में बरेली का नेतृत्व किया

भारत के पांचवें पूर्व राष्ट्रपति फारुखद्दीन अली अहमद की पत्नी बेगम आबदा ने संसद में दो बार बरेली का नेतृत्व किया। बरेली संसदीय क्षेत्र से वह दो बार सांसद चुनी गईं। आबिदा बेगम राजनीति में अलग शैली के लिए जानी जाती थीं। वर्ष 1984 के चुनाव से पहले इंदिरा गांधी उनके समर्थन में रैली करने के लिए नवाबगंज आई थीं। रामलीला मैदान में बनाए गए जनसभा स्थल पर दोनों हेलिकॉप्टर से एक साथ पहुंची थीं। अलग-अलग पार्टी होने के बावजूद वह भगवत सरन गंगवार के घर खाना खाने भी गई थीं। इंदिरा गांधी की इतनी करीबी थीं कि संसदीय क्षेत्र से संबंधित जनसमस्याओं को लेकर वह सीधे इंदिरा गांधी को फोन लगवा देती थीं। 1981 में उन्होंने यहां से पहला चुनाव जीता। बाहरी प्रत्याशी होने के बावजूद जनता ने वर्ष 1984 के चुनाव में दूसरी बार भी उन्हें चुनकर संसद पहुंचाया था। वर्ष 1989 के लोकसभा चुनाव में आबिदा बेगम को संतोष गंगवार से हार का सामना करना पड़ा था।

बरेली की पृष्ठभूमि सेनानियों राजनेताओं से भरी पड़ी

जिला प्रशासन के सरकारी आंकड़ों की बात करें तो उनके रिकार्ड में जनपदभर के 398 स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों का इतिहास दर्ज है। रिकार्ड देखने पर इन्हीं में से 20 से अधिक ऐसे सेनानियों की गाथा सामने आई, जिन्होंने लोकसभा और विधानसभा का सदस्य, जिला परिषद और नगर पालिका बरेली के चेयरमैन और सदस्य के रूप में भी लंबे समय तक कार्य कर बरेली को समृद्धि की ओर से ले जाने का काम किया। गौर करने की वाली बात यह है कि बरेली की पृष्ठभूमि सेनानियों और राजनेताओं से भरी पड़ी है।

आजादी में अहम भूमिका निभाने के साथ पालिका के अंग बन बरेली संवारी

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहे आजमनगर निवासी अब्दुल रऊफ ने बरेली नगर पालिका के अध्यक्ष रहकर बरेली शहर को विकसित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के दौरान कुछ दिनों के लिए नजरबंद रहने वाले अब्दुल उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहे। बताते हैं कि अब्दुल वाजिद आनरेरी मजिस्ट्रेट का पद त्यागकर कांग्रेस में शामिल हुए थे और 1940 में व्यक्तिगत सत्याग्रह आंदोलन में भाग लिया और एक वर्ष जेल में रहे। सेंट्रल असेंबली के सदस्य रहने के साथ बरेली नगर पालिका के अध्यक्ष भी रहे। वहीं, कूंचा रतनगंज निवासी गोपीनाथ साहू पुत्र कंटी लाल ने आजादी की अलख जगाने को जेल भी काटी। 1930 और 1940 में छह और नौ माह की सजा हुई। वह नगर पालिका बरेली के सदस्य रहे और जिला व कांग्रेस शहर कमेटी के अध्यक्ष भी रहे थे। बमनपुरी निवासी जियाराम सक्सेना अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के सदस्य रहने के साथ नगर पालिका बरेली के चेयरमैन भी रहे।

अटल, आडवाणी व कल्याण सिंह के चहेते राजवीर सिंह ने बरेली का डंका देशभर में बजाया

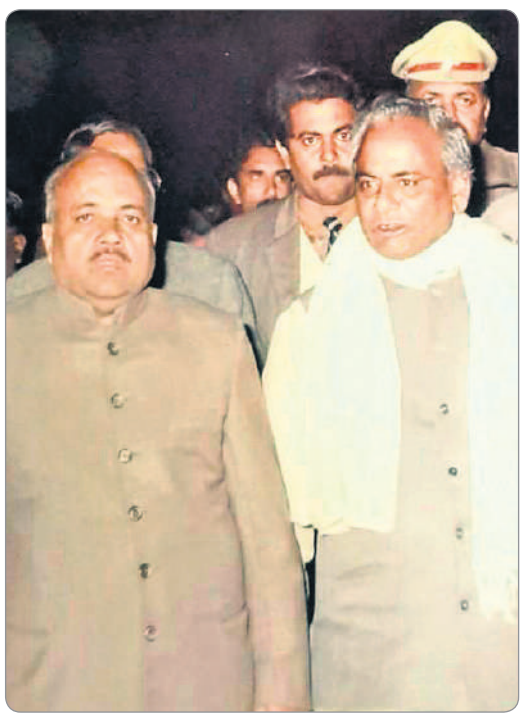

बरेली, अमृत विचार : आंवला के पूर्व सांसद राजवीर सिंह भले ही आज हमारे बीच नहीं हैं लेकिन भारतीय राजनीति में उनका नाम सदैव ऊंचा रहेगा। वह एक वरिष्ठ भारतीय राजनीतिज्ञ थे। वे तीन बार (1989, 1991 और 1998) आंवला लोकसभा सीट से भाजपा के टिकट पर सांसद रहे। जनसंघ से लेकर भाजपा तक में सांगठनिक भूमिकाएं निभाने वाले राजवीर सिंह भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी, पूर्व उप प्रधानमंत्री लालकृष्ण आडवाणी और दिवंगत मुख्यमंत्री कल्याण सिंह के बेहद करीबी सहयोगी थे। उन्होंने वरिष्ठ पदों पर रहकर बरेली को पहचान दिलाई और संसद में प्रमुखता से बरेली के विकास को आवाज उठाई। 1998 में लोकसभा के विघटन के बाद 1999 में एक बार फिर से सांसद बने थे। 2004 में वह समाजवादी पार्टी में शामिल हो गए थे। कल्याण सिंह और रामवती देवी के घर जन्मे राजवीर सिंह स्नातक थे। वह जनसंघ के सचिव, जनता पार्टी के महासचिव, उत्तर प्रदेश भाजपा के उपाध्यक्ष और एवं भाजपा किसान मोर्चा के राष्ट्रीय अध्यक्ष रह चुके थे। राष्ट्रीय अध्यक्ष रहते हुए उन्होंने किसानों की आवाज देशभर में बुलंद की। राजवीर सिंह की गिनती रुहेलखंड के जमीनी पकड़ रखने वाले नेता के रूप होती है। उन्हें हमेशा समाजसेवा और मूल्यों पर आधारित राजनीति के लिए याद किया जाएगा। उनके बेटे धीरेंद्र सिंह अब राजनीतिक विरासत संभाले हुए हैं। 15 मार्च 1959 को अलीगढ़ में पैदा हुए राजवीर सिंह का 29 दिसंबर 2021 को निधन हो गया।

कैंट सीट से एक परिवार की तीन पीढ़ियां विधायक बनीं

साबिर परिवार का बरेली में विकास की रफ्तार बढ़ाने में बड़ा योगदान रहा है। कैंट विधानसभा, जहां से एक परिवार की तीन पीढ़ियां ना केवल विधायक बनीं, बल्कि प्रदेश की राजनीति में अपना नया मुकाम भी हासिल किया। कैंट विधानसभा की राजनीति से ताल्लुक रखने वाला साबिर परिवार की तीन पीढ़ियों ने विधायकी के रूप में जनता के दिलों पर राज किया। सबसे पहले साबिर परिवार के मुखिया अशफाक अहमद विधायक बने, उसके बाद उनके बेटे इस्लाम साबिर विधायक बने, अब इस्लाम साबिर के बेटे शहजिल इस्लाम वर्तमान में भोजीपुरा सीट से विधायक हैं। साबिर परिवार की राजनीतिक विरासत की बात करें तो कैंट विधानसभा सीट पर साबिर परिवार के मुखिया अशफाक अहमद ने कांग्रेस उम्मीदवार बनकर 1969, 1977, 1980 और 1996 में लगातार चार बार विधायक बनने का गौरव हासिल किया था। इसके बाद अशफाक के बेटे इस्लाम साबिर ने वर्ष 1991 में कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ा और विधायक बने थे। 2002 के विधानसभा चुनाव की बात

है, इस्लाम साबिर ने सपा प्रत्याशी के रूप में कैंट सीट पर अपना नामांकन दाखिल किया, तब तक शहजिल को राजनीति में कोई दूर-दूर तक नहीं जानता था। साबिर का पर्चा खारिज हो गया तो उन्होंने अपनी राजनीतिक विरासत बेटे शहजिल को सौंपने का ऐलान कर दिया, तब लोगों को पता लगा कि शहजिल का नामांकन पहले ही हो गया था। सपा ने निर्दलीय होने के बाद भी शहजिल को समर्थन दिया और वह पहला चुनाव जीतकर विधायक बने। हालांकि, उस दौरान उनकी उम्र को लेकर भी सवाल उठे थे। वह उस वक्त सबसे कम उम्र में विधायक बने थे। वर्ष 2007 के विधानसभा चुनाव में शहजिल इस्लाम को सपा ने टिकट नहीं दिया तो वह बसपा में

शामिल हो गए। बसपा ने उन्हें कैंट से नहीं, विधानसभा भोजीपुरा से चुनाव लड़ाया। वह दूसरी बार जीतकर विधायक बने। उस समय मुख्यमंत्री मायावती ने शहजिल को मुस्लिम वक्फ का राज्य मंत्री बनाया था। 2012 के चुनाव में शहजिल को बसपा ने प्रत्याशी नहीं बनाया तो उन्होंने मौलाना तौकीर रजा खां का दामन थाम लिया और उनकी पार्टी- इत्तेहाद-ए-मिल्लत कौंसिल से भोजीपुरा सीट पर चुनाव मैदान में उतर गए। समीकरण ऐसे बने कि वह तीसरी बार जीतकर विधानसभा पहुंच गए, मगर उसके कुछ समय बाद मौलाना तौकीर रजा खां का साथ छोड़ दिया और समावादी पार्टी में शामिल हो गए थे।

पाकिस्तान जाकर शरणार्थियों को लाने वाले धर्मदत्त वैद्य ने कई बार मंत्री बन बरेली के लिए काम किया

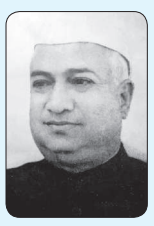

पीलीभीत रोड स्थित ब्रह्मकुटी निवासी धर्मदत्त वैद्य पुत्र पंडित शिव दयाल ने बरेली के लिए काफी कुछ किया। 1929 में कांग्रेस का दामन पकड़ राजनीति में पर्दापण करने वाले धर्मदत्त भारतीय चिकित्सा परिषद उत्तर प्रदेश और जिला बोर्ड बरेली के पदाधिकारी रहे। नगर कांग्रेस कमेटी में बरेली अध्यक्ष रहे। 1952 से लेकर 1967 तक उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहे। 1969 में पुन: विधानसभा सदस्य रहे। 1960 से 1962 तक उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री परिषद के सदस्य रहे और 1970 में भी उत्तर प्रदेश सरकार में राज्यमंत्री रहे थे। भारत को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाई। नौजवान भारत सभा पंजाब के कई वर्षों तक सदस्य रहने के साथ 1937 में रियासत पटौदी में प्रज्ञा परिषद का संगठन कर एक आंदोलन आरंभ किया था। 1942 में रुहेलखंड और कुमाऊं में आंदोलन संगठित करने के लिए प्रवेश द्वारा आर्गनाइजर नियुक्त किए गए थे। 1947 में पाकिस्तान जाकर शरणार्थियों का भारत में वापस लाने के सिलसिले में लायलपुर में कुछ समय तक नजरबंद किए गए। वर्तमान में धर्मदत्त की विरासत डॉ अनुपम शर्मा संभाले हुए हैं।

डॉ जौहरी ऐसी शख्सियत थे कि भाजपा को सिंबल बांटने के बाद टिकट बदलना पड़ा

बरेली शहर को विकास की रफ्तार देने में एक नाम डॉ दिनेश जौहरी का भी है। डॉ. जौहरी बरेली शहर विधानसभा सीट से लगातार तीन बार विधायक रहे। कल्याण सिंह सरकार में स्वास्थ्य मंत्री थे। शहर विधानसभा सीट से 1985 में डॉ. दिनेश जौहरी जब पहली बार विधायक चुने गए थे, तब प्रदेश में भाजपा के सिर्फ 14 विधायक थे। डॉ. जौहरी भाजपा के पहले शहर अध्यक्ष (अब महानगर) रहे थे। डॉ जौहरी ऐसी शख्सियत थे कि अकेले स्कूटर से जाकर नामांकन कराया और फिर भाजपा को टिकट बदलना पड़ा। बताते हैं कि 1985 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने राजकुमार अग्रवाल का टिकट तय फाइनल किया था। इसी बीच डॉ. दिनेश जौहरी भी नामांकन दाखिल कर आए। जबकि पार्टी का सिंबल राजकुमार अग्रवाल के पास था और वह कार्यकर्ताओं के साथ नामांकन करने गए थे। बताते हैं कि डॉ. दिनेश जौहरी अकेले स्कूटर से नामांकन कर आए थे। इसके बाद पार्टी संगठन ने बैठक कर तय किया कि शहर विधानसभा से डॉ. दिनेश जौहरी चुनाव लड़ेंगे। खुद राजकुमार अग्रवाल ने भी सहमति दी थी और अपना नामांकन वापस लिया था। इसके बाद राजकुमार अग्रवाल ने डॉ. दिनेश जौहरी को तिलक लगाकर समर्थन दिया था। इस तरह 1985 में चुनाव जीतकर वह पहली बार विधायक बने थे। इसके बाद 1989 में दूसरी बार और 1991 में जीत की हैट्रिक लगाई थी।

सेठ दामोदर स्वरूप बरेली में क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र थे

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी दामोदर स्वरूप सेठ पुत्र बहादुर लाल सेठ निवासी बिहारीपुर ने आजादी के बिगुल को बरेली में जमकर फूंका था। 1946 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रहने के बाद भारतीय सोशलिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य भी रहे। वह कांग्रेस पार्टी के टिकट पर संयुक्त प्रांत से विधानसभा के लिए चुने गए थे। विधानसभा में उनके हस्तक्षेप मौलिक अधिकारों और एक नई संविधान सभा की आवश्यकता पर केंद्रित थे। वह अंतरित संसद के सदस्य रहे। उन्होंने बरेली ही नहीं, बल्कि रोहिलखंड मंडल में 20 वीं सदी की क्रांति का अहम किरदार निभाया। सरदार भगत सिंह के युग तक सक्रिय रहने वाले क्रांतिकारी सेठ दामोदर स्वरूप बरेली में क्रांतिकारी गतिविधियों के केंद्र थे।

कोई विधायक तो कोई जिला परिषद का अध्यक्ष बन बरेली के लिए जिया

देश को आजादी दिलाने में अहम भूमिका निभाने के साथ बमनपुरी निवासी नौरंगलाल पुत्र शंकर लाल ने 1962 से लेकर 1967 तक विधायक रहकर विधानसभा में बरेली की आवाज बुलंद की थी। सविनय अवज्ञा आंदोलन में भाग लेने पर उन्हें छह माह कैद हुई थी। भारत छोड़ो आंदोलन में 9 अगस्त 1942 में जेल गए और 1944 से सेंट्रल जेल बरेली से छूटे थे। जिला भ्रष्टाचार निरोधक समिति के अध्यक्ष रहे। वहीं, भुता थाना क्षेत्र के बुधौली निवासी पृथ्वी राज सिंह डिप्टी कलेक्टर का पद त्यागकर आजादी की लड़ाई में कूदे थे। 19 वर्षों तक जिला कांग्रेस कमेटी बरेली के अध्यक्ष रहे। 1937 में विधानसभा के सदस्य भी रहे थे। रामबाग निवासी प्रताप चंद्र आजाद पुत्र रंगीलाल सिन्हा 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन में जेल गए।

1947 में उत्तर प्रदेश छात्र संघ के अध्यक्ष चुने गए और फिर उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य बने और इसके बाद जिला परिषद बरेली के अध्यक्ष। उन्होंने बरेली के लिए काफी कुछ किया। वहीं, कूचा सीताराम निवासी ब्रज मोहन लाल शास्त्री पुत्र भजन लाल ने आजादी की अलख जगाने के साथ नगर और जिला परिषद के अध्यक्ष रहकर सामाजिक कार्य किए। उत्तर प्रदेश विधानसभा के सदस्य रहकर बरेली की आवाज उठाई। असहयोग आंदोलन में पढ़ाई छोड़ने वाले ब्रज मोहन को 1930 में आईपीसी की धारा 124 में दो वर्ष की सजा हुई थी। ग्राम चठिया निवासी बाबूराम पुत्र भोलानाथ आजादी मिलने के बाद 1957 में विधानसभा सदस्य चुने गए थे। बुधौली निवासी मोती सिंह वकील बरेली जिला बोर्ड के चेयरमैन रहे थे। नवाबगंज तहसील के बीजामऊ निवासी शिवराज बहादुर पुत्र मुंशी हजारी लाल ने उत्तर प्रदेश विधानसभा का सदस्य रहकर बरेली को आगे बढ़ाया।

शिक्षामंत्री बन नवल किशोर ने शिक्षा तो दरबारी लाल ने चिकित्सा क्षेत्र में प्रदेश को आगे बढ़ाया

बारादरी थाना क्षेत्र के जगतपुर निवासी दरबारी लाल शर्मा ने बरेली का डंका पूरे भारत में चिकित्सा क्षेत्र में लहराया।1930 के आंदोलन में एक वर्ष कैद काटने वाले दरबारी लाल शर्मा इंडियन मेडिकल बोर्ड के सदस्य रहे। उत्तर प्रदेश विधान परिषद के सदस्य रहने के साथ जिला परिषद के अध्यक्ष भी बने। वहीं उनकी कुसुम कुमारी जिला परिषद बरेली की सदस्या रहीं। वहीं, आंवला निवासी नवल किशोर पुत्र रघुवर दयाल ने 1941-42 के व्यक्तिगत सत्याग्रह और भारत छोड़ो आंदोलन में भाग लिया। जिला बोर्ड बरेली के सदस्य और बोर्ड की जिला समिति के चेयरमैन रहे। 1948-1949 में रामपुर से विधानसभा के सदस्य रहे थे। 1955 से लेकर 1960 तक विधानसभा की प्रक्कलन समिति के सभापति रहे। उत्तर प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस लेजिसलेचर पार्टी के सचिव और यूनिवर्सिटी एजुकेशन कमेटी के वाइस चेयरमैन रहे। 1959 में भारत के प्रतिनिधि के रूप में कामनवेल्थ एसोसिएशन कान्फ्रेंस कैनवेरा (आस्ट्रेलिया) गए। 1961 में गृह तथा कृषि विभाग के उप मंत्री नियुक्त हुए थे। उत्तर प्रदेश सरकार में शिक्षामंत्री भी रहे।

बरेली के पहले सांसद सतीश चंद्र ने संविधान के निर्माण में निभाई थी अहम भूमिका

देश के संविधान के निर्माण में बरेली की भी भागीदारी रही है। संविधान के निर्माण के लिए देश भर से चुने गए 389 सदस्यों में से बरेली के दो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी भी रहे। इसमें एक थे सतीश चंद्र। सतीश चंद्र ने आजादी मिलने के बाद कई मंत्रालयों में डिप्टी मिनिस्टर रहकर बरेली का प्रतिनिधित्व किया। शहर के आलमगिरीगंज निवासी सतीश चंद्र देश को आजादी दिलाने के आंदोलन में तीन बार जेल में सलाखों के पीछे गए। दो साल तक भारतीय संविधान सभा के सदस्य रहे।

संविधान की स्वीकृति के बाद वर्ष 1950 से 1952 तक देश की अंतरिम संसद के सदस्य रहे। उसी समय इनकी योग्यता, कार्यक्षमता से प्रभावित होकर प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू ने वर्ष 1951 में इन्हें अपना संसदीय सचिव नियुक्त किया था। वर्ष 1952 में वह बरेली के पहले सांसद बने थे। इसके बाद अगले ही चुनाव में फिर सांसद चुने गए। तीसरी बार 1971 में सांसद चुने गए। इस दौरान वह कई मंत्रालयों में डिप्टी मिनिस्टर यानी उपमंत्री भी रहे थे। पंडित नेहरू के अलावा वह पूर्व प्रधानमंत्री लाल बहादुर शास्त्री और इंदिरा गांधी के करीबियों में गिने जाते थे। जानकार बताते हैं कि बरेली संसदीय क्षेत्र की शुरुआत 1952 में सिर्फ तीन लाख 41 हजार वोटरों के साथ हुई थी, जो अब 18 लाख का आंकड़ा पार कर चुकी है। आजादी के बाद 1952 में देश के पहले आम चुनाव में बरेली संसदीय क्षेत्र की पहचान बरेली साउथ सीट के नाम से थी। आंवला और बहेड़ी भी इसी संसदीय क्षेत्र में शामिल होने के बावजूद मतदाताओं की संख्या तीन लाख 41 हजार 976 थी। चुनाव में 1,29,142 लोगों ने ही मतदान किया था। 66,740 वोट पाकर सतीश चंद्र पहले सांसद चुने गए थे।

1957 में चार लाख तीन हजार 446 मतदाता हो गए। इस चुनाव में एक लाख 86 हजार 971 वोट पड़े। सतीश चंद्र 94727 वोट पाकर दूसरी बार संसद पहुंचे। परिसीमन के बाद 1967 में भारी वृद्धि के साथ मतदाता संख्या पांच लाख 13 हजार 149 पर पहुंच गई। चुनाव में दो लाख 82 हजार 35 वोट पड़े, जिनमें से एक लाख 12 हजार 698 वोट पाकर बीबी लाल सांसद बने थे। पांचवीं लोकसभा के लिए 1971 में हुए चुनाव में पांच लाख 49 हजार 804 वोटर थे। इसमें से दो लाख 33 हजार 418 वोट पड़े और एक लाख 15 हजार 495 वोट पाकर सतीश चंद्र तीसरी बार संसद पहुंचे थे। अब उनके बेटे सिविल लाइंस में आवास विकास कालोनी में परिवार के साथ रहते हैं।

प्रस्तुति : राकेश शर्मा

अमृत विचार

बुधवार, 3 दिसंबर 2025

अपनी मुस्कान से दुनिया बदल दो। दुनिया को अपनी मुस्कान कभी मत बदलने दो।

–श्री श्री रविशंकर, आध्यात्मिक गुरु

सामयिक चेतावनी

विदेश मंत्री एस जयशंकर द्वारा जैविक खतरों से निपटने के लिए आधुनिक, मजबूत और समावेशी वैश्विक फ्रेमवर्क तैयार करने की अपील एक उभरते वैश्विक संकट की सामयिक चेतावनी है। कोविड-19 महामारी ने दुनिया को यह सिखा दिया कि बीमारियां अब भूगोल नहीं पहचानतीं और संक्रमण की रफ्तार और प्रभाव किसी मिसाइल से कम विनाशकारी नहीं होती। कोई भी दुश्मन देश इस तरह के रोगजनक वायरस, बैक्टीरिया से हमला कर कभी भी तबाही मचा सकता है। ऐसे में जैव-सुरक्षा को लेकर वैश्विक तैयारी, सहयोग और नियंत्रण तंत्र को मजबूत करना समय की अनिवार्यता है। जयशंकर का कहना कि जब तक जैव-सुरक्षा असमान रहेगी, वैश्विक सुरक्षा भी असमान और कमजोर रहेगी, इस वास्तविकता की ओर संकेत करता है कि यदि किसी क्षेत्र में महामारी का विस्फोट होता है और वहां की स्वास्थ्य प्रणाली नाकाम रहती है, तो उसका प्रभाव वैश्विक स्तर पर फैल सकता है।

समृद्ध देशों की उन्नत चिकित्सा प्रणाली भी तब तक सुरक्षित नहीं रह सकती जब तक बाकी दुनिया सुरक्षित न हो। यही कारण है कि ग्लोबल साउथ की कमजोर स्वास्थ्य सेवाएं और वैक्सीन तक असमान पहुंच आज विश्व-व्यापी जोखिम है। अफ्रीका, लैटिन अमेरिका और दक्षिण एशिया के कई देशों में निगरानी, जांच प्रणाली ध्वस्त है। सक्षम लैब, आइसोलेशन और उपचार की क्षमता कम है और दवाओं-वैक्सीन की आपूर्ति राजनीतिक-आर्थिक कारणों से बाधित रहती है। इन स्थितियों में किसी जैविक हथियार का हमला किसी एक देश की सीमाओं से परे जाकर पूरी मानवता को जोखिम में डाल सकता है। अनेक देशों में आपातकालीन प्रतिक्रिया धीमी है, प्रशिक्षण अपर्याप्त है और अनुसंधान तथा जैव-प्रौद्योगिकी में निवेश बेहद कम। साफ है कि स्वास्थ्य ढांचा जितना कमजोर होगा, जैविक हमलों या आकस्मिक जैव-दुर्घटनाओं का खतरा उतना अधिक होगा। पहले तो जैविक बीमारियों का हथियारों के रूप में इस्तेमाल रोकने के लिए वैश्विक स्तर पर पारदर्शिता, निगरानी और बायो-सेफ्टी प्रोटोकॉल को बाध्यकारी बनाया जाना चाहिए। कम लागत में अत्यधिक विनाशकारी परिणाम पैदा करने वाले जैविक हथियार भारत और दुनिया के लिए बड़ा खतरा इसलिए भी हैं, क्योंकि देश के पड़ोस में कुछ देशों पर जैविक कार्यक्रमों को आगे बढ़ाने या गुप्त अनुसंधान से जुड़े आरोप समय-समय पर लगते रहे हैं। यह स्थिति भारत के लिए सावधानी बरतने, निगरानी बढ़ाने और वैज्ञानिक क्षमता सुदृढ़ करने की मांग करती है।

भारत के पास अनेक स्तरों पर मजबूत जैव-रक्षा क्षमता मौजूद है। परंतु यह भी सच है कि भविष्य की जैव-सुरक्षा चुनौतियां कहीं अधिक जटिल होंगी, जिनसे निपटने के लिए निरंतर निवेश, तकनीकी आधुनिकीकरण और अंतर्राष्ट्रीय साझेदारी अनिवार्य है। विश्व और भारत दोनों को अब जैव-सुरक्षा निगरानी तंत्र मजबूत करना, उद्योग और अनुसंधान संस्थानों में बायो-एथिक्स लागू करना और महामारी-पूर्व तैयारी को सैन्य-स्तर की प्राथमिकता देना आवश्यक है। दुनिया को इस चेतावनी को गंभीरता से लेना होगा, ताकि जैविक हथियारों और महामारीजनित खतरों से सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

प्रसंगवश

हॉलमार्किंग के नए अध्याय से रुक सकेगा फ्रॉड

देश में सोने-चांदी के बढ़ते कारोबार और ग्राहकों में शुद्धता को लेकर बढ़ती जागरूकता को देखते हुए केंद्र सरकार अब एक बड़ा कदम उठाने जा रही है। अभी तक केवल सोने और चांदी के आभूषणों पर हॉलमार्किंग अनिवार्य थी, लेकिन अब सरकार इसे सोने-चांदी की ईंटों (Bars) और छड़ों (Bullion) पर भी लागू करने की तैयारी कर रही है। यह निर्णय न केवल उद्योग जगत के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि ग्राहकों के लिए भी भरोसे को और मजबूत करने वाला साबित होगा।

भारत में हॉलमार्किंग की शुरुआत भारतीय मानक ब्यूरो (BIS) ने वर्ष 2000 में की थी। उस समय इसका उद्देश्य एक ही था, ग्राहकों को शुद्ध सोना और चांदी उपलब्ध कराना और बाजार में मिलावट तथा कम कैरेट वाले आभूषणों की बिक्री पर रोक लगाना। यह पहल काफी हद तक सफल भी रही और आज ज्वेलरी खरीदते समय ग्राहक सबसे पहले हॉलमार्क अवश्य देखते हैं। इस वजह से आभूषण उद्योग में एक पारदर्शी और विश्वसनीय प्रणाली विकसित हुई।

धनीश शर्मा

बरेली

हॉलमार्किंग की अवधारणा दुनिया में बहुत पुरानी है। इसका सबसे पहला औपचारिक रिकॉर्ड इंग्लैंड के लंदन शहर में मिलता है, जहां वर्ष 1300 में राजा एडवर्ड ने सोने-चांदी के सामान पर सरकारी शुद्धता-मोहर अनिवार्य कर दी थी। इसे दुनिया की पहली मानकीकृत हॉलमार्किंग प्रणाली माना जाता है। इस ऐतिहासिक परंपरा का उद्देश्य था कि उपभोक्ता को वही गुणवत्ता मिले, जिसके लिए वह भुगतान कर रहा है। आज भारत भी इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम आगे बढ़ाने जा रहा है।

सरकार द्वारा अब सोने-चांदी की ईंटों और कच्चे माल पर हॉलमार्किंग लागू किए जाने से बाजार में कई सकारात्मक बदलाव आएंगे। अभी तक हॉलमार्किंग केवल ज्वेलरी तक सीमित थी, जिससे बड़े पैमाने पर सोना खरीदने-बेचने वाले व्यापारी और निवेशक पूरी तरह सुरक्षित महसूस नहीं कर पाते थे। छड़ों पर हॉलमार्किंग लागू होने के बाद व्यापारियों को भी भरोसे के साथ कारोबार करने में सुविधा होगी।

सोने-चांदी के व्यापार में अक्सर मिलावट, कम शुद्धता, नकली बार और गलत कैरेट का जोखिम बना रहता है। खासकर छड़ों के मामले में ग्राहकों को असली-नकली में अंतर समझना मुश्किल हो जाता है। सरकार का यह कदम इन सभी अनियमितताओं पर लगाम लगाने में मदद करेगा। एक समान मानक लागू होने से पूरे देश में सोने-चांदी की खरीद-फरोख्त और अधिक पारदर्शी होगी। साल 2000 में हॉलमार्किंग की शुरुआत का मुख्य मकसद था- शुद्धता की गारंटी, ग्राहकों को सही धातु मिले और व्यापारी गलत शुद्धता बताकर ज्यादा लाभ न कमा सकें। अब जब यह नियम कच्चे माल और ईंटों तक बढ़ाया जा रहा है, तो इससे बाजार में नकली और असली सोने-चांदी को लेकर कोई भ्रम नहीं रहेगा। उपभोक्ता को विश्वास होगा कि वह जो खरीद रहा है, वह प्रमाणित और असली है। इससे व्यापार करने वालों की जवाबदेही भी बढ़ेगी।

हॉलमार्किंग कीमती आभूषणों की शुद्धता का प्रमाण है। इसी प्रमाणिकरण से ग्राहकों को पता चलता है कि सोना कितना शुद्ध है। सोने के आभूषणों के असमान मानकों को देखते हुए ही जून 2021 से सोने के आभूषणों पर हॉलमार्क स्टांप अनिवार्य किया गया। पहली सितंबर 2025 से चांदी और कलाकृतियों के लिए इसे व्यापारियों की इच्छा पर छोड़ा गया था, जिसके बाद शानदार परिणाम देखने को मिले।

मोदी-पुतिन की मुलाकात से बेचैन अमेरिका

दिग्विजय सिंह

कानपुर

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और भारतीय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी। इस मुलाकात से अमेरिका की बेचैनी बढ़ गई है।

शंघाई कोऑपरेशन ऑर्गनाइजेशन (एससीओ) समिट के दौरान चीन में हुई मुलाकात के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मुलाकात इसी हफ्ते फिर होगी। इस दौरान स्पेशल और प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने का विजन तय किया जाएगा। साथ ही आपसी फायदे के रीजनल और ग्लोबल मुद्दों पर विचारों का लेन-देन दोनों नेता करेंगे। इस दौरान कई अहम रक्षा सौदे भी होंगे। पुतिन का भारत दौरा दोनों देशों के रिश्तों को और मजबूत करेगा। साथ ही व्यापारिक, आर्थिक और रणनीतिक दृष्टि से भी काफी खास होगा। स्पेशल एंड प्रिविलेज्ड स्ट्रेटेजिक पार्टनरशिप को मजबूत करने की राह भी पुतिन का यह दौरा तय करेगा। यही वजह है कि अमेरिका और यूरोपियन यूनियन की नजर इस दौरे पर है।

राष्ट्रपति पुतिन के दौरे पर सबसे बड़ा रक्षा सौदा एस- 400 वायु रक्षा प्रणाली की खरीद से जुड़ा है। एस-400 भारत के 'सुदर्शन चक्र वाले चक्रव्यूह' का अहम हिस्सा है। एस-400 वायु रक्षा प्रणाली ने ऑपरेशन सिंदूर के दौरान पाकिस्तानी मिसाइलों को हवा में ही नष्ट कर दिया था। इससे पाकिस्तान चाहकर भी किसी भी भारतीय भूभाग को क्षति नहीं पहुंचा सका था। इसके साथ ही सुखोई-57 लड़ाकू विमान की खरीद से जुड़ा सौदा भी हो सकता है। रूस का अत्याधुनिक सुविधाओं वाला यह लड़ाकू विमान जो युद्ध का नक्शा बदलने में सक्षम है।

4-5 दिसंबर को भारत आ रहे रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 23वें भारत-रूस वार्षिक सम्मेलन में शामिल होंगे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ ही राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू से भी उनकी मुलाकात होगी। उनके दौरे से पहले रूस की संसद स्टेट डूमा ने भारत के साथ कई अहम और बड़े सैन्य समझौते की पुष्टि की घोषणा कर दी है। संसद का यह फैसला दर्शाता है कि भारत और रूस के मजबूत रिश्तों के बीच कोई देश नहीं आ सकता है। भारत-रूस के रिश्ते पहले से ही मजबूत रहे हैं। हमारी रक्षा प्रणाली को मजबूत करने का मसला रहा हो या कोई अन्य मुद्दा। रूस हमेशा भारत के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ा रहा। संयुक्त राष्ट्र संघ व अन्य मंचों पर भारत का पक्ष मजबूती से रखता है।

वीटो पॉवर के साथ संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी सदस्यता का प्रबल समर्थक रूस से भारत कारोबार न करे, इसके लिए अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने 50 प्रतिशत टैरिफ लगा दिया है, हालांकि भारत अमेरिका के दबाव में नहीं आया और अब भी बड़े पैमाने पर तेल खरीद रहा है। इससे भारत ने अमेरिकी राष्ट्रपति ही नहीं, बल्कि दुनिया के सभी देशों को बता दिया है कि भारत और रूस की दोस्ती सदाबहार है। उसे किसी टैरिफ के माध्यम से तोड़ा नहीं जा सकता है। अब इस रिश्ते को और मजबूती देने पुतिन भारत आ रहे हैं। उनके इस दौरे पर न सिर्फ अमेरिकी थिंक टैंक की निगाहें लगी हुई हैं, बल्कि यूरोपीय देश भी दौरे के दौरान होने वाले समझौतों के बारे में जानने को उत्सुक नजर आ रहे हैं।

अमेरिका भारत को F-35 फाइटर जेट बेचना चाहता है, जबकि रूस सुखोई-57 बेचने और टेक्नोलॉजी ट्रांसफर करने के लिए तैयार है। ऐसे में उम्मीद है कि पीएम मोदी से सुखोई-57 लड़ाकू विमान के सौदे पर समझौता हो सकता है। रूस ने भारत के साथ सुखोई-57 लड़ाकू विमान का भारत में ही सह-उत्पादन करने का ऑफर भी दे चुका है। अगर समझौता होता है तो फिर सुखोई-57 के जरिए रक्षा क्षेत्र में मेक इन इंडिया के सपने को नई उड़ान मिल सकती है। साथ ही भारतीय एयरफोर्स की ताकत में कई गुना इजाफा हो जाएगा।

इस वक्त रूस और युक्रेन के बीच जबरदस्त युद्ध हो रहा है। अमेरिका दोनों देशों के बीच शांति समझौता कराने की कोशिश भी कर रहा है। माना जा रहा है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और पुतिन के बीच इस युद्ध को लेकर भी चर्चा हो सकती है, क्योंकि भारत लगातार युद्ध के बजाय बातचीत से मामले को सुलझाने पर जोर देता रहा है। पीएम मोदी पुतिन से पहले ही कह चुके हैं कि यह समय युद्ध का नहीं है। रूस के साथ होने वाले सैन्य समझौते से हिंद-प्रशांत क्षेत्र में भारतीय सेना का दबदबा बढ़ जाएगा। हमारी नौसेना के तलवार- श्रेणी के फ्रिगेट और विमानवाहक पोत कठिन आर्कटिक परिस्थितियों में भी रूसी उत्तरी बेड़े के बंदरगाहों में लॉजिस्टिक सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही रूस की नौसेना भारतीय नौसैनिक अड्डों का उपयोग करके हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपनी मौजूदगी आसानी से बढ़ा सकेगी।

रूस ने फ्रांस, अमेरिका, सिंगापुर, वियतनाम और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ ऐसे लॉजिस्टिक समझौते बहुत पहले ही कर रखा है। रूस को भारत के दक्ष कार्मिकों की जरूरत है। ऐसे में अभी तक भारतीयों के लिए रूस में जो कोटा सीमित था, उसे बढ़ाने की तैयारी भी है। इस संबंध में भी रूस से समझौता हो सकता है, जो भारतीयों के लिए रोजगार के नए अवसर उपलब्ध कराएगा। रूस की मंशा है कि मशीनरी और इलेक्ट्रॉनिक्स जैसे क्षेत्रों में भारतीय कुशल कामगार उसके देश में कार्य करें। अभी बड़े पैमाने पर वहां भारतीय लोग निर्माण और कपड़ा क्षेत्र से जुड़े उद्योगों में काम कर रहे हैं।

दोहा में भारत के श्रम मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने वहां के श्रम मंत्री से मुलाकात के दौरान इस मुद्दे पर चर्चा की थी। इस वार्ता के सकारात्मक परिणाम सामने आने की उम्मीद पुतिन के दौरे पर दिख रही है। पुतिन के दौरे को अमेरिका और यूरोपीय देश अलग चश्मे से देख रहे हैं। वे प्रचारित कर रहे हैं कि पुतिन का दौरा अमेरिका के विरुद्ध मोर्चेबंदी के लिए हो रहा है, जबकि ऐसा नहीं है। पीएम मोदी जो विश्व में शांति के पक्षधर हैं, उनका मकसद रूस से संबंध को और मजबूत करने के साथ ही भारतीय सीमाओं की सुरक्षा और कारोबार को और मजबूती देना है।

आमने

यह बलिया है। यहां के लोग अंग्रेजों के दलाल थे। दलाली का सिस्टम चल रहा है अभी भी, इसीलिए बलिया अभी भी बर्बाद है। नहीं तो बलिया बागी बलिया था। अंग्रेजों को मारकर भगाया था। देश को आजाद कराया था।

–संजय कुमार निषाद

काबीना मंत्री

उत्तर प्रदेश सरकार

सामने

जो व्यक्ति निषाद समाज को गुमराह करता है, वह बलिया जैसे ऐतिहासिक जनपद को 'दलाल' कह रहा है। बलिया की धरती 'बागी बलिया' के नाम से जानी जाती है, जहां 1942 में चित्तू पांडे की अगुवाई में आजादी का पहला बिगुल बजा था।

–कमलेश सिंह

जिलाध्यक्ष

करणी सेना-बलिया

शीतकालीन सत्रः टकराव व संवाद की चुनौती

कांतिलाल मांडोत

वरिष्ठ पत्रकार

पहली दिसंबर से आरंभ हुआ संसद का शीतकालीन सत्र, पहले ही दिन उस सौहार्द और गंभीरता से दूर दिखाई दिया, जिसकी एक लोकतांत्रिक संस्था से अपेक्षा की जाती है।

शीतकालीन सत्र हमेशा से राजनीतिक तापमान का आईना माना जाता रहा है। वर्ष के अंतिम महीने में जब केंद्र सरकार अपनी उपलब्धियों और नीतिगत प्रतिबद्धताओं को आगे बढ़ाने की कोशिश करती है, तब विपक्ष इसे जवाबदेही और जनहित के मुद्दों को उठाने के अवसर के रूप में देखता है। इसी उम्मीद और उत्सुकता के बीच पहली दिसंबर से आरंभ हुआ संसद का यह शीतकालीन सत्र, अपने पहले ही दिन उस सौहार्द और गंभीरता से दूर दिखाई दिया, जिसकी एक लोकतांत्रिक संस्था से अपेक्षा की जाती है। पहले दिन राज्यसभा की कार्यवाही दोपहर दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। कारण वही पुराना-हंगामा, नारेबाजी और तीखी राजनीतिक तल्खी।

सत्र शुरू होते ही प्रधानमंत्री मोदी ने विपक्ष और सत्ता पक्ष दोनों को एक स्पष्ट संदेश दिया कि संसद का मंच राजनीति की लड़ाई का एरिना नहीं, बल्कि जनता के मुद्दों पर काम करने का स्थान है। उनकी टिप्पणी, सदन में ड्रामा नहीं, डिलेवरी चाहिए, में सिर्फ राजनीतिक व्यंग्य नहीं था, बल्कि कार्य संस्कृति पर गंभीर चिंता का संकेत भी झलक रहा था। पीएम मोदी ने विपक्ष से यह भी कहा कि चुनाव परिणामों में पराजय मिलना राजनीतिक जीवन का अंग है, लेकिन पराजय की निराशा में डूबकर सदन को ठप कर देना लोकतांत्रिक मर्यादा के अनुकूल नहीं है। उन्होंने यह भी जोड़ा कि सरकार ट्रिप्स जैसी बहसों और विधायी चुनौतियों का सामना करने के लिए तैयार है, लेकिन यह तभी संभव है जब विपक्ष मजबूत मुद्दे उठाए व सहयोग की भावना दिखाए।

सत्र की शुरुआत से पहले ही एक बड़ा राजनीतिक तूफ़ान उस वक्त खड़ा हो गया, जब राज्यसभा के पूर्व सभापति जगदीप धनखड़ ने अचानक इस्तीफा दे दिया। मुख्यमंत्री, राज्यपाल और उपराष्ट्रपति जैसे पदों को संभाल चुके धनखड़ के इस निर्णय ने राजनीतिक हलचल बढ़ा दी। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने इसे असामान्य कदम बताते हुए सवाल किया कि इतनी बड़ी संवैधानिक जिम्मेदारी छोड़ने के पीछे कौन-सा दबाव या परिस्थिति रही होगी! खड़गे की टिप्पणी पर भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने तीखी प्रतिक्रिया दी और कहा कि अगर खड़गे जी को इस विषय में बहुत तकलीफ हो रही है, तो उन्हें डॉक्टर को दिखाना चाहिए।

यह बयान दर्शाता है कि आने वाले दिनों में सत्ता और विपक्ष के बीच वाद-विवाद कैसे मोड़ ले सकता है। सत्र का एजेंडा बड़ा, लेकिन माहौल गर्म है। शीतकालीन सत्र पहली दिसंबर से 19 दिसंबर तक आयोजित होना है। कुल 15 बैठकें प्रस्तावित हैं और सरकार लगभग 10 विधेयक पेश करने की तैयारी में है। इनमें तंबाकू और पान मसाला पर सेस लगाने वाला बिल, दिवाला कानून में सुधार और जनविश्वास संशोधन जैसे महत्वपूर्ण विधायी प्रस्ताव शामिल हैं।

संसदीय समितियों को भी कई रिपोर्टें प्रस्तुत करने के लिए अतिरिक्त समय दिया गया है, लेकिन पहले ही दिन विपक्ष ने एसआईआर मुद्दे पर जोरदार हंगामा किया। इससे सरकार के विधायी कार्यक्रम पर अनिश्चितता के बादल मंडराते नजर आए। सरकार का आरोप है कि विपक्ष बिना पर्याप्त चर्चा के सिर्फ बाधा उत्पन्न करने की रणनीति अपना रहा है। वहीं विपक्ष का कहना है कि उसके सवालों का संतोषजनक उत्तर नहीं दिया जा रहा और सरकार संवेदनशील मुद्दों पर चर्चा से बच रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सदन में हो रहे व्यवधानों पर स्पष्ट अपील की। मेरी चिंता यह है कि सदन चले। जनता हम सब से काम की उम्मीद करती है।

सत्र की शुरुआत में सीपी राधाकृष्णन को राज्यसभा के नए सभापति के रूप में स्वागत किया गया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने खड़गे पर आरोप लगाया कि उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति के लिए अनुचित शब्द बोले। यह आरोप भी सत्र के शुरुआत में तनाव का एक और सूत्र बन गया। विपक्ष के भीतर भी समानता नहीं, लेकिन भिन्न आवाजें सुनाई दी। हंगामे के इस माहौल में विपक्ष के भीतर भी अलग-अलग स्वर सुनाई दिए। गोगोई ने कहा कि अगर विपक्ष के मुद्दों को सत्र में उचित स्थान और चर्चा मिले, तो वे सरकार के सभी विधेयकों पर सहयोग करने को तैयार हैं। यह बयान संकेत देता है कि विपक्ष की मंशा केवल हंगामा करना नहीं है, बल्कि बहस और संवाद भी चाहता है। यदि उसे सम्मानजनक अवसर मिले।

हालांकि, इस बीच राहुल गांधी सदन से उस समय बाहर निकल गए, जब कार्यवाही हंगामे के कारण रुकावट का सामना कर रही थी। यह घटना भी राजनीतिक व्याख्याओं का विषय बनी। लोक जनशक्ति पार्टी के नेता चिराग पासवान ने विपक्ष के विरोध को लेकर व्यंग्यात्मक टिप्पणी की। हंगामा करने वाला अपनी छवि चमकाता है, लेकिन काम नहीं करता। पासवान के इस वक्तव्य ने सत्ता पक्ष की उस भावना को मजबूत किया, जिसमें वे कहते हैं कि विपक्ष सिर्फ नकारात्मक राजनीति कर रहा है और संसद के संचालन में बाधा डाल रहा है।

पहले दिन जिस प्रकार कार्यवाही बाधित हुई, उसने इस विवाद को फिर जन्म दिया कि क्या लगातार हंगामे के माध्यम से विपक्ष अपनी भूमिका को कमजोर कर रहा है, या यह उनके लिए मजबूरी है, क्योंकि सरकार उन्हें बोलने का पर्याप्त अवसर नहीं देती? सत्ता पक्ष का तर्क है कि हंगामा लोकतांत्रिक परंपराओं के खिलाफ है।

सोशल फोरम

सर्दियों के दौरान बर्फ में बदल जाता है वुड फ्रॉग

अमित कुमार

ब्लॉगर

सोचिए अगर इंसान ऐसा कर पाता, तो डॉक्टर की ज़रूरत ही नहीं रहती। एक पल में बर्फ बन जाओ और सीधी धूप लगते ही वापस 'ज़िंदा'! साइंस फिक्शन जैसा लगता है, लेकिन प्रकृति ने ये कमाल पहले से ही बना रखा है। उत्तरी अमेरिका और कनाडा के सर्द जंगलों में एक छोटा सा मेंढक रहता है वुड फ्रॉग (Wood Frog)। इसकी सुपरपावर पागल कर देने वाली है। इससे वैज्ञानिक भी हैरान हैं। जैसे ही तापमान शून्य से नीचे गिरता है। यह मेंढक जानबूझकर खुद को फ्रीज़ कर देता है।

शरीर का 70% पानी बर्फ बन जाता है। दिल की धड़कन बंद हो जाती है। सांस बंद। दिमाग की गतिविधि शून्य हो जाती है। स्पर्श करने पर पूरा शरीर लकड़ी जैसा कठोर लगता है। देखने में यह मरा हुआ लगता है, लेकिन सच में जिंदा रहता है! इसे वैज्ञानिक 'Living Dead' भी कहते हैं।

इसके खून में ग्लूकोज अचानक 100 गुना बढ़ जाता है, जो नेचुरल एंटीफ्रीज़ की तरह काम करता है। कोशिकाएं जमती नहीं, सिर्फ बाहर की बर्फ जमती है शरीर सुरक्षित रहता है। जैसे ही बसंत की पहली धूप आती है, ये मेंढक मिनटों में पिघलकर फिर से कूदने लगता है, मानो कुछ हुआ ही न हो! उसके बाद यह मेंढक सामान्य जीवन जीने लगता है।

सरीसृप वर्ग के कई और जीव शीत निद्रा में चले जाते हैं। छिपकली, सांप और दूसरे सामान्य मेंढकों में यह आम बात है। सर्दी आने से पहले वह खूब खा पीकर मोटे हो जाते हैं। सर्दी आते ही वह गहरी नींद में चले जाते हैं, लेकिन इनके उलट यह मेंढक 'फ्रीज' हो जाता है, जो अपने आप में काफी अद्भुत है।

प्रकृति का ये चमत्कार हर बार दंग कर देता है। जिंदगी कितनी जिद्दी हो सकती है? ये वुड फ्रॉग से बेहतर कोई नहीं सीखा सकता है।

–फेसबुक वाल से

सामयिकी

मानव घुसपैठ से आक्रामक हो रहे हैं वन्य जीव

उत्तराखंड के कुमाऊं और गढ़वाल मंडल में जंगल से लगे गांवों में बाघ, गुलदार, भालू और जंगली सुअरों के हमले बढ़ते जा रहे है। पिछले दो हफ्तों मे पिथौरागढ़ और पौड़ी के गांवों में भालू के हमले से कई लोग घायल हो गए हैं। वहीं कुछ गांवों में जंगली सुअरों के झुंड भी हिंसक होते देखे गए हैं। पिछले हफ्ते नैनीताल जनपद के रानीबाग गांव में शाम के समय दूध लेने जा महिला को सुअरों ने हमला कर घायल कर दिया। सुअरों द्वारा हमला करने की यह घटना नई है। अभी तक तो लोग बाघ और तेंदुओं के हमले से ही परेशान और भयभीत थे। अब भालू भी जंगल छोड़कर गांव में आकर लोगों पर हमला करने लगे हैं। बीते दिनों चमोली जनपद के पाब गांव में जंगल में घास लेने गई महिला को भालू ने बुरी तरह से घायल कर दिया। चमोली सहित रुद्रप्रयाग, पिथौरागढ़, नैनीताल आदि जिलों में भालू सक्रीय हैं और उनके द्वारा मानव पर हमले की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं।

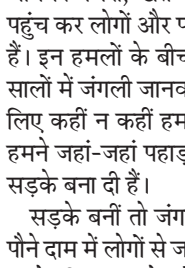

दीपक नौगांई

लेखक

उत्तराखंड में हर साल वन्य जीव और मानव संघर्ष की घटनाएं सामने आती हैं, जिनमें बड़ी संख्या में लोग अपनी जान भी गंवा चुके हैं।

उत्तराखंड का अधिकांश भौगोलिक क्षेत्र वन हैं। यहां तकरीबन कुल भौगोलिक क्षेत्र के 71 फ़ीसदी क्षेत्र में वन हैं। हरिद्वार में राजाजी नेशनल पार्क और रामनगर में कॉर्बेट रिजर्व पार्क बड़े क्षेत्र में फैला हुआ है और इन वन क्षेत्र के आसपास बड़ी संख्या में लोग निवास भी करते हैं, लेकिन देखा गया है कि जंगली जानवरों और मानव संघर्ष की घटनाएं इन्हीं क्षेत्रों में नहीं हो रहीं, बल्कि पूरे उत्तराखंड में फैल चुकी हैं। प्रदेश के 13 जिलों में से एक भी ऐसा नहीं है, जहां जंगली जानवरों के हमले से लोगों की मौत नहीं हुई हो।

पिछले 25 सालों में 1200 से ज्यादा लोगों की मौत जंगली जानवरों के हमले से हुई है। आंकड़े बताते हैं कि 2025 में अब तक 40 लोग बाघ, तेंदुए आदि हिंसक जंगली जानवरों द्वारा मारे गए हैं। वन्य जीव विशेषज्ञ बताते हैं कि जंगलों में छोटे जानवरों की संख्या बेहद कम हो गई है। पहले आसानी से जानवरों को शिकार मिल जाता था। जंगल में हिरन, कांकड़, घुरड़, खरगोश, जंगली मुर्गी आदि की संख्या कम हो गई है। नतीजन भोजन की तलाश में बाघ और तेंदुए गांव की ओर रुख कर रहे हैं।

चमोली, पौड़ी गढ़वाल, रुद्रप्रयाग, नैनीताल, रामनगर, हरिद्वार, बागेश्वर, हल्द्वानी आदि स्थानों पर जंगलों से लगे गांवों में जंगली जानवर गधेरों, खेत-खलियानों को पार कर घरों की चौखट तक पहुंच कर लोगों और पालतू जानवरों पर हमला कर आतंक मचा रहे हैं। इन हमलों के बीच सबसे बड़ा सवाल यही है कि आखिर बीते सालों में जंगली जानवरों के हमले क्यों बढ़ रहे हैं? दरअसल इसके लिए कहीं न कहीं हम मानव ही जिम्मेदार हैं। विकास के नाम पर हमने जहां-जहां पहाड़ खोद डाले हैं। जंगलों के पेड़ काटकर लंबी सड़के बना दी हैं।

सड़के बनीं तो जंगलों के किनारे गांव में पूंजीपति लोगों ने औने पौने दाम में लोगों से जमीन खरीद कर भवन, होटल और रिसॉर्ट बना डाले। फिर इन होटलों और रिसॉर्ट में कभी आतिशबाजी तो कभी डीजे बजने लगे। यानी वन्य जीवों के प्राकृतिक आवास पर हमारा हस्तक्षेप बढ़ता गया। वन्य जीवों पर इसका असर तो होना ही था। नकारात्मक असर हुआ। जंगल का मूल जीवन और उसकी इकोलॉजी डिस्टर्ब हुई। जानवर परेशान होने लगे और चिड़चिड़े हो गए। ऐसे में उन्हें जंगल छोड़कर गांव की ओर पलायन करना ही था। हमने उनके प्राकृतिक जीवन से छेड़छाड़ की तो उन्हें हम पर हमला करना ही था।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित एवं मकान नं.197/1, समता आश्रम गली, रामपुर रोड, हल्द्वानी, जिला नैनीताल, उत्तराखंड-263139 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक - अमित शर्मा*** 05946292618 (कार्यालय), ईमेल-editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UTTHIN/2021/79698, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र नैनीताल होगा)।

कृष्ण भक्त मुस्लिम कवयित्री ताज

सगुण भक्ति के आराध्य देवताओं में कृष्ण का स्थान सर्वोपरि है। आधुनिक काल में भी कृष्ण भक्ति काव्य का सृजन हुआ है। कृष्ण के रूप सौंदर्य और लोक कल्याणकारी रूप का प्रभाव हिंदू कवियों पर ही नहीं वरन् मुस्लिम कवियों पर भी पड़ा। रसखान इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। कृष्ण की भक्ति में मुस्लिम महिलाएं भी सम्मिलित हैं। श्री गंगा प्रसाद 'अखौरी' विशारद द्वारा लिखित पुस्तक 'हिंदी के मुसलमान कवि' में अनेक मुस्लिम कवियों की कविताओं का उल्लेख मिलता है, परंतु कृष्ण भक्ति के संदर्भ में केवल 'ताज' कवयित्री का ही उल्लेख मिलता है।

अग्निज उपमन्यु
छात्र,हिंदू महाविद्यालय, दिल्ली

जब मनुष्य रूप में कृष्ण खुद प्रसाद देने आए

हिंदी साहित्य की कवत्रियों में मीरा, जहां भक्ति साधिकाओं का प्रतिनिधित्व करती है, वहीं ताज मुस्लिम साधिकाओं का प्रतिनिधित्व करती हैं। ताज कवयित्री का उल्लेख सर्वप्रथम शिव सिंह सेंगर द्वार संपादित 'शिव सिंह सरोज' में मिलता है। 'शिव सिंह सरोज' के मतानुसार इनका जन्म 1652 सन्त है, पर इनका उल्लेख पुल्लिंग रूप में मिलता है तथा मुंशी देवी प्रसाद ने 'महिला मधुवाणी' में इनका जन्म सन्त 1700 माना है। ताज नहा धोकर मंदिर में भगवान का नित्य प्रति दर्शन करती थीं और बाद में भोजन ग्रहण करती थीं। ऐसी जनश्रुति है कि एक दिन वैष्णवों ने उसे विधर्मी समझकर मंदिर में जाने से रोक दिया। ताज उस दिन उपवास करके मंदिर के आंगन में बैठी, कृष्ण नाम जपती रहीं। कहते हैं कि रात होने पर ठाकुर जी स्वयं मनुष्य का रूप धारण कर भोजन का थाल लेकर ताज के पास आए और उन्हें भोजन कराया। प्रातः काल जब वैष्णव आए, तो ठाकुर जी ने कहा कि उनसे कहना कि तुम लोगों ने मुझे कल ठाकुर जी का प्रसाद और दर्शन का सौख्य नहीं दिया, इससे आज रात ठाकुर जी स्वयं प्रसाद दे गए हैं और तुम लोगों को संदेश दे गए हैं कि ताज को परम वैष्णव समझो। इसके दर्शन और प्रसाद ग्रहण करने में रुकावट कभी मत डालो। नहीं तो ठाकुर जी तुम लोगों से नाराज हो जाएंगे। प्रातः काल सब वैष्णव को ताज ने रात की सारी बात बताई और भोजन का थाल भी दिखाया। वे सभी वैष्णव ताज के पैर पर गिरकर क्षमा प्रार्थना करने लगे। तबसे सबसे पहले ताज मंदिर में देव दर्शन करती थीं और फिर अन्य वैष्णव दर्शन करने जाते थे।

माधुर्य भाव की भक्ति

मथुरा निवासी श्री कविराज के मातानुसार ताज एक मुसलमान कवयित्री थीं और पंजाब की रहने वाली थीं। कृष्ण से प्रेम हो जाने पर कविता की ओर उसका ध्यान आकर्षित हुआ। ताज की रचनाएं मुक्तक रूप में प्राप्त होती हैं। पुस्तक रूप में इनका केवल एक ग्रंथ मिलता है, जिसमें 'बारह मासा' विषयक छप्पय कवित्त एवं कुंडलियां पाई जाती हैं। इन्होंने रसखान आदि मुसलमान भक्त कवियों की भांति कवित्त तथा सवैया शैली को अपनाया तथा उसमें उन्हें यथेष्ट सफलता भी मिली। ताज की भक्ति माधुर्य भाव की है। वैष्णव संप्रदायों में माधुर्य भाव की भक्ति को अन्य प्रकार की भक्ति पद्धतियों से अधिक श्रेष्ठ माना जाता है। ताज ने कृष्ण को प्रियतम के रूप में मानकर रचनाएं लिखी हैं।

कृष्ण के सौंदर्य का तो कहना ही क्या? गले में माल, नाक में मोती, कान में कुंडल और मस्तक पर लाल मुकुट शोभायमान है। यह अपने कृष्ण को अन्य देवताओं से न्यारा कहती हैं। अतः श्रीकृष्ण की भावना को उन्होंने परात्पर ब्रह्म के रूप में धारण किया है, जिसकी ज्योति में सभी नर-नारी और देवता प्रतिभाषित हैं। इसका हम एक उदाहरण देख सकते हैं- छैल जो छबीला सब रंग में रंगीला बड़ा/चित्त का अडीला कहूं देवतों से न्यारा है।

ताज ने कृष्ण के मात्रा छैल-छबीले रूप का स्मरण नहीं किया है, अपितु कृष्ण के लोकरंजनकारी रूप को भी चित्रित किया है। उसने सिद्धिदाता के रूप में गणेश की स्तुति भी की है। कृष्ण की मधुर रूप की अपेक्षा उनका ऐश्वर्य रूप अधिक प्रभावशाली बन पड़ा है। पतित उद्धारक गरिमामय अवतार रूप श्रीकृष्ण उसकी आस्था एवं विश्वास के विशेष पात्र हैं। हिंदू धर्म में प्रचलित रूढ़ियों का उन्होंने खंडन किया है, उनका भरोसा मात्र नंद के कुमार पर है। वे इतना कृष्णमय हो गई कि उन पर अन्य देवों का प्रभाव नहीं पड़ता। यह बात एक उदाहरण स्पष्ट होती है- काहू को भरोसो ताज, सब देवन के दूजे ताज। /मोको है भरोसो बस, एक नंद के कुमार को। इस प्रकार ताज की भक्ति भावना का आधार श्री कृष्ण का माधुर्य रूप है। प्रेम के अनेक उपमानों में उनकी भावनाओं का यह अवगुंठन अत्यंत अनुपम है। उन्होंने अगाध अनन्य सात्विक प्रेम का सुंदर और सटीक वर्णन प्रस्तुत किया है, जो अन्यत्र दुर्लभ है। इतना ही नहीं कृष्ण के प्रति उनकी भावना में विश्वासजन्य समर्पण है। कालिंदी के तट पर स्थित निकुंज के बीच पंकज शय्या, प्रस्तुत कर राधा की प्रतीक्षा करते हुए कृष्ण तथा राधा की चंचलता पर अटकी हुई आंखें कल्पना जगत की सुंदर सृष्टि हैं। परंतु भावनाओं तथा वातावरण की लौकिकता में यहां काम की प्रधानता मिलती है। इनका उदाहरण निम्न है- कालिंदी के तीर नीर निकट कदंब कुंज/ मन कहुं इच्छा कीनों सेज सरोजन की। प्रेम साम्राज्य का अवर्ध रत्न है विरह। विरह तपाया हुआ प्रेम है। ताज के विरहणी रूप का मार्मिक चित्र मर्मस्पर्शी ही नहीं अप्रतिम भी है। ताज लिखती हैं- चैन नहीं मन में, मलीन सुनैन भरे जल में न तई है।/ताज कहे पर्थक यों बाल, ज्यों चंप की माल बिलाई गई है। अतः प्रतीक्षा की लंबी अवधि के बीच यह देखकर कि अभी रात्रि बहुत शेष है। परिणाम स्वरूप शून्य भवन में प्रज्ज्वलित प्रदीप का आलोक उसके अंगों प्रखर सूर्य की तरह तप्त करता है। उपर्युक्त तथ्यों से यह निष्कर्ष निकलता है कि ताज की भक्ति माधुर्य भाव की है। मीराबाई की भांति यह भी कृष्ण को अपना प्रियतम या पति मानती थीं।

कविताओं में अलंकारों का प्रयोग

ताज ने श्रीकृष्ण के रूपांकन की ओर विशेष ध्यान दिया है। श्रीकृष्ण के रूपांकन में कवयित्री ने आभूषणों का भी उल्लेख किया है। कहीं-कहीं कवयित्री ने उनके अंग एवं आभूषणों के समन्वित सौंदर्य का चित्रण किया है। ताज के प्रस्तुत विधान में अप्रस्तुत का सौंदर्य दबने नहीं पता। उपमान सदैव उपमेय की श्रीवृद्धि में सहायक है। प्रेम संबंधी अनेक प्रसिद्ध उपमानों से उनकी भावनाओं का संबंध देखने योग्य है। ताज के काव्य में श्रृंगार और शांत रस की प्रधानता है। शांत रस के अंतर्गत अनेक संचारी भाव का स्वतंत्र अंकन कवयित्री की रचनाओं में प्राप्त होता है। यह संचारी भाव के सहायक होते हैं, जो भाव को सजीव बनाते हैं। ताज के काव्य की मुख्य भाषा ब्रजभाषा है, पर पंजाब की निवासी होने के कारण उनकी भाषा में पंजाबी शब्दों भी मिलते हैं। ताज की कविताओं में अलंकारों का अधिक प्रयोग हुआ है। वह एक ऐसी संवेदनशील कवयित्री है, जो चमत्कार के चक्कर में न पड़कर भाव में डूब जाया करती हैं। माधुर्य गुण सुयुक्त होने के कारण उनकी कविताओं में अनुप्रास अलंकार का बाहुल्य मिलता है। मीरा की भांति ताज के काव्य का आधार है, इनका सर्वथा निजी अनुभव। दोनों ही की प्रेम साधना लोक-बाह्य थी, उसमें लोक और शास्त्र का विचार न था, प्रेम के प्रखर प्रभाव में लोक और वेद बह गए। लोक-लाज और कुलकानि बिसर गई, पथ -अपथ का डर छूट गया। रसखान सदृश मुसलमानों के विषय में जो बात भारतेंदु हरिश्चंद्र जी ने कही थी, वही ताज के संबंध में भी समझनी चाहिए-'इन' मुसलमान हरि जनन पर कोटिन्ह हिन्दू वारिए। अपनी माधुर्य भक्ति के लिए ताज हिंदी साहित्य में सदैव चिरस्मरणीय रहेंगी।

रंग-तरंग

हॉर्नबिल महोत्सव

पूर्वोत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत का जश्न

बीते सोमवार को नागालैंड की 63 वीं वर्षगांठ पर किसामा के नागा हेरिटेज विलेज में हॉर्नबिल फेस्टिवल के 26 वें संस्करण की शानदार शुरुआत हुई। दस दिवसीय आयोजित महोत्सव में नागालैंड की समृद्ध सांस्कृतिक विविधता, विरासत और कलात्मक परंपराओं के मनाया जाता है। यह फेस्टिवल अब तक के सबसे बड़े इंटरनेशनल पार्टिसिपेशन के साथ शुरू हुआ, जिसमें छह पार्टनर देश- ऑस्ट्रिया, माल्टा, स्विट्जरलैंड, आयरलैंड, फ्रांस और यूनाइटेड किंगडम शामिल थे, साथ ही अरुणाचल प्रदेश स्टेट पार्टनर था।

'त्योहारों का त्योहार' (Festival of Festivals) के रूप में प्रसिद्ध, हॉर्नबिल महोत्सव नागालैंड का सबसे बड़ा वार्षिक सांस्कृतिक कार्यक्रम है। यह प्रत्येक वर्ष 1 दिसंबर से 10 दिसंबर तक आयोजित किया जाता है। यह महोत्सव केवल मनोरंजन का साधन नहीं है, बल्कि यह नागालैंड की समृद्ध जनजातीय विरासत को पुनर्जीवित करने, संरक्षित करने और बढ़ावा देने का एक शक्तिशाली मंच है। यह विविधता में एकता का एक जीवंत उदाहरण प्रस्तुत करता है। इस वर्ष महोत्सव में स्थिरता और 'ईको-फ्रेंडली' पर्यटन पर विशेष जोर दिया जा रहा है। इसके अलावा जी-20 की सफलता के बाद, भारत सरकार इसे अपनी 'सॉफ्ट पावर डिप्लोमेसी' और 'एक्ट ईस्ट पॉलिसी' के एक महत्वपूर्ण हिस्से के रूप में प्रदर्शित कर रही है, जिसमें कई अंतर्राष्ट्रीय राजनयिक और पर्यटक भाग ले रहे हैं।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि

इसकी शुरुआत वर्ष 2000 में नागालैंड सरकार द्वारा पर्यटन को बढ़ावा देने और जनजातियों के बीच मेल-जोल बढ़ाने के लिए की गई थी। 1 दिसंबर 1963 को नागालैंड भारत का 16 वां राज्य बना था, इसलिए हर वर्ष 1-10 दिसंबर तक इसका आयोजन होता है।

नामकरण और प्रतीक

इसका नाम 'ग्रेट इंडियन हॉर्नबिल' (Great Indian Hornbill) पक्षी के नाम पर रखा गया है। यद्यपि यह पक्षी अब नागालैंड में कम दिखाई देता है, लेकिन नागा लोककथाओं और गीतों में इसका गहरा महत्व है। इसके पंखों का उपयोग पारंपरिक नागा हेडगियर (टोपी) में प्रतिष्ठा और वीरता के प्रतीक के रूप में किया जाता रहा है।

आर्ट गैलरी

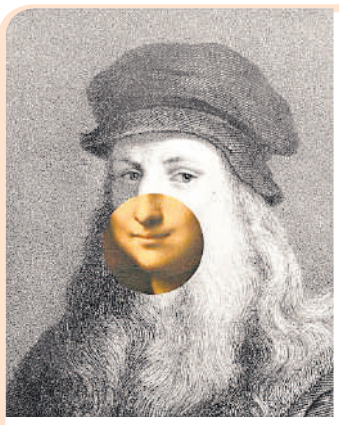

मोनालिसा की रहस्यमयी मुस्कान

लियोनार्डो द विंची की पेंटिंग मोनालिसा दुनिया की सबसे चर्चित और रहस्यमयी पेंटिंग है। पेंटिंग की सबसे खास बात इसकी रहस्यमयी मुस्कान है। अलग-अलग कोणों से देखने पर यह बदलती हुई सी महसूस होती है। कुछ लोग मानते हैं कि इस पेंटिंग में विंची ने कुछ कोड छिपाकर रखे हैं। यही नहीं बहुत दिनों तक एक चर्चा यह भी रही कि इसका आधा हिस्सा महिला का है और बाकी आधा हिस्सा खुद विंची का है। इन रहस्यों ने इसे कला इतिहास में निरंतर शोध और आकर्षण का विषय बना दिया। मोनालिसा को 'ला जियोकोंडा' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि इसे 1503 में शुरू किया गया और 1517 तक इस पर काम चला। हालांकि यह 1519 में विंची की मृत्यु के समय तक अधूरा रह गया था। यह चिनार की लकड़ी के एक पैनल पर ऑयल पेंट से बनाई गई है। विंची ने 'स्फुमाटो' (Sfumato) नाम की एक अभिनव तकनीक का इस्तेमाल किया, जिसमें रंगों को सूक्ष्मता से मिश्रित किया जाता है, जिससे धुंधले किनारे और छाया के प्रभाव पैदा होते हैं। यह तकनीक पेंटिंग को जीवंत बनाती है। खासकर मोनालिसा की प्रसिद्ध रहस्यमयी मुस्कान और आंखों में, जो देखने वाले को हर कोण से खुद को देखे जाने का अहसास कराती है। रिसर्चर का मानना है कि यह पेंटिंग फ्लोरेंटाइन रेशम व्यापारी फ्रांसेस्को डेल जियोकोंडो की पत्नी लिजा घेरार्डिनी का चित्र है, इसलिए इसे 'मोनालिसा' (जिसका अर्थ श्रीमती लिसा है) कहा जाता है। यह पेंटिंग फ्रांस के पेरिस शहर में स्थित लूव्र संग्रहालय (Louvre Museum) में रखी गई है। इसे वहां बुलेटप्रूफ कांच के पीछे बहुत सेफ्टी के साथ रखा गया है। पेंटिंग की प्रसिद्धि में 1911 की चोरी का भी बड़ा हाथ है। लूव्र संग्रहालय से विंसेंजो पेरुगिया नाम के एक कर्मचारी ने इसे चुरा लिया था। इस चोरी ने दुनियाभर में सनसनी मचा दी और दो साल बाद पेंटिंग की बरामदगी ने इसे वैश्विक सुर्खियों में ला दिया। इस घटना ने मोनालिसा को कला जगत से निकालकर आम जनमानस तक पहुंचा दिया।

विंची के बारे में

लियोनार्डो द विंची 15 अप्रैल 1452 को पैदा हुए और दो मई 1519 को उनका निधन हो गया। इतालवी पुनर्जागरण के एक अद्वितीय 'पॉलीमैथ' (बहु-प्रतिभाशाली व्यक्ति) थे। उन्होंने चित्रकार, इंजीनियर, वैज्ञानिक, मूर्तिकार और वास्तुकार के रूप में अपनी छाप छोड़ी। उन्हें अक्सर 'पुनर्जागरण पुरुष' (Renaissance Man) का आदर्श उदाहरण माना जाता है, जिनकी असीमित जिज्ञासा की बराबरी केवल उनकी आविष्कारक शक्ति ही कर सकती थी। विंची की प्रसिद्धि मुख्य रूप से उनकी दो विश्व प्रसिद्ध पेंटिंग्स की वजह से ज्यादा है। 'मोनालिसा' और 'द लास्ट सपर'। इन उत्कृष्ट कलाकृतियों के अलावा, उनका 'विट्रुवियन मैन' (Vitruvian Man) का चित्र भी एक सांस्कृतिक प्रतीक बन गया। एक वैज्ञानिक और आविष्कारक के रूप में, विंची अपने समय से सदियों आगे थे। उनकी नोटबुक्स, जिन्हें वह उल्टे हाथ से लिखते थे, ताकि कोई आसानी से न पढ़ सके, शरीर रचना विज्ञान, यांत्रिकी, खगोल विज्ञान और वनस्पति विज्ञान पर विस्तृत नोट्स और रेखाचित्रों से भरी हुई है। उन्होंने उड़ने वाली मशीनों (हेलीकॉप्टर और हवाई जहाज के शुरुआती कॉन्सेप्ट), बख्तरबंद वाहनों (टैंक) और पैराशूट जैसे कई उपकरणों की अवधारणा दी। उनके कई डिजाइन उनके जीवनकाल में कभी निर्मित या व्यावहारिक नहीं हुए, लेकिन उनके विचारों और वैज्ञानिक अवलोकन ने बाद की पीढ़ियों के कलाकारों और वैज्ञानिकों को गहराई से प्रभावित किया।

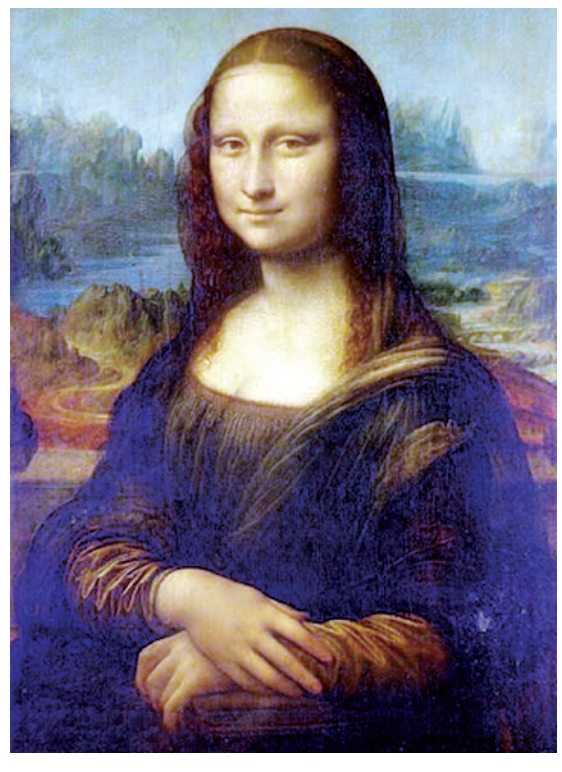

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	85,138.27	26,032.20
गिरावट	503.63	143.55
प्रतिशत में	0.59	0.55

सोना 1,31,530 प्रति 10 ग्राम

चांदी 1,81,360 प्रति किलो

अमृत विचार
हल्द्वानी, बुधवार, 3 दिसंबर 2025
www.amritvichar.com

बिजनिस ब्रीफ

इंडिगो पर इनपुट टैक्स क्रेडिट मामले में 117 करोड़ रुपये का जुर्माना

नई दिल्ली। इंडिगो ने मंगलवार को कहा कि उस पर इनपुट टैक्स क्रेडिट से संबंधित मामले में 117.52 करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है और एयरलाइन इस आदेश को चुनौती देगी। यह जुर्माना केरल के सीजीएसटी कोच्चि के संयुक्त आयुक्त (केंद्रीय कर एवं केंद्रीय उत्पाद शुल्क) ने लगाया है। इंडिगो ने शेयर बाजार को बताया कि यह जुर्माना 2018-19 से 2021-22 की अवधि से संबंधित है। इसमें कहा गया, विभाग ने कंपनी द्वारा लिए गए इनपुट टैक्स क्रेडिट को अस्वीकार कर दिया है और कर मांग आदेश के साथ जुर्माना भी लगाया है।

अहमदाबाद हवाईअड्डे से आभूषण पार्सल के आयात निर्यात की अनुमति

नई दिल्ली। सरकार ने अहमदाबाद हवाईअड्डे से व्यक्तिगत रूप से रत्न एवं आभूषण पार्सल के आयात-निर्यात की अनुमति दी है। वाणिज्य मंत्रालय की एक अधिसूचना में यह जानकारी दी गई। इस सूची में पहले से दिल्ली, मुंबई, कोलकाता, चेन्नई, बेंगलुरु, हैदराबाद और जयपुर हवाई अड्डे शामिल हैं। विदेश व्यापार महानिदेशालय (डीजीएफटी) ने कहा कि अब अहमदाबाद हवाईअड्डे से यात्री अपने साथ रत्न एवं आभूषण पार्सल का आयात और निर्यात कर सकते हैं।

रामकृष्णन चंदर ने एलआईसी के एमडी का पदभार संभाला

नई दिल्ली। रामकृष्णन चंदर को एक दिसंबर, 2025 को भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) के प्रबंध निदेशक के पद पर पदोन्नत किया गया है। एलआईसी ने कहा कि उन्हें एक दिसंबर, 2025 की भारत सरकार की अधिसूचना के तहत प्रबंध निदेशक के रूप में नियुक्त किया गया था। चंदर वर्ष 1990 में एक सहायक प्रशासनिक अधिकारी के रूप में एलआईसी में शामिल हुए और उन्होंने वरिष्ठ मंडल प्रबंधक, विपणन और पेंशन और समूह योजनाओं के क्षेत्रीय प्रबंधक और अंतर्राष्ट्रीय संचालन के लिए एलआईसी की रणनीतिक व्यापार इकाई के कार्यकारी निदेशक सहित कई प्रमुख पदों पर काम किया है।

रूस भारी व्यापार घाटे पर भारत की चिंताओं को दूर करने के लिए तैयार

क्रेमलिन के प्रवक्ता कहा- मॉस्को समस्या को दूर करने को नई दिल्ली के साथ कर रहा काम

नई दिल्ली, एजेंसी

क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि रूस को भारी व्यापार घाटे को लेकर भारत की चिंताओं की पूरी जानकारी है और मॉस्को इस 'समस्या' को दूर करने के लिए नई दिल्ली के साथ मिलकर काम कर रहा है। पेसकोव ने भारतीय पत्रकारों के लिए आयोजित एक ऑनलाइन संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कई मुद्दों पर बात की, जिनमें यूक्रेन में अमेरिकी शांति योजना, रूसी कच्चे तेल पर अमेरिकी प्रतिबंध और भारत को रूसी रक्षा प्लेटफॉर्म एवं प्रौद्योगिकी की आपूर्ति शामिल है।

पेसकोव ने वैश्विक व्यापार की एक नई व्यवस्था की आवश्यकता पर जोर दिया, जहां भुगतान प्रणाली (डॉलर-आधारित व्यापार) का उपयोग एक 'राजनीतिक उपकरण' के रूप में ना किया जाए। हालांकि यह बयान परोक्ष तौर पर अमेरिका पर लक्षित था, लेकिन पेसकोव ने यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए अमेरिका की ओर से किए गए नवीनतम मध्यस्थता प्रयासों को बहुत प्रभावी बताते हुए उनकी प्रशंसा भी की। अमेरिकी वार्ताकार स्टीव विटकॉफ की पुतिन से मुलाकात से कुछ घंटे पहले उन्होंने कहा, हमें उम्मीद है कि यह सफल होगा। हम इसमें योगदान देने के लिए तैयार हैं।

पेसकोव ने यह संवाददाता सम्मेलन राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की चार और पांच दिसंबर को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ वार्षिक भारत-रूस शिखर सम्मेलन के लिए नई दिल्ली यात्रा से पहले एक पूर्वावलोकन के तौर पर आयोजित की।

पेस्कोव ने कहा कि भारत के साथ व्यापार असंतुलन के बारे में रूस अवगत है और उससे आयात बढ़ाने पर काम कर रहा है। उन्होंने रूसी तेल की बिक्री पर अमेरिकी प्रतिबंध को अवैध बताया। उन्होंने कहा कि इस समय दोनों देशों के बीच कुल व्यापार 63 अरब डॉलर का है जिसे साल 2030 तक बढ़ाकर 100 अरब डॉलर का करने का लक्ष्य है। उन्होंने स्वीकार किया कि दोनों देशों के बीच वास्तव में व्यापार असंतुलन है और कहा रूस भारत से आयात बढ़ाने के उपायों पर विचार कर रहा है, सिर्फ वस्तु व्यापार नहीं सेवा व्यापार भी। पुतिन की भारत यात्रा से एक दिन पहले बुधवार को आयातकों के एक फोरम का आयोजन किया जायेगा जिसमें इस मुद्दे पर भी चर्चा होगी। उन्होंने कहा, हम भारत में अपने समकक्षों के साथ मिलकर काम कर रहे हैं ताकि भारत से व्यापार बढ़ाया जा सके।

अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी तेल आयात एक तिहाई घटा, दिसंबर में और कमी होने का अनुमान

नई दिल्ली। अमेरिकी प्रतिबंधों के बाद भारत का रूसी तेल आयात लगभग एक तिहाई घट गया है। विश्लेषकों का अनुमान है कि दिसंबर में आयात और कम होगा, क्योंकि रिफाइनरी कंपनियां प्रतिबंधों से बचने के लिए वैकल्पिक स्रोतों का रुख कर रही हैं। डेटा विश्लेषण कंपनी केप्लर के अनुसार नवंबर में रूस से भारत का कच्चा तेल आयात औसतन 18 लाख बैरल प्रतिदिन रहा और कुल कच्चे तेल आयात में इसकी हिस्सेदारी 35 प्रतिशत से अधिक थी। इससे पहले अक्टूबर में यह आंकड़ा 15-16 लाख बैरल प्रतिदिन था। माना जा रहा है कि नवंबर का आयात पांच महीनों में सबसे अधिक था, क्योंकि प्रतिबंध लागू होने की समयसीमा 21 नवंबर से पहले आयात बढ़ाया गया। केप्लर के प्रमुख शोध विश्लेषक सुमित रितोलिया ने कहा, '21 नवंबर से पहले आयात 19-20 लाख बैरल प्रतिदिन के करीब था, क्योंकि खरीदार समयसीमा से पहले माल ला रहे थे। इसके बाद मात्रा कम हो गई। ऐसा लगता है कि रिफाइनरियों ने प्रतिबंध लागू होने से पहले कच्चे तेल का स्टॉक कर लिया। उन्होंने बताया कि इसके बाद आयात घटकर लगभग 12.7 लाख बैरल प्रतिदिन रह गया, जो मासिक आधार पर 5.7 लाख बैरल प्रतिदिन की कमी दर्शाता है।

तीसरे दिन भी गिरावट, 504 अंक फिसला सेंसेक्स

मुंबई, एजेंसी

प्रमुख बैंकों और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के बीच विदेशी निवेशकों ने की निकासी

प्रमुख बैंकों और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में बिकवाली के बीच विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार निकासी से स्थानीय शेयर बाजार मंगलवार को लगातार तीसरे दिन नुकसान में रहे। सेंसेक्स में करीब 504 अंक जबकि निफ्टी में 144 अंक की गिरावट रही।

विश्लेषकों ने कहा कि औद्योगिक उत्पादन के खराब आंकड़ों और अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर तक गिर जाने से भी निवेशक धारणा प्रभावित हुई। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 503.63 अंक यानी 0.59 प्रतिशत टूटकर 85,138.27 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 588.9 अंक गिरकर 85,053 के स्तर तक आ गया था। सोमवार को यह कारोबार के दौरान 86,159.02 अंक के अपने रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद गिरकर बंद हुआ था। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी भी 143.55 अंक यानी 0.55 प्रतिशत फिसलकर 26,032.20 अंक पर बंद हुआ।

रुपया लुढ़ककर पहली बार 90 प्रति डॉलर

मुंबई। रुपये पर मंगलवार को भारी दबाव देखा गया और यह पहली बार 90 रुपये प्रति डॉलर तक लुढ़क गया। भारतीय मुद्रा लगातार चौथे दिन टूटी है। मंगलवार को यह 17 पैसे टूटकर 89.70 रुपये प्रति डॉलर पर खुला और एक समय 90 रुपये प्रति डॉलर तक टूट गया। अंत में यह 43.50 पैसे नीचे 89.9650 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ। रुपया सोमवार को आठ पैसे गिरकर 89.53 रुपये प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। कारोबारियों ने बताया कि दुनिया की अन्य प्रमुख मुद्राओं के बास्केट में डॉलर में रही तेजी से रुपये पर दबाव पड़ा। साथ ही घरेलू शेयर बाजार की तेजी ने भी इसकी गिरावट में योगदान दिया।

सोना 1,670 रुपये टूटा, चांदी 4,360 रुपये तेज

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कमजोर कारोबार के बीच मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 1,670 रुपये टूटकर 1,31,530 रुपये प्रति 10 ग्राम रही। अखिल भारतीय सर्राफा संघ के मुताबिक पिछले कारोबारी सत्र में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 1,33,200 रुपये प्रति 10 ग्राम रही थी। हालांकि, चांदी में लगातार छठे दिन तेजी बनी रही और यह 4,360 रुपये बढ़कर 1,81,360 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स) हो गई। एचडीएफसी सिक्योरिटीज में वरिष्ठ विश्लेषक (कमोडिटीज), सौमिल गांधी ने कहा, पिछले सत्र में कीमतें कई सप्ताह के उच्च स्तर पर पहुंचने के बाद कारोबारियों की मुनाफावसूली से मंगलवार को सोने में गिरावट आई।

स्टार टेलीविजन का जियोस्टार में विलय पूरा

मुंबई। मुकेश अंबानी की रिलायंस इंडस्ट्रीज ने अपनी पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई स्टार टेलीविजन प्रोडक्शंस का स्टार इंडिया प्राइवेट लिमिटेड में विलय पूरा करने की घोषणा की। विलय के बाद नई कंपनी जियोस्टार इंडिया के नाम से जानी जाएगी।

राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग को दिए जाएं वैधानिक अधिकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- संसदीय समिति ने की सिफारिश कहा- इससे विश्वसनीयता बढ़ेगी

संसद की एक समिति ने मंगलवार को वैधानिक अधिकार के साथ एक मजबूत, स्वतंत्र राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग (एनएससी) की जरूरत पर जोर दिया। वित्त पर संसद की स्थाई समिति ने कहा कि ऐसा करने से सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता सुनिश्चित होगी।

समिति ने सांख्यिकी एवं कार्यक्रम कार्यान्वयन मंत्रालय से संबंधित 'एनएससी के कार्य-निष्पादन की समीक्षा' पर अपनी 27वीं रिपोर्ट मंगलवार को संसद में पेश की। रिपोर्ट में कहा गया है कि आधिकारिक और निजी आंकड़ों में विसंगतियों के कारण एकसमान मानकों के अभाव में जनता का भरोसा कम हो रहा है। समिति ने सिफारिश की है कि एनएससी को नोडल एजेंसी के रूप में सशक्त बनाया जाए ताकि वह पद्धतियां निर्धारित कर सके, डेटा प्रक्रियाओं में समन्वय स्थापित कर सके और एक स्थायी तकनीकी समिति के जरिये निजी एजेंसियों तथा विशेषज्ञों को शामिल कर सके। समिति ने कहा, एनएससी को वैधानिक अधिकारों के साथ एक मजबूत, स्वतंत्र राष्ट्रीय सांख्यिकी आयोग बनाने और उसे सांख्यिकी का नोडल राष्ट्रीय निकाय बनाने की जरूरत है ताकि सरकारी आंकड़ों की विश्वसनीयता बनी रहे।

समिति ने राष्ट्रीय सांख्यिकी प्रणाली में एआई को एकीकृत करने, डेटा की दक्षता, सटीकता और समयबद्धता बढ़ाने तथा कार्यबल की क्षमता निर्माण पर जोर दिया। रिपोर्ट में साथ ही एआई के जिम्मेदारीपूर्ण उपयोग के लिए स्पष्ट नैतिक ढांचा और दिशानिर्देश बनाने की आवश्यकता बताई।

नई चुनौतियों से निपटने के लिए वैश्विक सहयोग की जरूरत

ग्लोबल फोरम प्लेनरी बैठक में वित्त मंत्री ने किया डिजिटलीकरण और कर सूचना के आदान-प्रदान का जिक्र

नई दिल्ली, एजेंसी

- राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने मजबूत डेटा गोपनीयता प्रणाली पर दिया जोर

भारत ने अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण और क्रिप्टो एवं स्टेबलकॉइन जैसे नए वित्तीय उत्पादों के उद्भव से उत्पन्न नई चुनौतियों से निपटने की समन्वित कार्रवाई के लिए मंगलवार को वैश्विक सहयोग का आह्वान किया और देशों के बीच सूचनाओं का समय पर आदान-प्रदान सुनिश्चित करने पर बल दिया। वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां 18वीं 'ग्लोबल फोरम प्लेनरी' बैठक का उद्घाटन करते हुए कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के बीच कर सूचनाओं का आदान-प्रदान सुनिश्चित करने के लिए कृत्रिम मेधा (एआई) जैसे प्रौद्योगिकी उपकरणों का उपयोग किया जाना चाहिए जिससे मापनीय परिणाम हासिल होंगे।

सीतारमण ने कहा, भविष्य में नई चुनौतियां सामने खड़ी हैं जिन पर मिलकर ध्यान देने की जरूरत है। अर्थव्यवस्था के डिजिटलीकरण, नए वित्तीय उत्पादों के उद्भव एवं लाभकारी स्वामित्व की उभरती संरचनाओं के लिए विभिन्न न्याय-क्षेत्रों के बीच निरंतर सहयोग सीतारमण ने कहा, कर प्रणालियों की निष्पक्षता, स्थिरता और ईमानदारी में जनता के विश्वास पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए।

इस मौके पर राजस्व सचिव अरविंद श्रीवास्तव ने कहा कि देशों को मजबूत डेटा गोपनीयता प्रणाली सुनिश्चित करने की दिशा में काम करने की जरूरत है। इसके अलावा अंतरराष्ट्रीय मानकों के तहत साझा की गई जानकारी का प्रभावी ढंग से उपयोग भी सुनिश्चित करना होगा।

उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर विभिन्न क्षेत्रों को डिजिटल अर्थव्यवस्था कराधान और 'क्रिप्टो संपत्ति सूचना ढांचा' सहित नई चुनौतियों के अनुकूल बनाना होगा। इसके लिए प्रौद्योगिकी नवाचार एवं समन्वित कार्रवाई दोनों की जरूरत होगी। श्रीवास्तव ने कहा कि पिछले कुछ वर्ष में वैश्विक मंच ने वैश्विक कर परिदृश्य में बैंकिंग गोपनीयता एवं सीमित सहयोग से लेकर पारदर्शिता तथा सूचना आदान-प्रदान तक बदलाव लाने में मदद की है।

राष्ट्रीय

आपराधिक मामले में जमानत देने के लिए समानता एकमात्र आधार नहीं

शीर्ष कोर्ट ने कहा- अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बगैर नहीं दी जा सकती जमानत

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने कहा है कि भले ही कैदियों को राहत देने के लिए अदालतें 'जमानत नियम है, और जेल अपवाद' के सिद्धांत को मानती हैं, लेकिन समानता ही एकमात्र आधार नहीं है जिस पर आपराधिक मामलों में आरोपी को जमानत दी जा सकती है। न्यायमूर्ति संजय करोल और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि जमानत की राहत उस अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बिना नहीं दी जा सकती, जिसके लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है।

पीठ ने इस टिप्पणी के साथ इलाहाबाद हाईकोर्ट द्वारा हत्या के एक मामले में आरोपी को दी गई जमानत को रद्द कर दिया। उसे सिर्फ इस आधार पर जमानत दी गई थी कि सहआरोपी को भी राहत दी गई है। शीर्ष अदालत ने 28 नवंबर के फैसले में कहा, जमानत को अक्सर नियम और जेल को अपवाद कहा जाता है। इस बात पर बहुत ज्यादा जोर नहीं दिया जा सकता। साथ ही, इसका मतलब यह नहीं है कि जमानत की राहत उस अपराध में शामिल हालात पर ध्यान दिए बिना दी जानी चाहिए जिसके लिए आरोपी व्यक्ति को गिरफ्तार किया गया है। पीठ ने कहा, इस संबंध में यह ध्यान रखना होगा कि जमानत देते समय अदालत को कई पहलुओं पर विचार करना होता है। इस न्यायालय ने इतने सारे फैसले दिए हैं, जिनमें ध्यान में रखने लायक जरूरी बातें बताई गई हैं।

पीठ ने कहा कि हाईकोर्ट ने आरोपी को जमानत देने में सभी जरूरी प्रासंगिक बातों पर विचार नहीं किया। उसने कहा कि ऐसा लगता है कि हाईकोर्ट ने त्रुटिपूर्ण तरीके से सिर्फ समानता के आधार पर जमानत दे दी, जिसे उसने सीधे तौर पर इस्तेमाल का एक तरीका समझ लिया, जबकि समानता का मकसद आरोपी की भूमिका पर ध्यान देना होता है, न कि एक ही अपराध का होना ही आरोपियों के बीच एकमात्र समानता थी।

शीर्ष अदालत ने कहा कि कैम्ब्रिज शब्दकोश में 'पैरिटी' शब्द को 'समानता' के तौर पर, खासकर वेतन या पद की बराबरी' के तौर पर परिभाषित किया गया है। शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश के एक गांव में हत्या के एक मामले में यह आदेश दिया, जो गांव वालों के बीच कहासुनी के कारण हुई थी। इस मामले में भड़काने वाले एक आरोपी

सुप्रीम निर्देश : केरल में एसआईआर की समय सीमा बढ़ाने पर विचार करे निर्वाचन आयोग

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने मंगलवार को निर्वाचन आयोग से कहा कि वह केरल में जारी एसआईआर के तहत गणना-प्रपत्र जमा करने की अंतिम तिथि 11 दिसंबर को एक सप्ताह और बढ़ाने पर विचार करे। सीजेआई सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने इस दलील पर ध्यान दिया कि केरल में स्थानीय निकाय चुनाव नौ और 11 दिसंबर को होंगे तथा मतगणना 13 दिसंबर को समाप्त होगी। पीठ ने इस तथ्य का भी संज्ञान लिया कि राज्य में स्थानीय निकायों के लिए चुनाव प्रक्रिया में लगभग 1.76 लाख राज्य सरकार के कर्मचारी लगे हुए हैं और इसलिए, उन्हें चुनाव निकाय द्वारा निर्धारित समय सीमा 11 दिसंबर तक गणना-प्रपत्र जमा करने में कठिनाई हो सकती है।

बर्खास्त सफाईकर्मियों को एक घंटे में बहाल करे यूपी सरकार

नई दिल्ली। शीर्ष न्यायालय ने मंगलवार को अदालत के समक्ष बाल तस्करी का मुद्दा उठाने पर वाराणसी नगर निगम में संविदा सफाईकर्मी के रूप में कार्यरत पति-पत्नी को बर्खास्त किए जाने पर कड़ी आपत्ति जताई और उत्तर प्रदेश सरकार को एक घंटे के भीतर दोनों सफाई कर्मचारियों को बहाल करने का निर्देश दिया। न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति केवी विश्वनाथन की पीठ को वरिष्ठ अधिवक्ता अपर्णा भट्ट ने बताया कि पिंकी ने यह आरोप लगाते हुए मामला दायर किया है कि उसे और उसके पति को संविदा नियोक्ता ने नौकरी से बर्खास्त कर दिया है। पीठ ने उत्तर प्रदेश के वकील से कहा, हम चाहते हैं कि उन्हें एक घंटे के भीतर बहाल कर दिया जाए, अन्यथा संबंधित अधिकारी को निलंबित कर दिया जाएगा। हम अद्यतन स्थिति जानना चाहते हैं। सिर्फ इसलिए अधिकारी नाराज हो गए क्योंकि उन्होंने अदालत का दरवाजा खटखटाया। हम इसे हल्के में नहीं लेंगे। पीठ ने वकील से कहा कि वह संबंधित अधिकारियों को फोन करें और अदालत को उनकी बहाली के बारे में सूचित करें। पिंकी के एक वर्षीय बच्चे को वाराणसी के नदेसर कैंट से उस समय अगवा कर लिया गया, जब वह उसके बगल में सो रहा था। यह अपहरण एक संगठित अंतरराज्यीय बाल-तस्करी गिरोह के सदस्यों ने किया था।

बाल तस्करी का मुद्दा उठाने पर कर दिया गया था बर्खास्त

दिल्ली दंगा — सत्ता परिवर्तन अभियान का पुलिस का दावा आरोपपत्र में नहीं: गुलफिशा

फरवरी 2020 के दंगों के मामले में जमानत का अनुरोध कर रही कार्यकर्ता गुलफिशा फातिमा ने उच्चतम न्यायालय में कहा कि उसे अनंतकाल तक हिरासत में नहीं रखा जा सकता है। उसने यह भी कहा कि समन्वित सत्ता परिवर्तन अभियान के दिल्ली पुलिस के दावे का उसके आरोपपत्र में कोई उल्लेख नहीं है। फातिमा की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता अभिषेक सिंघवी ने न्यायमूर्ति अरविंद कुमार और न्यायमूर्ति एन वी अंजारिया की पीठ को बताया कि गुलफिशा ने छह साल का वक्त जेल में बिताया है और उन्होंने मुकदमे में देरी को आश्चर्यजनक और अभूतपूर्व बताया।

बिना सुनवाई मुझे बता दिया आतंकवादी: शरजील

कार्यकर्ता शरजील इमाम ने उच्चतम न्यायालय में जमानत अर्जी पर सुनवाई के दौरान उन्हें किसी पूर्ण सुनवाई या दोषसिद्धि के बिना ही खतरनाक बौद्धिक आतंकवादी करार दिए जाने पर नाराजगी जताई। इमाम की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता सिद्धार्थ दवे ने कहा, मैं कहना चाहूंगा कि मैं आतंकवादी नहीं हूं, जैसा कि पुलिस ने मुझे कहा है। मैं राष्ट्रविरोधी नहीं हूं, जैसा कि राज्य ने कहा है। मैं इस देश का नागरिक हूं, जन्म से नागरिक हूं और मुझे अब तक किसी भी अपराध के लिए दोषी नहीं ठहराया गया है।

पीलिया फैलने की बात छिपाने के कारण वीआईटी में हुई थी हिंसा

भोपाल। मध्यप्रदेश के सीहोर जिले में वेल्लोर इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी (वीआईटी) के परिसर में 25 नवंबर को हुई हिंसा, प्रबंधन की पीलिया फैलने की बात छिपाने की कोशिश, खाने की खराब गुणवत्ता की शिकायतों को नजरअंदाज करने और विद्यार्थियों के साथ बदसलूकी का नतीजा थी। तीन सदस्यीय जांच समिति की रिपोर्ट पर मध्यप्रदेश उच्च शिक्षा विभाग ने संस्थान के कुलगुरु को कारण बताओ नोटिस जारी किया है और सात दिनों के अंदर जवाब मांगा है।

एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि नोटिस का जवाब न देने पर अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। वीआईटी के भोपाल परिसर के रजिस्ट्रार ने कहा कि नोटिस मिल गया है और सरकार को जवाब दिया जाएगा। कोठरी में वीआईटी परिसर में करीब 4,000 विधार्थियों ने खाने-पीने की खराब गुणवत्ता और दूसरे मुद्दों को लेकर हिंसक प्रदर्शन किया था। उन्होंने इमारत और गाड़ियों में तोड़फोड़ और आगजनी की थी।

- सरकार ने कुलगुरु को नोटिस देकर सात दिन में मांगा जवाब

किले की तरह परिसर: नोटिस में कहा गया है, परिसर को एक किले की तरह रखा गया है जहां प्रबंधन के अपने कानून हैं और किसी को भी उनके बारे में बात करने की इजाजत नहीं है। परिसर में तानाशाही रवैया हावी है, इसका सबसे बड़ा उदाहरण है कि सीहोर जिले के सीएचएमओ को भी संस्थान के गेट पर दो से चार घंटे तक रोका गया।विद्यार्थियों ने जांच समिति को बताया कि उन्हें शिकायत करने पर अनुशासन के नाम पर उनके पहचान पत्र जब्त करने, प्रायोगिक परीक्षा में कम नंबर देने और परीक्षा में न बैठने देने जैसी धमकी दी गई।

चुनाव के दौरान कार में मिला कैश शिंदे गुट का भाजपा पर निशाना

मुंबई, एजेंसी

- पार्टी विधायक ने पुलिस पर लगाया केस दर्ज करने में हीलाहवाली करने का आरोप

महाराष्ट्र में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना के विधायक नीलेश राणे ने मंगलवार को दावा किया कि राज्य में स्थानीय निकाय चुनावों की पूर्व संध्या पर उनके गृह जिले सिंधुदुर्ग में एक कार के अंदर भारी मात्रा में नकदी पाई गई। राणे ने इस घटनाक्रम को लेकर गठबंधन सहयोगी भाजपा पर निशाना भी साधा।

उन्होंने कहा कि उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि इस तरह से बड़े पैमाने पर नकदी के वितरण के पीछे कौन था। राणे ने सोमवार रात नकदी लेकर जा रही कार का वीडियो साझा किया। कहा, इस घटना से मतदाताओं को प्रभावित करने के प्रयासों के बारे में गंभीर चिंता पैदा होती है। राणे की ओर से साझा किए गए वीडियो में कार के अंदर भाजपा के स्कार्फ दिखाई दे रहे हैं। महाराष्ट्र के विभिन्न हिस्सों में 264 नगर परिषदों और नगर पंचायतों के चुनाव के लिए मंगलवार को मतदान हुआ। सिंधुदुर्ग में संवाददाताओं से मुखातिब राणे ने आरोप लगाया, पुलिस ने कार में सवार दो लोगों को हिरासत में ले लिया, इसके बावजूद लगभग एक घंटे तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। कार में भारी मात्रा में नकदी मिली है। पुलिस हिरासत में लिये गए व्यक्तियों के खिलाफ शिकायत दर्ज करने में हिचकिचा रही है, लेकिन शिकायत दर्ज की जा रही है केवल इसलिए क्योंकि मैं और मेरे समर्थक यहां आए थे।

सीबीआई को झटका, रुबैया के अपहरण के आरोपी को जमानत

जम्मू। सीबीआई को मंगलवार को एक बड़ा झटका देते हुए एक विशेष अदालत ने 1989 में जम्मू कश्मीर के तत्कालीन गृह मंत्री मुफ्ती मोहम्मद सईद की बेटी रुबैया सईद के अपहरण के सिलसिले में एक दिन पहले गिरफ्तार किए गए शफात अहमद शांगलू को रिहा कर दिया। अदालत ने 8 दिसंबर 1989 को हुए अपहरण के सिलसिले में पूछताछ के लिए शांगलू को सीबीआई को हिरासत में देने से इन्कार कर दिया। हिरासत में देने के अनुरोध संबंधी सीबीआई की याचिका को खारिज करते हुए विशेष अदालत ने कहा कि एजेंसी द्वारा दाखिल आरोपपत्र में उसका कोई जिक्र नहीं था। एजेंसी ने 35 साल पुराने मामले में गिरफ्तार शांगलू को हिरासत में देने का अनुरोध जम्मू की टाडा अदालत में यह दावा करते हुए किया था कि वह इतने सालों से फरार था।

एसआईआर के खिलाफ संसद परिसर में प्रदर्शन

नई दिल्ली, एजेंसी

संसद परिसर में एसआईआर के खिलाफ प्रदर्शन करते विपक्ष के नेता।

- विपक्ष के नेताओं ने नारेबाजी कर की वापस लेने की मांग

विपक्षी गठबंधन 'इंडिया' के घटक दलों के सांसदों ने शीतकालीन सत्र के दौरान संसद में चुनाव सुधारों के विषय पर चर्चा की मांग करने के साथ एसआईआर का विरोध करते हुए मंगलवार को संसद परिसर में प्रदर्शन किया। प्रदर्शन कर रहे विपक्षी नेताओं ने 'एसआईआर वापस लो' के नारे लगाए।

विपक्षी दलों के सांसदों ने संसद भवन के मकर द्वार के निकट एकत्रित होकर विरोध प्रदर्शन किया। इस विरोध प्रदर्शन में कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा, द्रमुक नेता टीआर बालू और कई अन्य विपक्षी सांसद शामिल हुए। खरगे ने संसद परिसर में संवाददाताओं से कहा, विपक्ष एसआईआर का मुद्दा उठा रहा है, और हम इस मामले पर बहुत गंभीरता से चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन राज्यसभा के सभापति ने इसकी अनुमति नहीं दी और सरकार इस पर चर्चा करने के लिए तैयार नहीं है। उन्होंने कहा, यह देश के लिए अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण और लोकतंत्र के लिए हानिकारक है। हम इसके लिए लड़ रहे हैं। हम आज भी लड़ेंगे और कल भी लड़ेंगे।

खरगे ने कहा, सभापति यह भी उल्लेख नहीं करते कि किन सदस्यों ने नोटिस दिया है या उनके विषय क्या हैं। राहुल गांधी ने फेसबुक पर पोस्ट किया, संसद भवन के बाहर आज 'इंडिया' गठबंधन ने एसआईआर के विरोध में प्रदर्शन किया। मोदी जी कह तो जाते हैं कि संसद भारत के लोगों की है, मगर जनता के जरूरी मुद्दों पर चर्चा से भागते रहते हैं। लोकतंत्र में मताधिकार से बड़ा जनता का मुद्दा क्या हो सकता है।

परंपरा का उत्सव

कर्नाटक के चिक्कमगलुरु में अनुसूया जयंती के हिस्से के रूप में आयोजित संकीर्तन यात्रा में भाग लेते हुए कलाकार वीरागसे नृत्य कर रहे हैं। वीरगासे एक पारंपरिक, ऊर्जावान और वीर नृत्य है जो हिंदू पौराणिक कथाओं पर आधारित है।

विमानन क्षेत्र : हादसे दर हादसे फिर भी लापरवाही

देश में आए दिन विमानों को हादसों से दो चार होना पड़ रहा है। कभी उड़ान भरने में तो कभी लैंडिंग में दुश्वारियों का सामना करना पड़ रहा है। अहमदाबाद में विमान हादसे की बड़ी घटना हो चुकी है। जिसमें कई जानें गई थीं उसके बावजूद लापरवाही रुकने का नाम नहीं ले रही है। नवंबर माह में एयर इंडिया के विमान ने एक्सपायर सर्टिफिकेट के साथ उड़ान भरी थी। यह घटना 24 और 25 नवंबर को हुई थी। एयर इंडिया ने 26 नवंबर को डीजीसीए को सूचित किया था कि एआरसी के बगैर ही यह विमान आठ वाणिज्यिक उड़ानों पर गया था। नियमों के तहत एयर इंडिया को किसी विमान को एआरसी जारी करने की अनुमति है। घटना में शामिल विमान पूर्ववर्ती एयरलाइन विस्तारा के बेड़े का हिस्सा था। इस एयरलाइन का नवंबर 2024 में एयर इंडिया में विलय हो गया था। अब विमानन नियामक (डीजीसीए) ने उक्त घटना की जांच शुरू की है।

एआरसी बिना विमान ने भरी उड़ान

आम तौर पर टाटा समूह की कंपनी एयर इंडिया हर साल अपने विमानों की जांच के बाद उनके लिए एआरसी जारी करती है। लेकिन, एयर इंडिया द्वारा साल 2024 में विस्तारा के अधिग्रहण के समय यह तय हुआ था कि विस्तारा से आने वाले सभी 70 विमानों को पहले साल में एआरसी डीजीसीए द्वारा जारी किया जाएगा। डीजीसीए ने 69 विमानों को जांच के बाद एआरसी जारी कर दिया जबकि एक विमान के बारे में एयर इंडिया ने आवेदन दिया कि उसे इंजन बदलने के लिए ग्राउंड किया गया है। इंजन बदलने के बाद एयर इंडिया ने बिना डीजीसीए से एआरसी लिए उस विमान को सेवा में शामिल कर लिया। एयर इंडिया ने गत 26 नवंबर को डीजीसीए को बताया कि विमान ने एक्सपायर हो चुके एआरसी पर आठ सेक्टरों पर उड़ान भरी।

क्या है एआरसी

एआरसी यानी एयरवर्धीनेस रिव्यू सर्टिफिकेटवह वार्षिक प्रमाणपत्र है, जो किसी विमान के रखरखाव की स्थिति, रिकॉर्ड और सभी सुरक्षा मानकों की समीक्षा के बाद जारी किया जाता है। यह एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है जो यह सुनिश्चित करता है कि विमान तकनीकी रूप से सही है और उड़ान भरने के लिए सुरक्षित है। विमानन नियामक डीजीसीए ने एयर इंडिया के एक ए320 नियो विमान को उड़ान भरने के वैध प्रमाणपत्र (एआरसी) के बैगर ही आठ उड़ानों पर संचालित किए जाने की घटना की जांच शुरू कर दी है। नागर विमानन महानिदेशालय (डीजीसीए) ने इस घटना में शामिल रहे सभी कर्मचारियों को जांच पूरी होने तक ड्यूटी से हटा दिया है और संबंधित विमान को तुरंत खड़ा करने के भी निर्देश दिए हैं।

सुरक्षा के लिए जरूरी मानक

- **वार्षिक निरीक्षण :** विमानों का वार्षिक निरीक्षण होता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि वे उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं।
- **मासिक निरीक्षण :** विमानों का मासिक निरीक्षण यह सुनिश्चित करने को किया जाता है कि वह उड़ान के लिए समक्ष है ।
- **आयु और हालत :** विमानों की आयु और उसकी हालत को ध्यान में रखते हुए उनकी फिटनेस की जांच होती है।
- **मानकों की जांच :** विमानों को सुरक्षा मानकों की जांच की जाती है ताकि उड़ान के दौरान यात्री सुरक्षित रहे।
- **मेंटेनेंस रिकॉर्ड :** विमानों के मेंटेनेंस रिकॉर्ड की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे उड़ान भरने के लिए सुरक्षित हैं।
- **पायलटों की योग्यता :** पायलटों की योग्यता की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे विमान उड़ाने में सक्षम हैं।
- **विमान के उपकरण :** विमान के उपकरणों की जांच की जाती है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि वे काम कर रहे हैं या नहीं।

वर्ल्ड ब्रीफ

क्वात्रा ने की अमेरिकी सांसदों से बातचीत

वाशिंगटन। अमेरिका में भारत के राजदूत विनय क्वात्रा ने ऊर्जा, रक्षा और व्यापार जैसे क्षेत्रों में द्विपक्षीय सहयोग को मजबूत करने के लिए प्रभावशाली अमेरिकी सांसदों के एक समूह के साथ उपयोगी बातचीत की। क्वात्रा ने सोमवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उन्हें अमेरिकी सीनेटर लिंडसे ग्राहम, रिचर्ड ब्लूमेंथल, शेल्डन व्हाइटहाउस, पीटर वेल्च, डैन सुलिवन और मार्कवेन मलिन की मेजबानी करने का मौका मिला। ये सभी सांसद वाशिंगटन स्थित इंडिया हाउस में पहुंचे थे। क्वात्रा ने भारत और अमेरिका के बीच मजबूत संबंधों के लिए उनके समर्थन पर आभार व्यक्त किया।

यूएई में प्रस्तुति देंगे अरिजीत और रहमान

दुबई। बॉलीवुड गायक अरिजीत सिंह 19 दिसंबर को अबू धाबी के एतिहाद अरीना में एक प्रदर्शन के साथ संयुक्त अरब अमीरात में एक नई संगीत श्रृंखला की शुरुआत करेंगे। कार्यक्रम के आयोजकों ने यह घोषणा की है। ऑस्कर विजेता ए.आर. रहमान भी अपने वंडरमेंट टूर के तहत 23 जनवरी, 2026 को इसी स्थान पर प्रस्तुति देंगे। उनकी प्रस्तुति के बाद 31 जनवरी को सितार वादक ऋषभ रिखीराम शर्मा दुबई के कोका-कोला एरिना में प्रस्तुति देंगे। इस श्रृंखला का आयोजन दुबई स्थित रियल एस्टेट कंपनी पैंथियन डेवलपमेंट द्वारा किया जा रहा है।

काला सागर में रूस के तीसरे टैंकर पर हमला

अंकारा। सूरजमुखी का तेल लेकर रूस से जॉर्जिया जा रहे एक टैंकर पर काला सागर में हमला किया गया। तुर्किये के समुद्री प्राधिकरण ने मंगलवार को बताया कि कुछ दिन पहले ही रूस के छद्म बेड़े में शामिल दो तेल टैंकर पर यूक्रेन की नौसेना ने ड्रोन से निशाना बनाया था। तुर्किये के समुद्री मामलों के महानिदेशालय ने बताया कि मिडवोल्गा-2 पर तुर्किये के तट से लगभग 80 मील दूर हमला हुआ। चालक दल के 13 सदस्यों को कोई नुकसान नहीं पहुंचा है। पोत से आपात मदद का अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है।

पाकिस्तान में सुरक्षा बल केंद्र पर हमला

कराची। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में अर्धसैनिक बल के मुख्यालय के प्रवेश द्वार पर प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) की एक महिला आत्मघाती हमलावर ने विस्फोट करके खुद को उड़ा लिया और इसके बाद काफी देर तक हुई मुठभेड़ में छह उग्रवादी मारे गए।

पुतिन के भारत दौरे पर एस-400, सुखोई 57 सहित कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर होगी चर्चा

रूस के राष्ट्रपति दो दिन की भारत यात्रा पर गुरुवार को पहुंचेंगे नई दिल्ली

- राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी

रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के चार दिसंबर से शुरू हो रहे भारत दौरे पर दोनों पक्षों के बीच एस-400 मिसाइल और सुखोई-57 लड़ाकू विमानों की खरीद सहित कई मुद्दों पर चर्चा होगी। पुतिन दो दिन की भारत यात्रा पर गुरुवार को नई दिल्ली आ रहे हैं। उनकी यात्रा से पहले राष्ट्रपति के प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए यहां एक प्रेस वार्ता में कहा कि दोनों देशों के बीच रक्षा, व्यापार, ऊर्जा, आपसी निवेश सहित कई मुद्दों पर बात होगी।

पेस्कोव ने प्रश्नों के जवाब देते हुए कहा कि एस-400 मिसाइल प्रणाली और सुखोई-57 पर भी बात होनी तय है। उन्होंने कहा एस-400 निश्चित रूप से एजेंडा का हिस्सा है। यह निश्चित रूप से हमारे एजेंडा में है। और मुझे कोई संदेह नहीं है कि इस पर चर्चा होगी। उनके साथ एक बड़ा प्रतिनिधिमंडल आ रहा है जिसमें कई ऐसे सदस्य हैं जो इस पर विस्तार से चर्चा करेंगे। ...उच्चतम

रूस के राष्ट्रपति पुतिन के प्रवक्ता दिमित्रि पेस्कोव

स्तर पर इसकी चर्चा होगी। सुखोई-57 और अमेरिका द्वारा एफ-35 भारत को बेचने के प्रयास के बारे में पूछे जाने पर पेस्कोव ने कहा, सुखोई-57 दुनिया के सर्वश्रेष्ठ (सैन्य) विमान हैं। यह आगामी यात्रा के दौरान निश्चित रूप से एजेंडा का हिस्सा होगा। हम विवरण के बारे में बात नहीं करेंगे। दुनिया में कुछ प्रतिस्पर्धी भी हैं और कुछ प्रतिस्पर्धी अंतर्राष्ट्रीय व्यापार के नियमों का पालन नहीं कर रहे हैं। कभी-कभी अनुचित प्रतिस्पर्धा के लिए वे गलत रास्ता भी अपना सकते हैं। लेकिन स्वस्थ प्रतिस्पर्धा में शायद ही कोई सुखोई-57 का मुकाबला कर सके। उन्होंने कहा कि रूस का सैन्य उद्योग काफी अच्छा काम कर रहा है। उन्होंने कहा, पिछले चार साल में हमने अपना उत्पादन इस तरह से प्रबंधित किया है कि हम न सिर्फ अपनी सेना को यूक्रेन में उनके सैन्य अभियान के लिए हथियार देने में कामयाब रहे हैं, बल्कि हम निर्यात भी जारी रखने की स्थिति में हैं, और यह भारत के मामले में भी सच है। उन्होंने कहा कि भारतीय सेना के मौजूदा हथियारों और उपकरणों में 36 प्रतिशत रूसी हैं जो काफी बड़ा आंकड़ा है। उन्होंने उम्मीद जतायी कि न सिर्फ यह स्थिति जारी रहेगी बल्कि ये आंकड़े और बढ़ेंगे। छोटे परमाणु रिएक्टरों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा कि इस पर भी चर्चा हो सकती है और रूस भारत को ये रिएक्टर देने के लिए तैयार है। उन्होंने कहा कि दुनिया के देश रूस से ये रिएक्टर खरीदना चाहते हैं। रूसी अधिकारी ने कहा कि इनके अलावा मानवीय और वैज्ञानिक सहयोग, सांस्कृतिक सहयोग, उच्च तकनीक, फार्मास्यूटिकल, उत्तर-दक्षिण संपर्क मार्ग जैसे मुद्दों पर भी चर्चा होगी और कई महत्वपूर्ण दस्तावेजों पर भी हस्ताक्षर किये जायेंगे। भारत को एक महत्वपूर्ण साझेदार बताते हुए उन्होंने उम्मीद जतायी कि राष्ट्रपति पुतिन का यह दौरा उतना ही सफल रहेगा जितना एक साल पहले प्रधानमंत्री मोदी का मॉस्को का दौरा रहा था। रक्षा क्षेत्र के बारे में उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में रूस की विशेषज्ञता बढ़ी है और वह इसे भारत के साथ साझा करने के लिए तैयार है। उन्होंने ब्रह्मोस परियोजना का जिक्र करते हुए कहा कि दोनों देशों के बीच रणनीतिक संबंध सिर्फ खरीद-बिक्री तक सीमित नहीं हैं, इसमें प्रौद्योगिकी का आदान-प्रदान भी शामिल है। पेस्कोव ने मौजूदा वैश्विक परिस्थितियों में मैत्रीपूर्ण रुख के लिए भारत का धन्यवाद किया। एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने यूक्रेन-रूस युद्ध पर भारत के रुख और युद्ध रोकने के प्रधानमंत्री मोदी के प्रयासों की भी सराहना की।

उन्होंने कहा कि भारत रूस का पक्ष सुनने के लिए हमेशा तैयार रहा है, जबकि यूरोपी देश बात ही नहीं करते। उन्होंने भारत के साथ चीन को भी रूस का महत्वपूर्ण रणनीतिक साझेदार बताया और कहा कि वह भारत और चीन के द्विपक्षीय संबंधों का सम्मान करते हैं तथा रूस दोनों देशों से साथ संबंध मजबूत करेगा।

भारत से सैन्य समझौते को ड्यूमा की मंज़ूरी

मॉस्को। रूस की संसद के निचले सदन 'ड्यूमा' ने राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन की नई दिल्ली की राजकीय यात्रा से पहले भारत के साथ एक महत्वपूर्ण सैन्य समझौते को मंगलवार को मंजूरी दे दी। दोनों सरकारों के बीच 18 फरवरी को हस्ताक्षरित सैन्य साजो सामान संबंधी सहयोग के पारस्परिक आदान-प्रदान को प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्टिन द्वारा अनुमोदन के लिए पिछले सप्ताह 'ड्यूमा' को भेजा गया था। 'ड्यूमा' के अध्यक्ष व्याचेस्लाव वोलोदिन ने सदन के पूर्ण अधिवेशन में कहा कि भारत के साथ हमारे संबंध रणनीतिक और व्यापक हैं तथा हम उन्हें महत्व देते हैं। हम समझते हैं कि आज समझौते को मंजूरी निश्चित रूप से हमारे संबंधों के विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। समझौता यह तय करता है कि रूस और भारत एक-दूसरे के यहां सैन्य टुकड़ियां, युद्धपोत और सैन्य विमान कैसे भेजेंगे और उनके बीच सैन्य साजो सामान सहायता किस तरह प्रदान की जाएगी। यह समझौता सैनिकों और सैन्य उपकरणों की तैनाती को नियंत्रित करेगा और साजो सामान संबंधी व्यवस्थाओं को भी तय करेगा।

चक्रवात के बाद भारत ने अग्रणी भूमिका निभाई

कोलंबो, एजेंसी

- श्रीलंकाई राष्ट्रपति कार्यालय ने भारत की भूमिका को सराहा

राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके के कार्यालय ने मंगलवार को कहा कि चक्रवात दितवा के बाद भारत ने तत्काल आपातकालीन प्रतिक्रिया प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभाई है। इस चक्रवात में 400 से अधिक लोग मारे गए और व्यापक तबाही हुई। राष्ट्रपति कार्यालय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायके से बात कर हार्दिक संवेदना व्यक्त की और दोहराया कि भारत इस कठिन घड़ी में श्रीलंका और उसके लोगों के साथ मजबूती से खड़ा है।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को दिसानायके से बात की और उन्हें चक्रवात दितवा से प्रभावित सभी क्षेत्रों में पुनर्वास प्रयासों में निरंतर समर्थन का आश्वासन दिया। टेलीफोन पर बातचीत में मोदी ने श्रीलंका में हुई जान-माल की हानि और तबाही पर संवेदना व्यक्त की और कहा कि भारत इस मुश्किल घड़ी में द्वीपीय राष्ट्र के लोगों के साथ पूरी एकजुटता और समर्थन के संग खड़ा है। श्रीलंका चक्रवात दित्वा के कारण व्यापक बाढ़, भूस्खलन और बुनियादी ढांचे को नुकसान से जूझ रहा है, जिससे कई जिले अलग-थलग पड़ गए हैं और देश की आपदा-प्रतिक्रिया क्षमता पर भारी दबाव पड़ रहा है। आपदा प्रबंधन केंद्र (डीएमसी) ने 16 नवंबर से चरम मौसम की स्थिति के कारण आई विनाशकारी बाढ़ और भूस्खलन में मंगलवार सुबह तक कम से कम 465 लोगों की मौत और 366 लोगों के लापता होने की पुष्टि की है। भारत ने ऑपरेशन सागर बंधु शुरू किया और एनडीआरएफ के 80 कर्मियों वाली दो शहरी खोज और बचाव टीम को द्वीपीय राष्ट्र में भेजा, जिससे पड़ोसी पहले की भावना की पुष्टि हुई। मंगलवार को यह घोषणा की गई कि श्रीलंका बाढ़ राहत सामग्री को सीमा शुल्क और लेवी से मुक्त करने की अनुमति देगा, जो आपदा प्रबंधन डीजी या रक्षा मंत्रालय के सचिव के नाम पर भेजी जाएं।

गर्भवती महिला को सुरक्षित निकाला

कोलंबो। भारत ने चक्रवात प्रभावित श्रीलंका में बचाव और राहत अभियानों को तेज करते हुए नौ माह की गर्भवती महिला को सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया और उसे तत्काल चिकित्सा सहायता प्रदान की। भारतीय उच्चायोग ने एक सोशल मीडिया पोस्ट में बताया कि पुट्टलम जिले में नौ माह की गर्भवती महिला को राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल ने सुरक्षित निकाल लिया और उसे चिकित्सा सहायता प्रदान की गई। इसमें कहा गया कि ऑपरेशन सागर बंधु उनके लिए जारी है।

खालिदा के इलाज के लिए ब्रिटेन से आएंगे चिकित्सक

ढाका। बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के स्वास्थ्य की गंभीर स्थिति के मद्देनजर ब्रिटेन से चिकित्सा विशेषज्ञों की टीम बांग्लादेश आएगी, ताकि उनके इलाज का मूल्यांकन किया जा सके।

खालिदा जिया की तबीयत ज्यादा खराब होने से उनके बेटे तारिक रहमान जल्द ही देश लौट सकते हैं। तारिक रहमान लंदन में एक दशक से अधिक समय से स्व-निर्वासन में रह रहे हैं। एवरकेयर अस्पताल के बाहर एजेडएम जाहिद हुसैन ने कहा कि जिया के इलाज की निगरानी कर रहे अंतर्राष्ट्रीय मेडिकल बोर्ड में ब्रिटेन के विशेषज्ञ शामिल होंगे।

भारत ने हेरॉन एमके-2 ड्रोन खरीदने को किया करार

तेल अवीव, एजेंसी

- ऑपरेशन सिंदूर के दौरान निभाई थी अहम भूमिका

ऑपरेशन सिंदूर में 'हेरॉन एमके-2' के सफल इस्तेमाल के बाद भारत ने अपनी रक्षा क्षमताओं को महत्वपूर्ण रूप से बढ़ाने के लिए उपग्रह से जुड़े इन ड्रोन विमानों की अतिरिक्त खेप की खरीद के लिए इजराइल के साथ आपातकालीन प्रावधानों के तहत एक करार पर हस्ताक्षर किए हैं। इजराइली रक्षा उद्योग से जुड़े एक अधिकारी ने यह जानकारी दी।

इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज (आईएआई) के अधिकारी ने बताया कि हेरॉन एमके-2 मानवरहित हवाई वाहन (यूएवी) भारतीय सेना और वायुसेना के पास पहले से ही उपलब्ध हैं तथा अब इन्हें नौसेना में भी शामिल किया जाएगा। अधिकारी के मुताबिक, सितंबर में रक्षा मंत्रालय ने 87 एमएएलई ड्रोन की खरीद के वास्ते आरएफपी जारी किया था, जिसमें 'मेक इन इंडिया' कार्यक्रम पर ध्यान केंद्रित किया गया था, जो विदेशी साझेदारी की अनुमति देता है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए भारत एक प्रमुख ग्राहक है। हमारी साझेदारी तीन दशकों और कई पीढ़ियों से चली आ रही है।

बहन को इमरान खान से मिलने की मिली अनुमति

लाहौर। पाकिस्तान सरकार ने देश के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान के स्वास्थ्य को लेकर अटकलों के बीच बड़ी संख्या में उनके समर्थकों के रावलपिंडी की अदियाला जेल के बाहर एकत्र होने के बाद, उनकी बहन को जेल में उनसे मिलने की मंगलवार को अनुमति दे दी। पूर्व क्रिकेटर खान (73) से मिलने पर एक महीने से अधिक समय से अघोषित प्रतिबंध था। खान अगस्त 2023 से कई मामलों में जेल में बंद हैं। मिलने की अनुमति ने देने से सोशल मीडिया पर ये अटकलें लगाई जा रही थीं कि क्या वह जीवित हैं या मौत हो चुकी है।

बेहतर हुई अमेरिका की शांति योजना

पेरिस, एजेंसी

- रूस-यूक्रेन युद्ध समाप्ति योजना पर बोले राष्ट्रपति जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि ट्रंप प्रशासन की शांति योजना में किए जा रहे संशोधनों में प्रगति हो रही है और यह अब बेहतर लग रही है। उन्होंने फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों से मुलाकात के बाद पेरिस में यह टिप्पणी की, जहां रूस के करीब चार साल से जारी युद्ध को समाप्त करने पर चर्चा हुई।

इसी बीच, रूसी राष्ट्रपति के आधिकारिक आवास क्रेमलिन ने पुष्टि की कि व्लादिमीर पुतिन मंगलवार को अमेरिकी दूत स्टीव विटकॉफ से मिलेंगे। विटकॉफ की भूमिका पर तब सवाल उठे थे जब एक खबर आई कि उन्होंने पुतिन

के सलाहकार को यह सुझाव दिया था कि शांति योजना पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को कैसे मनाया जाए।

जेलेंस्की की पेरिस यात्रा उस बैठक के बाद हुई जिसमें अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने यूक्रेन-अमेरिका वार्ताओं को लाभप्रद बताया।

मूल कारणों के हल के बिना नहीं रुकेगा युद्ध

नई दिल्ली। यूक्रेन युद्ध रोकने के लिए अमेरिका की अगुवाई में जारी शांति वार्ता के बीच रूस ने एक बार फिर स्पष्ट किया है कि जिन कारणों से इस युद्ध की शुरुआत हुई थी उनके समाधान के बिना सैन्य अभियान नहीं रुकेगा। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के भारत दौरे से दो दिन पहले उनके प्रवक्ता दिमित्री पेस्कोव ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि अमेरिका की मध्यस्थता काफी प्रभावी है, और उम्मीद जतायी की शांति वार्ता सफल रहेगी। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यूक्रेन की नाटो सदस्यता जैसे कुछ मुद्दों को लेकर रूस बिल्कुल समझौता नहीं करेगा।

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 3 दिसंबर, बुधवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- मार्गशीर्ष, पक्ष-शुक्ल पक्ष, त्रयोदशी 12.25 तक तत्पश्चात चतुर्दशी।

आज का पंचांग

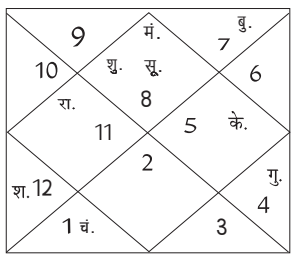

दिशाशूल- उत्तर, **ऋतु**- हेमंत।
चन्द्रबल- मेष, मिथुन, कर्क, तुला, वृश्चिक, कुंभ।
ताराबल- अश्विनी, भरणी, कृतिका, रोहिणी, आर्द्रा, पुष्य, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, अनुराधा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, उत्तराभाद्रपद।
नक्षत्र-भरणी 17.59 तक तत्पश्चात कृत्तिका।

मेष आज जीवन में आ रहे परिवर्तनों को स्वीकारें। पति-पत्नी के बीच सहयोगात्मक और प्रेम व्यवहार बढ़ेगा। आपकी सफलताओं की लोग चर्चा करेंगे। लंबे समय से चला आ रहा तनाव दूर होगा। अस्थमा के रोगियों को अपनी सेहत का ध्यान रखना चाहिए।

वृष आज व्यवसाय में नया प्रयोग लाभकारी सिद्ध होगा। सरकारी कार्यों में सफलता मिलेगी। आपके कार्य की गुणवत्ता में वृद्धि होगी। अच्छी संगत के कारण आपके कार्य सरलता से बन जाएंगे। साहित्य का अध्ययन कर सकते हैं।

मिथुन आज आपकी प्रबंधन क्षमता की प्रशंसा होगी। शेयर मार्केट में संभलकर निवेश करें। पुराने मित्रों के साथ काफी अच्छा समय बितायेंगे। यात्राओं की योजना बना सकते हैं। नई स्किल्स सीखने के लिए बहुत अच्छा समय है।

कर्क आज थकान और आलस्य आपके ऊपर हावी हो सकते हैं। दिल की अपेक्षा दिमाग से निर्णय लें। आपको कार्यक्षेत्र में उच्च अधिकार प्राप्त हो सकते हैं। अभिमान से आपको दूर रहना चाहिए। गलतफहमी के कारण संबंधों में कटुता आ सकती है।

सिंह आज बौद्धिक क्षमता का कुशल प्रयोग करेंगे। अधिकारों के साथ उत्तरदायित्व में वृद्धि होगी। कर्मचारियों के साथ विवाद की स्थिति दूर होगी। घरेलू समस्याओं का समाधान होगा। मार्केटिंग संबंधी व्यवसाय में उच्च लाभ होने की संभावना है।

कन्या आज रिसर्च संबंधी कार्यों में बाधा उत्पन्न हो सकती है। ट्रैफिक नियमों का सावधानी से पालन करें वरना आर्थिक दंड भुगतना पड़ सकता है। विरोधी आपके विरुद्ध षडयंत्र रच सकते हैं। मामा पक्ष के साथ अपने संबंध मधुर रखें।

तुला आज कारोबार में बड़ी साझेदारी हो सकती है। आपके मन में नए-नए आइडियाज आ सकते हैं। मित्रों का उत्तम सहयोग प्राप्त होगा। नौकरी में उच्च पद मिल सकता है। धर्म-कर्म के प्रति आपका मन लगेगा। शत्रुओं के ऊपर आप भारी पड़ेंगे।

वृश्चिक आज भौतिक विलासिता का आनंद उठाएंगे। संतान की नौकरी से संबंधित समस्या का समाधान होगा। अविवाहितों का विवाह तय हो सकता है। योजनाओं को अच्छी तरह से कार्यान्वित कर पाएंगे। इससे आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

धनु आज व्यवसाय में बड़े सरकारी ऑर्डर मिलने की संभावना है। विवादित मुद्दों का कूटनीतिक समाधान मिलेगा। कार्यक्षेत्र का वातावरण थोड़ा अच्छा रहेगा। अधिकारी आपके विचारों से प्रभावित रहेंगे। पेट में वायु विकार उत्पन्न हो सकते हैं।

मकर आज धन समृद्धि में बढ़ोत्तरी होने की संभावना है। दुष्ट लोगों की संगत से बचें। कार्यक्षेत्र में अपनी योग्यता का परिचय देंगे। नया कार्य आरंभ करने में कठिनाई होगी। मित्रों के साथ अच्छा समय बिताएंगे। बच्चों की पढ़ाई में परेशानियां होंगी।

कुंभ आज व्यापार में बिक्री बढ़ने की संभावना है। आर्थिक समस्या दूर होगी। नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। धैर्यपूर्वक आपको कार्य करना चाहिए। दैनिक दिनचर्या व्यवस्थित और अनुशासित रहेगी। किसी पुराने मित्र से मुलाकात हो सकती है।

मीन आज आपको अपनी फिटनेस पर ध्यान देना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपका अपमान हो सकता है। स्वास्थ्य खराब हो, तो मेडिकल चेकअप अवश्य कराएं। अपनी उपलब्धियों को लोगों से साझा न करें। मौसम की वजह से एलर्जी व बुखार की परेशानी होगी।

सुडोकू-179

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

1							2	
						6		
	5							
6						9		
					6			
		7						
2								6

सुडोकू - 178 का हल

5	7	4	1	8	9	2	3	6
9	3	8	4	2	6	5	1	7
2	6	1	7	3	5	8	4	9
8	1	9	6	5	4	7	2	3
7	5	6	3	1	2	9	8	4
4	2	3	8	9	7	6	5	1
6	8	7	2	4	1	3	9	5
1	9	2	5	7	3	4	6	8
3	4	5	9	6	8	1	7	2

वनडे और टेस्ट क्रिकेट मेरे खेल के मुताबिक है और मैं इसका अधिक लुत्फ उठाता हूं। मैं और वनडे खेलने के लिए उत्साहित हूं। जब रोहित और विराट एक ही टीम में होते हैं, तो आत्मविश्वास का स्तर एकदम अलग होता है।

-तिलक वर्मा, भारतीय बल्लेबाज

स्टेडियम

हल्द्वानी, बुधवार, 3 दिसंबर 2025

अमृत विचार

www.amritvichar.com

हाईलाइट

3 मैचों के लिए श्रीलंका जाएगी पाक टीम

लाहौर। पाकिस्तानी टीम अगले साल होने वाले टी-20 विश्व कप से पहले तीन मैचों की शृंखला के लिए श्रीलंका जाएगी। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने मंगलवार को इसकी पुष्टि की। पीसीबी ने कहा कि पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच 7, 9 और 11 जनवरी को दम्बुला में तीन मैचों की टी20 अंतर्राष्ट्रीय शृंखला खेली जाएगी। टी-20 विश्व कप से पहले पाकिस्तान की टीम 30 जनवरी से ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ तीन मैचों की टी-20 शृंखला खेलेगी।

खेलो इंडिया से किशोरों को मिला उद्देश्य : टॉड

जयपुर। भारतीय टेनिस सर्किट में एक जाना-पहचाना नाम बन चुके ऑस्ट्रेलियाई कोच टॉड क्लार्क ने खेलो इंडिया की सराहना करते हुए कहा कि इससे किशोरों को उद्देश्य मिलता है। 2008 में भारत आने के बाद से क्लार्क ने देश की संस्कृति को अपनाया है। वर्तमान में वे ओडिशा स्थित कलिंगा इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल टेक्नोलॉजी (केआईआईटी) में टेनिस निदेशक के रूप में काम कर रहे हैं और खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स राजस्थान 2025 में खिलाड़ियों का मार्गदर्शन कर रहे हैं। क्लार्क ने कहा कि उबाऊ किशोरावस्था से ज्यादा परेशान करने वाली कोई चीज नहीं होती। इन खेलों ने देशभर में युवाओं को खेल अपनाने, उसमें आगे बढ़ने और करियर बनाने का मौका दिया है।

आईटीटीएफ में भारत का अभियान समाप्त

चेंगदू (चीन)। भारतीय टेबल टेनिस खिलाड़ी मनिका बत्रा और उनकी टीम मंगलवार को स्टेज 1 के तीनों ग्रुप मैच हारकर आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप 2025 टूर्नामेंट से बाहर हो गई हैं। जापान, ऑस्ट्रेलिया और क्रोएशिया के साथ ग्रुप 2 में शामिल, आठ सदस्यों वाली भारतीय टीम एक भी मैच नहीं जीत पाई। भारत अब आईटीटीएफ मिश्रित टीम विश्व कप टूर्नामेंट के तीनों एडिशन से पहले स्टेज में ही बाहर हो गया है।

आईपीएल नीलामी से ग्लेन ने नाम लिया वापस

सिडनी। आईपीएल में एक दशक के करियर में कुछ खास नहीं कर सके ग्लेन मैकसवेल ने अबुधाबी में 16 दिसंबर को होने वाली मिनी नीलामी से नाम वापस ले लिया। बिग शो के नाम से मशहूर 37 वर्ष के मैक्सवेल ने 2012 से हर आईपीएल (2019 को छोड़कर) खेला है। मैक्सवेल ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि आईपीएल में कई यादगार सत्रों के बाद मैंने इस साल नीलामी से नाम वापिस लेने का फैसला किया है। यह फैसला है और लीग से जो कुछ भी मिला है, उसके प्रति कृतज्ञता जताते हुए लिया है।

इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रोबिन स्मिथ का निधन

लंदन। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज रोबिन स्मिथ का मंगलवार को ऑस्ट्रेलिया के पर्थ स्थित उनके घर पर निधन हो गया। वह 62 वर्ष के थे। स्मिथ को 80 और 90 के दशक में कर्टली एम्ब्रोस, कर्टनी वॉल्श, मैल्कम मार्शल और पैट्रिक पैटरसन जैसे वेस्टइंडीज के तेज गेंदबाजों का सामना करने के लिए जाना जाता है। दाएं हाथ के इस बल्लेबाज ने 1988 से 1996 के बीच 62 टेस्ट मैचों में 43.67 के औसत से 4236 रन बनाए थे।

सूर्यवंशी के नाबाद शतक के बावजूद महाराष्ट्र से हारा बिहार

कोलकाता, एजेंसी

सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी

- 14 वर्ष की उम्र में तीसरा टी-20 शतक जड़ने वाले इकलौते बल्लेबाज बने वैभव

प्रतिभावान बल्लेबाज वैभव सूर्यवंशी की 61 गेंद में नाबाद 108 रन की पारी के बावजूद बिहार को मंगलवार को सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के ग्रुप बी मैच में महाराष्ट्र के खिलाफ तीन विकेट से हार का सामना करना पड़ा। बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर बिहार ने 14 साल के सूर्यवंशी की नाबाद पारी से तीन विकेट पर 176 रन बनाए। उन्होंने सात चौके और सात छक्के मारे। इसके साथ ही वह 14 वर्ष की उम्र में तीसरा टी-20 शतक जड़ने वाले दुनिया के इकलौते खिलाड़ी बने।

इसके जवाब में महाराष्ट्र ने कप्तान पृथ्वी साव की 30 गेंद में 66 रन की पारी के अलावा नीरज जोशी (30), रंजीत निकम (27) और निखिल नाईक (22) की पारियों से पांच गेंद शेष रहते 7 विकेट पर 182 रन बनाकर जीत दर्ज की। मोहम्मद इजहार और सकीबुल गनी ने दो-दो विकेट चटकाकर बिहार को मैच में बनाए रखा, लेकिन महाराष्ट्र ने अंततः जीत दर्ज की।

जाधवपुर यूनिसर्विटी मैदान पर गोवा ने मध्य प्रदेश को सात विकेट से हराया। मध्य प्रदेश के 171 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए गोवा ने सुयश प्रभुदेसाई (नाबाद 75) और अभिनव तेजराणा (55) के अर्धशतक से 18.3 ओवर में तीन विकेट पर171 रन बनाकर जीत दर्ज की। मध्य प्रदेश ने इससे पहले हरप्रीत सिंह के 80 रन की बदौलत छह विकेट पर 170 रन बनाए।

हार्दिक पंड्या के 77 रन से बड़ौदा ने पंजाब को सात विकेट से हराया

हैदराबाद। हरफनमौला हार्दिक पंड्या ने दो महीने बाद प्रतिस्पर्धी क्रिकेट में वापसी करते हुए नाबाद 77 रन बनाए, जिसकी मदद से बड़ौदा ने ग्रुप सी मैच में पंजाब को 7 विकेट से हराया। पंड्या ने 42 गेंद में 7 चौके और 4 छक्के जड़े। पंजाब ने 20 ओवर में आठ विकेट पर 222 रन बनाए, जिसमें अभिषेक शर्मा के 19 गेंद में 50 रन शामिल है। पंड्या की पारी के दम पर बड़ौदा ने 19 .1 ओवर में तीन विकेट पर 224 रन बनाए। सितंबर में दुबई में एशिया कप सुपर फोर्स में श्रीलंका के खिलाफ खेलने के बाद पंड्या का यह पहला प्रतिस्पर्धी मैच था। उन्होंने चार ओवर गेंदबाजी करके 52 रन दिए और एक विकेट भी लिया। बड़ौदा इस समय आठ अंक लेकर तालिका में तीसरे स्थान पर है जबकि गुजरात शीर्ष पर और पंजाब दूसरे स्थान पर है। वहीं गुजरात ने पुडुच्चेरी को नौ विकेट से हराया। पुडुच्चेरी की टीम 13 .1 ओवर में 83 रन पर आउट हो गई, जबकि गुजरात ने जवाब में नौ ओवर में एक विकेट खोकर 84 रन बना लिए।

पहली बार त्रिपुरा से हारा दिल्ली, पडिक्कल के शतक से कर्नाटक की जीत

अहमदाबाद। दिल्ली का घरेलू सत्र में निराशाजनक प्रदर्शन जारी रहा जब मंगलवार को ग्रुप डी मैच में आईपीएल खिलाड़ियों की मौजूदगी के बावजूद उसे त्रिपुरा की कमजोर टीम के खिलाफ पहली बार 12 रन से हार मिली। रणजी ट्रॉफी में भी दिल्ली को जम्मू-कश्मीर से पहली बार शिकस्त मिली थी। दिल्ली एवं जिला क्रिकेट संघ (डीडीसीए) के अध्यक्ष रोहन जेटली और सचिव अशोक शर्मा को टीम चयन, सहयोगी स्टाफ के चुनाव और सरनदीप सिंह की नियुक्ति को लेकर सवालों का सामना करना पड़ सकता है। रणजी में दिल्ली को अपने आखिरी दोनों मैच जीतने के बावजूद नॉकआउट में पहुंचने के लिए किसी चमत्कार की जरूरत होगी। सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी में भी टीम चार में से दो मैच गंवाकर मुश्किल में है। त्रिपुरा के 158 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए दिल्ली के बल्लेबाजों ने निराश किया और मणिशंकर मूरासिंह (19 रन पर दो विकेट) तथा विक्की साहा (29 रन पर दो विकेट) की गेंदबाजी के सामने 8 विकेट पर 145 रन ही बना सके। मूरासिंह ने इससे पहले नाबाद 25 रन की पारी भी खेली, जिससे त्रिपुरा ने पांच विकेट पर 157 रन बनाए।

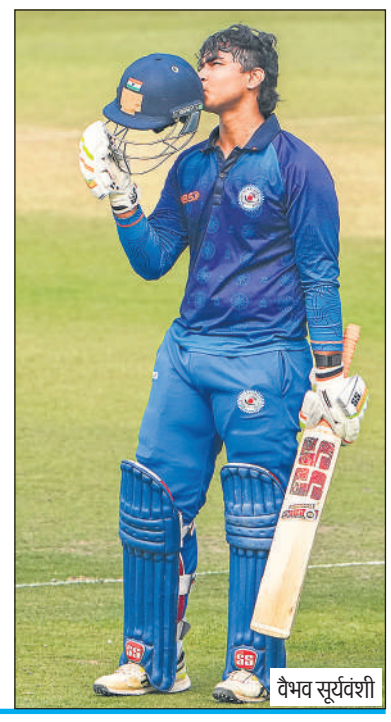

वैभव सूर्यवंशी

जीत के लिए कोहली-रोहित पर देश की नजरें

वनडे विश्व कप 2027 से पहले दोनों खिलाड़ियों के लिए हर मैच फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया

- राची वनडे में जीत के सूत्रधार रहे दोनों खिलाड़ियों ने विश्व कप के लिए अपना दावा किया पुख्ता

रायपुर, एजेंसी

अफवाहों के बीच दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ बुधवार को दूसरा वनडे और शृंखला जीतने के लिए भारत की उम्मीदें विराट कोहली के शानदार फॉर्म और रोहित शर्मा की दमदार मौजूदगी पर लगी होंगी। कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित की 57 रन की पारी के दम पर भारत ने रांची में पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका को 17 रन से हराया। वनडे विश्व कप 2027 में अभी दो साल है और ऐसे में कोहली और रोहित के लिए हर मैच अपनी फिटनेस और फॉर्म को साबित करने का जरिया है।

मुख्य कोच गौतम गंभीर से बढ़ते मतभेदों का मसला भी अहम है। इसे लेकर लग रही अटकलों के बीच लगता है कि बीसीसीआई को कहीं न कहीं दखल देना होगा। भारत की जीत के सूत्रधार रहे रोहित और कोहली ने दक्षिण अफ्रीका में होने वाले विश्व कप के लिए अपना दावा पुख्ता कर दिया है। रोहित के प्रदर्शन से भारत ने अक्टूबर में ऑस्ट्रेलिया को सिडनी वनडे में नौ विकेट से हराया था। चयन समिति के प्रमुख अजित अगरकर और गंभीर ने विश्व कप में दोनों की भागीदारी को लेकर कुछ नहीं कहा है जो तनाव की वजह हो सकता है। पहला मैच जीतने के बावजूद भारत की चिंता कम नहीं हुई है।

लिस्ट ए क्रिकेट में प्रभावी प्रदर्शन करने वाले ऋतुराज गायकवाड़ को चौथे नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह इसके लिए तैयार नहीं दिखे। कार्यवाहक कप्तान केएल राहुल छठे नंबर पर उतरे। वॉशिंगटन सुंदर को बल्लेबाजी क्रम में प्रयोगों की आदत हो चुकी है। दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ कोलकाता टेस्ट में तीसरे नंबर पर उतरने के बाद उन्हें पहले वनडे में पांचवें नंबर पर भेजा गया, लेकिन वह बड़ी पारी नहीं खेल सके। गेंदबाजी में उन्होंने तीन ही ओवर डाले और 18 रन दिए। हर्षित राणा ने नई गेंद से दो विकेट लिए, लेकिन बाद में काफी रन दिए। उन्हें इस पर नियंत्रण करना होगा खासकर जब 34वें ओवर के बाद सिर्फ एक ही गेंद से खेलना होता है। बल्ले और गेंद के बीच संतुलन के लिए आईसीसी के नए नियम के तहत उपलब्ध दो में से एक ही गेंद 34वें से 50वें ओवर के बीच इस्तेमाल की जा सकती है।

कुलदीप यादव ने 68 रन देकर 4 विकेट लिए। वह महंगे भले ही साबित हुए, लेकिन उनकी विविधतापूर्ण गेंदबाजी के दम पर दक्षिण अफ्रीका वापसी के प्रयास के बावजूद नाकाम रहा। दक्षिण अफ्रीका ने एक समय 3 विकेट 11 रन पर गंवा दिये थे लेकिन इसके बाद शानदार वापसी की। मार्को यान्सेन ने 26 गेंद में अर्धशतक और 39 गेंद में 70 रन बनाए। मैथ्यू ब्रीज्के ने भारत के खिलाफ पहला वनडे खेलते हुए 72 रन बनाए। दक्षिण अफ्रीका ने पहला वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा और स्पिनर केशव महाराज के बिना खेला जिन्हें आराम दिया गया था। अब दोनों की वापसी से टीम को मजबूती मिलेगी। शहीद वीर नारायण सिंह स्टेडियम पर एकमात्र वनडे जनवरी 2023 में हुआ था जब पिच से मिलने वाली मदद से मोहम्मद शमी और मोहम्मद सिराज ने न्यूजीलैंड टीम को 108 रन पर आउट कर दिया था। भारत ने 30 ओवर बाकी रहते आठ विकेट से जीत दर्ज की थी। यहां दिसंबर 2023 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टी-20 मैच में भी भारत ने 20 रन से जीत दर्ज की थी।

भारत : केएल राहुल (कप्तान), रोहित शर्मा, यशस्वी जायसवाल, विराट कोहली, तिलक वर्मा, ऋषभ पंत, वाशिंगटन सुंदर, रवींद्र जडेजा, कुलदीप यादव, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षित राणा, रुतुराज गायकवाड़, प्रसिद्ध कृष्णा, अर्शदीप सिंह, ध्रुव जुरेल।

दक्षिण अफ्रीका : तेम्बा बावुमा (कप्तान), एडेन मारक्रम, डेवाल्ड ब्रेविस, नांद्रे बर्गर, क्विंटन डी कॉक, मार्को यान्सेन, टोनी डी जॉर्जी, रुबिन हरमन, ओटनील बार्टमैन, कॉर्बिन बॉश, मैथ्यू ब्रीट्ज़के, केशव महाराज, लुंगी एनगिडी, रयान रिकेलटन, प्रेनेलन सुब्रायन।

मैच दोपहर 1:30 बजे

कोहली-रोहित की मौजूदगी में भारत का सामना करना कोई नई बात नहीं : बावुमा

रायपुर। दक्षिण अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि विराट कोहली और रोहित शर्मा की मौजूदगी वाली भारतीय टीम का सामना करना कोई नई बात नहीं है, लेकिन इससे मेजबान टीम को मजबूती मिलती है। बावुमा की अगुवाई में दक्षिण अफ्रीका ने दो टेस्ट मैचों की शृंखला में भारत को 2-0 से करारी शिकस्त दी थी। बावुमा तीन मैचों की वनडे शृंखला के शुरुआती मुकाबले में एकादश का हिस्सा नहीं थे, लेकिन वह बुधवार को खेले जाने वाले दूसरे वनडे में वापसी के लिए तैयार हैं।

रांची में खेले गए पहले मैच में कोहली के 52वें वनडे शतक और रोहित के 57 रनों की बदौलत भारत ने 17 रन से जीत दर्ज की थी। बावुमा ने शहीद वीर नारायण स्टेडियम में दक्षिण अफ्रीका के अभ्यास सत्र से पहले कहा कि इन दो खिलाड़ियों के आने से टीम को मजबूती मिलती है। जैसा कि हमने शृंखला की शुरुआत में कहा था। ये दोनों खिलाड़ी काफी अनुभवी और कुशल हैं। इससे टीम को फायदा ही होगा। यह ऐसी बात नहीं है जिसके बारे में हमें जानकारी न हो।

बावुमा ने कहा कि रोहित की मौजूदगी वाली भारतीय टीम ने 2007 में दक्षिण अफ्रीका में जब टी-20 विश्व कप जीता था तक वह स्कूली छात्र थे। हमने रोहित के खिलाफ खेला है। मुझे लगता है कि 2007 के टी-20 विश्व कप के समय मैं स्कूल में था। मेरा मतलब है, ये खिलाड़ी काफी समय से भारतीय टीम में है, इसलिए इसमें कोई नई बात नहीं है। ये विश्व स्तरीय खिलाड़ी हैं। उनके खिलाफ खेलना कोई नई बात नहीं है, हम उनका सामना कर चुके हैं। यह भी सही है कि उनकी मौजूदगी में हमें ज्यादातर मैचों में निराशा मिली है, लेकिन हमने उनके खिलाफ अच्छा समय भी बिताया है। यह सब इस शृंखला को और भी रोमांचक बनाता है। बावुमा ने इस बीच कहा कि दूसरे टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल के दौरान दक्षिण अफ्रीका के मुख्य कोच शुकरी कोनराड द्वारा इस्तेमाल किए गए 'ग्रोवेल (घुटना टेकने पर मजबूर करना)' शब्द पर उन्हें स्पष्टीकरण देने की कोई जरूरत नहीं है।

थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ दोनों दिग्गजों ने किया अभ्यास

रायपुर। द. अफ्रीका के खिलाफ दूसरे वन से पहले विराट कोहली और रोहित शर्मा ने अभ्यास सत्र में थ्रो-डाउन विशेषज्ञों के खिलाफ जमकर अभ्यास किया। कोहली ने थ्रो-डाउन विशेषज्ञ रघु (दाएं हाथ) और नुवान सेनेविरत्ने (बाएं हाथ) के खिलाफ कुछ करारे प्रहार किए। मुख्य कोच गौतम गंभीर भारतीय टीम के दोनों नेट पर नजर रखे थे। कोहली सत्र पूरा करने के बाद गंभीर से कुछ भी बोले बिना आगे बढ़ गए। कोहली के ड्रेसिंग रूम जाने के बाद रोहित भी ड्रेसिंग रूम की ओर बढ़े लेकिन उन्होंने थोड़ी देर रुक कर गंभीर से बात की। यशस्वी जायसवाल ने बड़े शॉट खेलने का अभ्यास किया तो वही ऋषभ पंत ने आखिर में अभ्यास करने वालों में शामिल थे।

आलोचना पर ध्यान दूंगा तो खेल नहीं पाऊंगा : राणा

मुख्य कोच गौतम गंभीर द्वारा पक्ष लेने के लिए निशाने पर रहने वाले तेज गेंदबाज हर्षित राणा का कहना है कि वह किसी भी शोर पर ध्यान नहीं देते क्योंकि ऐसा करने से वह खुलकर नहीं खेल पाएंगे। गंभीर के कार्यकाल में 23 साल के इस तेज गेंदबाज ने पिछले साल ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान पर्थ टेस्ट में पदार्पण के बाद भारत के लिए सभी प्रारूपों में पदार्पण किया है। हालांकि हर्षित ने अपने प्रदर्शन से सभी प्रारूपों में काफी प्रभावशाली प्रदर्शन नहीं किया है लेकिन उन्हें टीम के मुख्य कोच का पूरा समर्थन मिला है।

यान्सेन ने बल्ले से सुधार किया, वह अब बेहतरीन ऑलराउंडर : कालिस

जाक कालिस

मार्को यान्सेन

बेंगलुरु। दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज क्रिकेटर जाक कालिस ने कहा कि मार्को यान्सेन ने हाल के महीनों में अपनी बल्लेबाजी में जो सुधार किया है, वह उन्हें आधुनिक क्रिकेट के शीर्ष हरफनमौला खिलाड़ियों में जगह बनाने में मददगार होगा। यान्सेन ने भारत दौरे पर आक्रामक बल्लेबाज के तौर पर अपनी साख को मजबूत करते हुए गुवाहाटी में टेस्ट और फिर रविवार को रांची में पहले वनडे में तेजी से अर्धशतक बनाए। कालिस ने मंगलवार को एसए20 द्वारा आयोजित विशेष बातचीत के दौरान कहा कि उसका साल शानदार रहा है, है ना? उसमें हमेशा से क्षमता थी। बस उसे अपने खेल को समझने की जरूरत थी। जाहिर है अब वह इसे समझ गया है और अच्छा संतुलन बना रहा है, अपने समय के सर्वश्रेष्ठ हरफनमौला खिलाड़ियों में शामिल रहे कालिस ने कहा कि यान्सेन की गेंदबाजी शानदार रही है। कुछ वर्षों में उन्होंने बल्ले से अपनी प्रतिभा का पूरा इस्तेमाल नहीं किया था लेकिन अब उन्होंने इसमें सुधार किया है। वह अब बेहतरीन हरफनमौला हैं। मुझे लगता है कि वह एसए20 में एक बड़ी भूमिका निभाएंगे। बल्ले से योगदान देने के अलावा यान्सेन ने भारत के खिलाफ दो टेस्ट मैचों में 12 विकेट भी लिए थे। दक्षिण अफ्रीका ने इस शृंखला को 2-0 से जीत था। कालिस को एसए20 यान्सेन से अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि उनकी टीम (सनराइजर्स ईस्टर्न केप) उसे अलग-अलग भूमिकाओं में इस्तेमाल कर सकती है। निचले क्रम में वह प्रभावी है, लेकिन उसकी बल्लेबाजी को देखते हुए टीम उसका इस्तेमाल कहीं भी कर सकती है। वह एक बेहतरीन ऑलराउंडर साबित होगा। दक्षिण अफ्रीका के लिए 166 टेस्ट मैचों में 45 शतकों के साथ 55.37 की औसत से 13289 रन बनाने वाले कालिस को कॉर्बिन बॉश से भी हरफनमौला प्रदर्शन की उम्मीद है। बॉश ने रांची वनडे में भारत के खिलाफ 67 रनों की पारी खेलकर और दो विकेट लेकर अपने कौशल की झलक दिखाई थी। कालिस ने कहा कि कहा कि एसए20 का दक्षिण अफ्रीका की क्रिकेट पर सकारात्मक प्रभाव पड़ रहा है और खासकर युवा प्रतिभा को पहचानने में इसकी शानदार भूमिका रही है। कालिस ने उम्मीद जताई कि 26 दिसंबर से शुरू होने वाला एसए20 का चौथा सत्र आईसीसी टी20 विश्व कप से पहले दक्षिण अफ्रीका के खिलाड़ियों के लिए एक अच्छी तैयारी साबित होगा।

जूनियर महिला वर्ल्ड कप | कनिका सिवाच और हिना बानो शानदार हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में सबसे आगे रहीं

भारत की श्रेष्ठ शुरुआत, नामीबिया को 13-0 से रौंदा

सैंटियागो (चिली), एजेंसी

भारतीय टीम ने पूल सी के अपने पहले मैच में नामीबिया को 13-0 से रौंद कर महिला एफआईएच हॉकी जूनियर विश्व कप 2025 में अभियान की शुरुआत की। सेंट्रो डेपोर्टिवो डे हॉकी सेस्पेड एस्टाडियो नेशनल में हुए मुकाबले में भारतीय टीम के लिए कनिका सिवाच ने 12वें, 30वें, 45वें मिनट और हिना बानो 35वें, 35वें, 45वें मिनट में हैट्रिक लगाकर स्कोरिंग में आगे रहीं, जबकि साक्षी राणा ने 10वें, 23वें मिनट में दो गोल किए। बिनिमा धन ने 14वें, सोनम ने 14वें, साक्षी शुक्ला ने 27वें, इशिका ने 36वें, और मनीषा ने 60वें मिनट में एक-एक गोल किए।

भारत ने शुरू में ही लय बना ली और विपक्षी टीम पर लगातार दबाव बनाए रखा। 10वें मिनट में सफलता मिली जब साक्षी राणा ने एक तेज रिवर्स फ्लिक से गोल किया। कनिका सिवाच ने जल्द फिनिश के साथ दूसरा गोल किया। इससे पहले बिनिमा धन और सोनम के तेज स्ट्राइक ने पहले क्वार्टर के आखिर तक स्कोर 4-0 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में राणा ने दूसरा गोल किया और साक्षी शुक्ला ने पेनल्टी-कॉर्नर ड्रैगफ्लिक को गोल में बदला। सिवाच ने हाफ-टाइम से ठीक पहले एक और गोल करके बढ़त को 7-0 किया। भारत ने तीसरे क्वार्टर में भी उसी लय से शुरुआत की। हिना बानो ने जल्दी-जल्दी दो गोल किए, जिसमें एक टॉप-कॉर्नर फिनिश था। इशिका ने एक रिबाउंड पर गोल करके स्कोर डबल-डिजिट तक पहुंचाया। बानो ने पेनल्टी-कॉर्नर डिफ्लेक्शन से हैट्रिक पूरी की और सिवाच ने भी हैट्रिक पूरी करके स्कोर को आखिरी क्वार्टर में 12-0 किया। मनीषा के आखिरी गोल ने 13-0 की जीत पूरी की। भारतीय टीम बुधवार को अगले ग्रुप-स्टेज मैच में जर्मनी भिड़ेगी।

एफआईएच पुरुष जू. हॉकी विश्व कप

फ्रांस क्वार्टर फाइनल में, ऑस्ट्रेलिया बाहर

चेन्नई। पिछले सत्र के रजत पदक विजेता फ्रांस ने बांग्लादेश को 3-2 से हराकर अपना अजेय क्रम जारी रखते हुए मंगलवार को एफआईएच पुरुष जूनियर हॉकी विश्व कप के क्वार्टर फाइनल में सीधे प्रवेश किया। इस जीत से फ्रांस पूल 'एफ' में नौ अंक लेकर शीर्ष पर है। फ्रांस ने इससे पहले कोरिया को 11-1 और ऑस्ट्रेलिया को 8-3 से हराया था। पूर्व चैंपियन ऑस्ट्रेलिया का दूसरे जूनियर विश्व कप खिताब का 28 साल का इंतजार जारी रहेगा क्योंकि टीम पूल एफ मैच में कोरिया को 3-1 से हराने के बावजूद क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने में नाकाम रही। ऑस्ट्रेलिया ने एकमात्र खिताब इंग्लैंड के मिल्टन केनेस में 1997 में जीता था। खिताबी दौड़ से बाहर हो चुकी चिली ने पूल बी में ओमान पर सांत्वना जीत दर्ज की।

हाईकोर्ट ने बजरंग और विनेश की याचिका की खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने भारतीय कुश्ती महासंघ के दिसंबर 2023 में हुए चुनाव को चुनौती देने वाली बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट और सत्यव्रत कादियान की याचिका खारिज कर दी क्योंकि अलग अलग तारीखों पर भी वे पेश नहीं हुए। तीनों की उम्मीदवार अनिता श्योराण को हराकर संजय सिंह उस समय अध्यक्ष बने थे।

न्यायाधीश मिनी पुष्करना ने 27 नवंबर को सुनवाई करते हुए कहा कि इस दौरान एक भी याचिकाकर्ता मौजूद नहीं था और दो सुनवाई में भी वे नहीं आए। लगता है कि मामले को आगे ले जाने में याचिकाकर्ताओं की रुचि नहीं है। पहलवानों ने आरोप लगाया था कि डब्ल्यूएफआई चुनाव अच्छे और पारदर्शी माहौल में नहीं हुए थे। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया में अनियमितताओं के आरोप लगाए थे। याचिकाकर्ताओं के सुनवाई के दौरान पेश नहीं होने पर अदालत ने याचिका रद्द कर दी।

सरकार ने एशियाई पैरा खेलों में जाने की 161 सदस्यीय दल को दी मंजूरी

नई दिल्ली, एजेंसी

- दुबई में 7-14 दिसंबर तक होने वाले आयोजन में शामिल होगा भारतीय दल

खेल मंत्रालय ने दुबई में 7-14 दिसंबर तक होने वाले एशियाई युवा पैरा खेलों के लिये 161 सदस्यीय भारतीय दल को मंजूरी दे दी लेकिन अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं को देखते हुए सभी की पृष्ठभूमि की जांच भी अनिवार्य कर दी है।

सूची में 99 खिलाड़ियों (61 पुरुष और 38 महिलाएं), 62 कोचों, सहयोगी स्टाफ और दल के अधिकारियों के नाम है। मंत्रालय ने दल के लौटने के 30 दिन के भीतर प्रदर्शन पर भी विस्तृत रिपोर्ट मांगी है, जिसमें एक्शन फोटो और अन्य विजुअल हैं। भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) को भेजे पत्र में कहा गया, अतीत में विदेश में कुछ अधिकारियों और खिलाड़ियों के गायब होने की घटनाओं से मंत्रालय का मानना है कि दल के सदस्यों और अधिकारियों की पृष्ठभूमि की भारतीय खेल प्राधिकरण या राष्ट्रीय खेल महासंघों द्वारा पूरी जांच कराई जाये।

पीसीआई महासचिव जयवंत गुंडू हम्मानावर अकेले अधिकारी हैं जिनकी यात्रा सरकार के खर्चे पर नहीं होने के आधार पर मंजूरी मिली है। वह दल प्रमुख भी होंगे। मंत्रालय ने कहा कि पीसीआई यह सुनिश्चित करेगी कि पीसीआई की कार्यकारी समिति, किसी राष्ट्रीय खेल महासंघ या अन्य खेल ईकाई में पदधारी कोई व्यक्ति, जिसका नाम सूची में है, उसकी लागत सरकार द्वारा वहन नहीं की जाएगी। कुछ शीर्ष पैरा एथलीटों ने बड़े टूर्नामेंटों के दौरान सहयोगी स्टाफ और व्हीलचेयर सहयोगियों के गायब होने के मसले पर चिंता जताई थी। खिलाड़ियों के गायब होने का कोई मामला प्रकाश में नहीं आया है, लेकिन अधिकारियों द्वारा विदेशी स्पर्धाओं को 'छुट्टियों की तरह' मनाने की शिकायतें मिलती रही हैं। शीर्ष सूत्र ने बताया कि अक्टूबर में एशियाई पैरा टेबल टेनिस चैंपियनशिप के दौरान व्हीलचेयर पर निर्भर कोच अपने बेटे को सहयोगी के रूप में ले गया और बीजिंग में स्पर्धा के दौरान दोनों गायब हो गए। दोनों खरीदारी और घूमने में व्यस्त थे। कोच मैच देखने भी नहीं आया और ऐसा काफी समय से हो रहा था।